31 मई 2025
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

केंद्र का जातीय जनगणना कराने का फैसला सराहनीय : सीएम नीतीश कुमार

4

कारकाट में पीएम मोदी ने किया 48520 करोड़ रु. की लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

आतंकियों के ठिकानों को सेना ने खंडहर में बदल दिया: मोदी

- पीएम मोदी बोले- बिहार की धरती से मैंने कहा था कि पहलगाम हमले के दोषियों को कल्पना से बड़ी सजा मिलेगी
- अपना वादा पूरा करने के बाद बिहार आया हूं
- आतंक का फन अगर फिर उठेगा तो उसे बिल से खींचकर कुचलने का काम होगा

केटी न्यूज/पटना

बिहार के काराकाट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 48520 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज मुझे इस पवित्र भूमि पर बिहार के विकास को नई गति देने का सौभाग्य मिला है। यहां करीब 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। पीएम मोदी ने कहा, आज बिहार में इतनी बड़ी तादात में माताओं-बहनों का आना, अपने आप में बिहार में मेरे इतने कार्यक्रमों की ये सबसे बड़ी शानदार घटना है। मैं माताओं-बहनों को विशेष प्रणाम करता हूं। मैं आप सभी जनता-जनार्दन का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा, अभी पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, हमारे कितने निर्दोष नागरिक मारे गए। इस जघन्य आतंकी हमले के एक दिन बाद मैं बिहार आया था और मैंने बिहार की धरती से देश से वादा किया था, वचन दिया था। बिहार की धरती से आंख में आंख मिलाकर हमने कहा दिया था कि आतंक और आतंक के आकाओं के ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। बिहार की धरती से मैंने कहा था कि उन्हें कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। आज जब मैं बिहार आया हूं, तो अपना विचार पूरा करने के बाद आया हूं।

सीमा पर तैनात बीएसएफ के जाबांज सुरक्षा की अभेद चट्टान हैं

पीएम मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने हमारी बीएसएफ का भी अभूतपूर्व पराक्रम और अदम्य साहस देखा है। हमारी सीमाओं पर तैनात बीएसएफ के जाबांज सुरक्षा की अभेद चट्टान हैं। मां भारती की रक्षा हमारे बीएसएफ के जवानों के लिए सर्वोपरि है। यही मातृभूमि की सेवा का पवित्र कर्तव्य निभाते हुए 10 मई को सीमा पर बीएसएफ सब-इंस्पेक्टर इम्तियाज शहीद हो गए थे। मैं बिहार के इस वीर बेटे को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि देता हूं। मैं आज बिहार की धरती से फिर दोहराना चाहता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की जो ताकत दुश्मन ने देखी है, दुश्मन समझ ले कि ये तो हमारे तरकश का केवल एक ही तीर है।

आतंक का फन फिर कुचलेंगे: उन्होंने कहा, आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई न रुकी ही, न थमी है। आतंक का फन अगर फिर उठेगा, तो भारत उसे बिल से खींचकर कुचलने का काम करेगा। हमारी लड़ाई देश के हर दुश्मन से है, फिर वो चाहे सीमा पार हो या देश के भीतर हो। बीते वर्षों में हमने हिंसा और अशांति फैलाने वालों का कैसे खात्मा किया है, बिहार के लोग इसके साक्षी हैं। पीएम मोदी ने नक्सलवाद खत्म करने का भी जिक्र किया और सरकार की योजनाएं के बारे में जानकारी दी।

जिन लोगों ने पाकिस्तान में बैठकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था। हमारी सेना ने उनके ठिकानों को खंडहर में बदल दिया।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा, भारत की बेटियों के सिंदूर की शक्ति क्या होती है, ये पाकिस्तान ने भी देखी और दुनिया ने भी देखी। जिस पाकिस्तानी सेना की छत्रछाया में आतंकी खुद को सुरक्षित मानते थे, हमारी सेनाओं ने एक ही झटके में उनको भी घुटनों पर ला दिया। पाकिस्तान के एयरबेस, उनके सैन्य ठिकाने हमने कुछ ही मिनट में तबाह कर दिए। ये नया भारत है, ये नए भारत की ताकत है।

पीएम मोदी ने नक्सलवाद पर बात करते हुए कहा कि पहले नक्सलवाद की वजह से सरकारी योजनाएं लोगों तक नहीं पहुंच पाती थीं। नक्सलियों को संविधान में विश्वास नहीं था। 2014 के बाद सरकार ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए तेजी से काम किया है। माओवादियों को मुख्यधारा में लाने की कोशिश की गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 सालों की मेहनत का फल अब देश को मिल रहा है। 2014 से पहले देश में 125 से ज्यादा जिले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन अब सिर्फ 18 जिले ही बचे हैं।

पीएम मोदी ने किया मॉर्डन रेलवे टर्मिनल का उद्घाटन

पटना को जल्द ही एक अत्याधुनिक रेलवे टर्मिनल की सौगात मिलने जा रही है। हार्डिंग पार्क के सामने नया मॉर्डन रेलवे टर्मिनल बनाया जा रहा है। इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिक्रमगंज से वर्चुअल माध्यम से किया। रेलवे मंत्रालय की ओर से यह प्रोजेक्ट करीब 95 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा। इसके तहत पांच नए प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे, जिससे पटना जंक्शन पर ट्रेनों और यात्रियों की भीड़ को कम करने में मदद मिलेगी। इस टर्मिनल का उद्देश्य ट्रेनों के संचालन को अधिक सुचारु बनाना, यात्रियों को बेहतर अनुभव देना और पटना की बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए भविष्य के यातायात दबाव को संभालना है। पीएम मोदी ने कहा कि कि बिहार में हर तरफ फोरलेन सड़कें बन रही हैं। गंगा, गंडक, कोसी जैसी नदियों पर नए पुल बन रहे हैं। इन परियोजनाओं से युवाओं को रोजगार मिलेगा और पर्यटन बढ़ेगा। बिहार में वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें भी चल रही हैं। पटना एयरपोर्ट को आधुनिक बनाया गया है। बिहटा एयरपोर्ट पर 1400 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है।

पीएम बोले... जंगलराज वालों से सावधान रहने की जरूरत है

रवि प्रकाश। रोहतास : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिक्रमगंज में आयोजित जनसभा में लालू परिवार और इंडिया गठबंधन पर उन्होंने जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने बिना नाम लिए लालू परिवार को खूब खरी-खोटी सुनाई। कई विकास योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार में यह सब काम पहले भी हो सकते थे। लेकिन, जिनके हाथ में आपने विकास की विकास की जिम्मेदारी सौंपी थी, उन्होंने ही आपको लूट लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद वालों ने सामाजिक न्याय के नाम पर झूठ बोला। कहा कि जब जंगल राज वाली सरकार की विदाई हुई तो बिहार अब प्रगति की राह पर आगे बढ़ने लगा है। टूटे हाइवे, खराब रेलवे, गिनी-चुनी फ्लाइट कनेक्टिविटी, अब वह दौर काफी पिछले छूट चुका है। पहले बिहार में एक ही पटना एयरपोर्ट था। अब दरभंगा एयरपोर्ट भी बन चुका है। पटना एयरपोर्ट पर नया टर्मिनल भवन बन चुका है। बिहार में हर तरफ फोर लेन और सिक्स लेन सड़कों का जाल बिछ रहा है। हर तरफ तेजी से काम हो रहा है। पटना से बक्सर, गयाजी से डोभी, पटना-आरा- सासाराम ग्रीनफील्ड कोरिडोर समेत हर तरफ तेजी से काम हो रहा है। गंगा, सोन, गंडक, कोसी समेत सभी प्रमुख नदियों पर नए पुल बन रहे हैं। हजारों करोड़ की ऐसी परियोजनाएं बिहार में नए अवसर प्रदान कर रही हैं। आज बिहार में वर्ल्ड क्लास वंदे भारत बन रही है। रेलवे लाइन को डबल और ट्रिपल किया जा रहा है। सासाराम में भी अब सौ से ज्यादा ट्रेनें रुकती हैं।

लालू परिवार पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि विकास के यह काम पहले भी हो सकते थे। जिनके ऊपर बिहार को आधुनिक ट्रेनें देने की जिम्मेदारी थी, उन्होंने रेलवे में भर्ती के नाम पर आपकी जमीनों को लूटने का काम किया। गरीबों की जमीनें लिखवा ली। सामाजिक न्याय का उनका यही तरीका था। गरीबों को लूटना, उनके अधिकारों को लूटना, उनके अधिकारों का फायदा उठाना और खुद राजशाही का मौज करना ही उनका तरीका था। सामाजिक न्याय के नाम पर सत्ता पाने के लिए यह लोग झूठ बोल रहे हैं। दशकों तक गरीब, दलित, पिछड़े और आदिवासियों के पास शौचालय, पक्का घर तक नहीं था। बैंक खाते नहीं थे। उन्हें बैंकों के दरवाजे पर भी घुसने नहीं दिया जाता था। दलित और गरीब बेघर थे। पीएम ने पूछा कि बिहार के लोगों की यह दुर्दशा, तकलीफ क्या यही कांग्रेस और राजद का सामाजिक न्याय था? बिहारवासियों को जंगलराज वालों से आगे भी सावधान रहने की जरूरत है।

शहीद शुभम द्विवेदी के परिवार से मिले पीएम

एजेंसी/कानपुर

कानपुर दौरे पर पहंचे पीएम मोदी ने शुक्रवार को चकेरी एयरपोर्ट पर पहलगाम आतंकी हमले के शिकार शुभम द्विवेदी के परिवार से मुलाकात की। पीएम मोदी ने शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या, पिता संजय द्विवेदी और मां सीमा द्विवेदी से भेंटकर बात की। एयरपोर्ट पर पहले ही तीनों को बुला लिया गया था। संजय द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए पीएम को धन्यवाद कहा। इस पर पीएम ने कहा कि मुझे यकीन नहीं हो रहा कि इतना बड़ा दुख सहने के बावजूद आप मुझे धन्यवाद दे रहे हैं। इसके बाद पीएम ने शुभम की पत्नी ऐशान्या से बात की। पीएम ने कहा कि मैं मैं जानता हूं बेटी कि यह आपके लिए मुश्किल समय है। पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी बिल्कुल चिंता मत करिएगा, आपके साथ पूरा देश खड़ा है। मीडिया से बातचीत में ऐशान्या ने पीएम से संक्षिप्त मुलाकात के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि हमारे लिए पीएम का आभार जताना जरूरा था। संजय द्विवेदी ने बताया कि परिवार ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए पीएम का आभार जताया। हमने इसीलिए पीएम से मिलने से इच्छा जताई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की दो दिवसीय यात्रा के समापन पर शुक्रवार को पटना हवाई अड्डे पर आईपीएल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने 14 वर्षीय क्रिकेटर के क्रिकेट कौशल की पूरे देश में प्रशंसा की और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कानपुर को कई योजनाओं की मिली सौगात

एजेंसी/कानपुर

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दौरे पर कानपुर को बड़ी सौगात दी। उन्होंने 47 हजार 600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। चुन्नीगंज से कानपुर सेंट्रल तक कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के नए अंडरग्राउंड सेक्शन का उद्घाटन किया। कानपुर मेट्रो के इस विस्तार से लाल इमली, जेड स्क्वायर मॉल, ग्रीन पार्क स्टेडियम, परेड ग्राउंड, बुक मार्केट और सोमदत्त प्लाजा जैसे महत्वपूर्ण स्थान मेट्रो से सीधे जुड़ जाएंगे। मौजूदा समय में आईआईटी कानपुर से मोतीझील तक 9 स्टेशन परिचालन में हैं। प्रधानमंत्री नेघाटमपुर में 660 मेगावाट की बिजली यूनिट और पनकी में एक थर्मल पावर प्रोजेक्ट का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि वो डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता में बड़ी भूमिका निभा रहा है। जैसे कानपुर में पुरानी ऑर्डिनेंस फैक्ट्री है, ऐसी 7 ऑर्डिनेंस फैक्टियों को हमने बड़ी आधुनिक कंपनियों में बदल दिया है। आज देश का बड़ा डिफेंस कॉरिडोर यूपी में बन रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, अगर सही इरादों, मजबूत इच्छाशक्ति और नेक-नीयत वाली सरकार हो तो देश और प्रदेश के विकास के लिए कैसे ईमानदारी से प्रयास होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत के स्वदेशी हथियारों और मेक इन इंडिया की ताकत भी देखी है।

अवैध रूप से दिल्ली में रह रहे 38 बांग्लादेशियों को किया गया गिरफ्तार

एजेंसी/नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 38 बांग्लादेशी घुसपैठियों पर दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह सभी घुसपैठिए बिहार के रास्ते दिल्ली पहुंचे थे। दिल्ली में गिरफ्तार घुसपैठिए दिल्ली में रहने से पहले हरियाणा के नूंह में भी रह चुके हैं और वहां काम कर काफी समय गुजारा। इसके बाद ये लोग दिल्ली में एक फैक्ट्री में काम कर रहे थे। ये लोग अवैध रूप से शहर में रह रहे थे और इनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें पुलिस ने दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में छापेमारी कर इन लोगों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान और उनके ठिकानों की जांच की जा रही है।

पंजाब में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 5 की मौत

एजेंसी/श्रीमुक्तसर साहिब

पंजाब के श्रीमुक्तसर साहिबे के सिंघे वाला-फरीदकोट कोटली रोड पर स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में गुरुवार देर रात बड़ा धमाका हो गया। इस धमाके में 25 से ज्यादा मजदूर घायल हो गए हैं, जबकि 5 मजदूरों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक धमाके इतना जोरदार था कि दो मंजिला इमारत ढह गई, जिससे मजदूर मलबे के नीचे दब गए। घटना की सूचना मिलते ही शुक्रवार सुबह श्रीमुक्तसर साहिब जिले के एसएसपी अखिल चौधरी और एसडीएम जसपाल सिंह मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। एसडीएम जसपाल सिंह ने बताया कि घायल मजदूरों में से कुछ बादल, लंबी और कुछ बठिंडा एम्स में भर्ती कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि विस्फोट के बाद बिल्डिंग में कई फैक्ट्री कर्मचारियों के फंसे होने की आशंका है, जिसके लिए बचाव अभियान जारी है। एसएसपी ने बताया कि फोरेंसिक टीम फैक्ट्री की गहनता से जांच करने में जुट गई है। उसके बाद कोई कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर बाहरी हैं। एक मजदूर तो कुछ दिन पहले ही यहां मजदूरी करने आया था। उन्होंने कहा कि कुल कितने मजदूर भर्ती हुए हैं, इसकी पुष्टि की जा रही है।

फैक्ट्री कर्मचारी अरुण कुमार ने बताया कि पैकिंग करने के बाद हम लोग सो गए। अचानक धमाके की आवाज आई और सभी भागने लगे। धमाके के बाद अचानक बिल्डिंग ढह गई। इस दौरान कई मजदूर मलबे में दब गए। अंदर 25 से अधिक मजदूर काम कर रहे थे।

नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन ने परीक्षा को दो शिफ्ट में कराने का लिया था निर्णय

सुप्रीम कोर्ट का फैसला.. एक ही शिफ्ट में कराएं नीट पीजी परीक्षा

एजेंसी/नई दिल्ली

नीट पीजी परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है. कोर्ट ने एक ही शिफ्ट में परीक्षा कराने का आदेश दिया है। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन ने परीक्षा को दो शिफ्ट में कराने का निर्णय लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन को NEET-PG 2025 को एक शिफ्ट में आयोजित करने का निर्देश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने ठइए के दो शिफ्ट में परीक्षा आयोजित करने के फैसले को खारिज करते

हुए कहा कि इससे मनमानी होती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर एनबीई को लगता है कि 15 जून को परीक्षा की तय तारीख तक व्यवस्था नहीं की जा सकती है, तो वह समय बढ़ाने के लिए आवेदन कर सकता है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह कर रहे थे। कोर्ट ने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता सबसे अहम बिंदु है, इसलिए इसके लिए जो भी जरूरी है, उसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए। पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि छात्रों की मेहनत और उनके भविष्य के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि अलग-अलग शिफ्टों में होने वाली परीक्षाओं को लेकर छात्रों के मन में दुविधा बनी रहती थी कि दूसरे शिफ्ट में आने वाले सवाल आसान थे या कठिन। इसलिए बेहतर हो, कि सभी को समान अवसर मिले, और छात्रों को इस मानसिक परेशानी से छुटकारा मिल पाएगा।

अभी की तारीख के मुताबिक परीक्षा 15 जून को होनी है। सीबीटी मोड में परीक्षा होगी। पहले के दिशा निर्देशों के मुताबिक दो पाली में परीक्षा होनी थी। पीजी के लिए नीट परीक्षा एमबीबीएस के बाद विभिन्न एमडी एमएस/डीएनबी के साथ-साथ पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा है। इसके लिए नीट एक कंप्यूटर आधारित टेस्ट, सीबीटी, आयोजित की जाती है।

प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्रवाई से पीड़ितों को न्याय मिलने की जगी उम्मीद

राजपुर ट्रिपल मर्डर केस में दूसरे दिन पांच मुख्य आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर ट्रिपल मर्डर के आरोपियों के धर पुलिस का बुलडोजर ऐक्शन लगातार दूसरे दिन जारी रहा है। शुक्रवार को भी मजिस्ट्रेट व भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में इस जघन्य हत्याकांड के मुख्य आरोपियों पूर्व जिप उपाध्यक्ष व पूर्व मुखिया संतोष यादव व मनोज यादव के घर पर बुलडोजर चला उसे जमींदोज किया गया। इस दौरान पुलिस उनके आलीशन घर को मिट्टी में मिलाने के साथ ही विशाल दरवाजे व खिड़कियां तक उखाड़ ले गई।

शुक्रवार को इस कार्रवाई के दौरान सदर एसडीएम अविनाश कुमार व डीएसपी धीरज कुमार मौके पर मौजूद रहे। दूसरे दिन भी अहियापुर गांव पुलिस छावनी में तब्दील रहा। भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में ही मुख्य आरोपियों के घर बुलडोजर चलाया गया। बता दें कि इसके पूर्व गुरूवार को भी इस हत्याकांड में नामजद पांच आरोपियों के घर बुलडोजर चला था। इस दौरान पुलिस उनके घर से पालतू मवेशियों के साथ ही सारा सामान उठा ले गई थी। वहीं, दूसरे दिन भी पुलिस की कार्रवाई जारी रहने से आरोपियों में हड़कंप मच गया है।

नहीं मिल सका है मुख्य आरोपियों का सुराग : बता दें कि राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में 24 मई की सुबह मनोज यादव व संतोष यादव ने सरकारी जमीन पर कब्जे के लिए एक ही परिवार के पांच लोगों को गोली मार दी थी।

वर्चस्व की इस जंग में खूनी खेल खेलने के बाद पुलिस ने इस घटना को चुनौती के तौर पर लिया था। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि खुद एसपी शुभम आर्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए की जा रही छापेमारी से लेकर छह दिन के अंदर उनकी संपति कुर्क करने तक की कार्रवाई पर नजर बनाए हुए है। उनके मॉनिटरिंग में ही पुलिस की सारी कवायदे चल रही है, बावजूद इस नरसंहार को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी अभी भी पुलिस पकड़ से बाहर है। जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है। मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से जहां पीड़ित परिवार में भय व्याप्त है वहीं पुलिस के सूचना तंत्र पर भी सवाल उठने लगे है। गौरतलब है कि बीते शनिवार को अहियापुर गांव में बालू विवाद को लेकर गोलीबारी की घटना सामने आई थी। हथियारबंद अपराधियों ने पांच लोगों को गोली मारी थी। इस हमले में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी है। पुलिस इन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। परंतु अभी तक सफलता नहीं मिल पा रही है। वहीं दूसरी ओर इस हत्याकांड के बाद सियासी पारा ऊपर होने लगा है। पूर्णिया सासंद पप्पू यादव अहियापुर गांव में आकर पीड़ितों से मुलाकात किए। उन्होंने आश्वासन दिया गया है कि जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

बुलडोजर एक्शन के बाद आरोपियों में मचा हड़कंप, पुलिस दबिश में दो आरोपियों ने किया कोर्ट में सरेंडर

बक्सर। बहुचर्चित अहियापुर ट्रिपल मर्डर मामले में पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई और बुलडोजर एक्शन से आरोपियों में हड़कंप मच गया है ।शुक्रवार को इस हत्याकांड के दो आरोपियों ने पुलिस दबिश के कारण कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। जिन आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर किया है उनमें रसेन गांव का सलीम अंसारी और अहियापुर का महेंद्र सिंह शामिल है। दोनों ने सीजीएम कोर्ट में सरेंडर किया है ।बता दे कि गुरुवार की शाम ही पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर पांच आरोपियों का घर बुलडोजर चला ध्वस्त कर दिया था। जिसके बाद अन्य आरोपियों में दहशत कायम हो गया। दो आरोपियों का सरेंडर करना इसी दहशत का परिणाम है। बता दे कि 24 मई की सुबह अहियापुर गांव में मनोज यादव और संतोष यादव ने अपने गुर्गों के साथ मिलकर कत्लेआम मचा दिया था। इस दौरान अपराधियों ने पांच लोगों को गोली मारी थी, जिनमें तीन की मौके पर मौत हो गई थी, जबकि दो अभी भी अस्पताल में जीवन और मौत से जूझ रहे हैं ।एस पी शुभम आर्य ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है इसी दबाव में आकर दो आरोपियों ने शुक्रवार को सीजेएम कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस जल्दी ही उन्हें रिमांड पर लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करेगी।

बोले पुलिस अधीक्षक

राजपुर ट्रिपल मर्डर की घटना काफी जघन्य है। पुलिस इस मामले में सख्त कार्रवाई कर रही है। पांच आरोपियों की चल व अचल संपति कुर्क की जा चुकी है। एक को पहले ही गिरफ्तार किया गया था, जबकि दो ने पुलिस दबिश में न्यायालय के समक्ष आत्मसमपर्ण कर दिया है। कुर्की जब्ती के बाद भी पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

- शुभम आर्य, एसपी, बक्सर

बीडीओ ने वितरित किये नि:शुल्क पावर के चश्में, जिंदगी में छायी खुशी

डुमरांव। दिव्यांगों के लिये सहायक बन रहा है बुनियाद केन्द्र, इन्हें जीने की नई शक्ति प्रदान कर उन्हें समाज में एक स्थान दे रहा है। पहले दिव्यांगों को लोग गलत नजरों से देखते थे, आज वहीं दूसरों के लिये नजीर बन रहे हैं। शुक्रवार को बुनियाद केन्द्र में बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने दिव्यांग महिला और पुरूष के बीच पावर का चश्मा वितरित किया। आंखों के जांच के बाद उन्हें जब चश्मा दिया गया तो काफी खुश थे। बीडीओ ने कहा कि बुनियाद केन्द्र वैसे लोगों को समाज के मुख्य धारा से जोड़कर आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान कर रहा है, जिसे उपेक्षित किया जाता था। मौके पर मौजूद बुजुर्ग महिला-पुरूष व दिव्यांगों से कहा की अब आप अबला नहीं सबला बन गए हैं। आपके आसपास दिव्यांग मिलते हैं, तो उन्हें यहां पर भेजने के लिये उत्प्रेरित करें। वहीं बुनियाद केन्द्र के इंजार्च कश्मिरी चौधरी ने कहा कि यहां पर दिव्यांगों की शरिरीक जांच भी किया जाता है। जांच के बाद जो जिस तरह के दिव्यांग होते हैं, उन्हें उसी तरह के मशीन एक्सरसाईज करने के लिये दिया जाता है। अभ्यास के दौरान फीजियोथेरेपिस्ट डा. विकास कुमार ने दिव्यांगों को कई तरह की थेरेपी दी तथा उनका व्यायाम भी करवाया तथा नियमित इसका अभ्यास करने की नसीहत दी। मिली जानकारी के अनुसार पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग 50 दिव्यांग महिला-पुरूष का केन्द्र में आकर अभ्यास कर ठीक होकर अपनी नई जिंदगी जी रहे हैं। इतना ही नहीं जन्मजात जो दिव्यांग बच्चें हैं और स्कूल जाने लगे हैं, उनका भी एक्सरसाईज कराकर सही कर दिया गया है। केन्द्र में आंख, कान, हाथ, पैर से दिव्यांग के डाक्टर भी मौजूद हैं।

मुंगासी में फायरिंग की सूचना पर हलकान हुई पुलिस, नहीं हुई पुष्टि

♦ सरकारी जमीन पर कब्जे को ले लंबे समय से दो पक्षों के बीच चल रहा है विवाद, एक पक्ष ने हवाई फायरिंग करने का लगाया था आरोप

केटी न्यूज/बक्सर

डुमरांव थाना क्षेत्र के मुंगासी गांव में शुक्रवार को हवाई फायरिंग का मामला प्रकाश में आया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस हलकान रही। परंतु उसे वास्तविक रिपोर्ट नहीं मिल पायी है। पुलिस टीम मौके पर पहुंच शिकायत की जांच की, लेकिन ग्रामीणों ने हवाई फायरिंग की पुष्टि नहीं की। यह मामला सरकारी जमीन पर कब्जा जमाने को लेकर होने कीः सूचना प्राप्त हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार मुंगासी गांव के चितरंजन सिंह व मनोज सिंह के बीच लंबे समय से बिहार सरकार की जमीन पर कब्जे को ले विवाद चल रहा है। इसी विवाद में शुक्रवार को चितरंजन ने आरोप लगाया था कि दूसरे पक्ष ने दहशत मचाने के लिए हवाई फायरिंग की है। उसने डुमरांव थानाध्यक्ष संजीत शर्मा को फोन कर इसकी जानकारी दी।

सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत हरकत में आई तथा सदल बल मौके पर पहुंची। इस दौरान पुलिस ने चितरंजन द्वारा लगाए आरोपों की जांच-पड़ताल की तो आरोप निर्मूल साबित हुआ। बहरहाल इस आरोप को ले पूरे दिन डुमरांव पुलिस हलकान रही। हालांकि, पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की है और कहा है कि शांति भंग करने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष संजीत शर्मा ने बताया कि हवाई फायरिंग की सूचना पर मुंगासी पहुंच मामले की जांच की गई, जांच के दौरान फायरिंग की पुष्टि नहीं हुई। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के एक भू-खंड को ले चितरंजन व मनोज के बीच विवाद चल रहा है। दोनों पक्षों पर निरोधात्मक कार्रवाई की गई है। गौरतलब हो कि अहियापुर की घटना के बाद पुलिस जमीन विवाद के मामलों को काफी गंभीरता से ले रही है। पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है। ताकि सरकारी जमीन पर कब्जा जमाने को लेकर कोई दूसरा मामला सामने नहीं आए।

फ्लॉप साबित हुई पीएम की जनसभा, भीड़ जुटाने का सरकारी प्रयास रहा विफल : तिवारी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर सदर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार दौरे व बिक्रमगंज की जनसभा को फ्लाप बताया। उन्होंने कहा कि इस सभा में भीड़ जुटाने का सरकारी प्रयास भी विफल साबित हुआ तथा जुमलेबाज पीएम को बिहार की जनता ने नकार दिया है। सदर विधायक ने कहा कि उनके भाषण व रैली में कुछ भी नया नहीं था, बल्कि केवल पुराने वादों और खोखले जुमलों की पुनरावृत्ति मात्र हुई है। विधायक मुन्ना तिवारी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री एक ही योजना का कई बार उद्घाटन और शिलान्यास कर बिहार की जनता को भ्रमित करते हैं। उन्होंने कहा कि अधूरे कार्यों का दिखावटी उद्घाटन कर पीएम केवल प्रचार कर रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और है। विधायक ने बताया कि पीएम के दौरे से पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने जो पांच सवाल पूछे थे, उनका कोई जवाब प्रधानमंत्री ने नहीं दिया। इतना ही नहीं, महागठबंधन की ओर से उठाए गए सवालों पर भी चुप्पी साधे रहे। उन्होंने कहा कि विक्रमगंज की ऐतिहासिक धरती पर सभा कर प्रधानमंत्री ने सेना के मनोबल तोड़ने वाले सीजफायर पर भी कोई सफाई नहीं दी।

केसठ के नया बाजार की स्थिति बदहाल, व्यवस्था विहीन बाजार बनता जा रहा जंजाल

♦ स्थानीय प्रशासन से ग्रामीणों ने बाजार में मूलभूत सुविधाएं बहाल करने की लगाई गुहार

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के नया बाजार की स्थिति दिनोंदिन बदतर होती जा रही है। बाजार में न तो कोई स्पष्ट व्यवस्था है और न ही कोई नियम-कानून। सब्जी विक्रेता कहीं भी सब्जियां फेंक देते हैं, जिससे न केवल गंदगी फैल रही है बल्कि आवागमन में भी भारी असुविधा हो रही है। फल विक्रेताओं का हाल भी इससे अलग नहीं है। बाजार क्षेत्र धीरे-धीरे एक बेतरतीब जंजाल में तब्दील होता जा रहा है। वहीं, बाजार में दुकानदारों व खरीददारों के लिए पेयजल, शौचालय, यूरिनल जैसी मुलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं है। जिस कारण बाजार में आने वाले लोगों को परेशान होना पड़ता है, जबकि इस बाजार में केसठ के साथ ही आस पास के कई गांवों के सैकड़ो लोग हर दिन खरीददारी करने आते है।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि कोई भी व्यक्ति कहीं भी दुकान या ठेला लगा लेता है, जिससे बाजार की शक्ल बिगड़ती जा रही है। न तो फुटपाथ बचे हैं, न ही चलने के लिए जगह। नालियों पर अतिक्रमण और कूड़े-कचरे की भरमार ने स्वास्थ्य के लिए भी खतरा उत्पन्न कर दिया है।

स्थानीय लोगों ने अंचलाधिकारी, पंचायत मुखिया और सरपंच से अपील की है कि बाजार के लिए तत्काल कोई नियमावली तैयार की जाए और ठोस कदम उठाए जाएं। अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो यह बाजार पूरी तरह अव्यवस्थित होकर एक स्थायी समस्या बन जाएगा।स्थानीय समाजसेवियों और युवाओं ने भी अपील किया है कि यदि प्रशासन ने जल्द कदम नहीं उठाया, तो वे जनआंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

बाल कलाकार अपनी प्रतिभा को और दें निखार : डीईओ

बक्सर। जिले में नन्हे कलाकार और संगीत शिक्षक अपने विधा पर मेहनत करते हुए जिले को आगे बढ़ाने के प्रयास में लग रहे। नन्हे कलाकार अपनी प्रतिभा से सब को आकर्षित कर रहे हैं। यह नन्हें कलाकार किसी नीजी नहीं सरकारी विद्यालय के बच्चें है। जो पलक झपकते ही किसी की वास्तविक चेहरे की तस्वीर कैनवास पर खींच डालते है। जिन्होंने डीईओ की तस्वीर कैनवास पर खींच उन्हें भेंट किया है। बच्चों की कलाओं से उत्साहित डीईओ अमरेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि सभी कलाकार बच्चे देश के भविष्य बने ऐसी शुभकामनाएं हैं। आयुष कुमार जायसवाल आदर्श उच्च विद्यालय चौसा की वर्ग नवम का विद्यार्थी कलाकार है।

विधिक जागरूकता शिविर में ग्रामीणों को दी गई उनके अधिकारों की जानकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय प्रखंड के लाखनडिहरा पंचायत में शुक्रवार को विधिक जागरूकता शिविर को आयोजन किया गया। इस विधिक जागरूकता शिविर में ट्रांस जेंडरों को उनके अधिकारों, एकीकरण व पुनर्वास की विस्तार से जानकारी दी गई। यह शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर के तत्वावधान में आयोजित किया गया था, जिसमें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष हर्षित सिंह और अवर न्यायाधीश सह सचिव नेहा दयाल की प्रमुख भूमिका रही। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता मनोज कुमार श्रीवास्तव और पीएलवी अनिशा भारती ने ग्रामीणों एवं ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को उनके संवैधानिक अधिकारों, कानूनी सुरक्षा और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समाज में आज भी ट्रांसजेंडरों को उपेक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है, जिससे वे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मूलभूत अधिकारों से वंचित रह जाते हैं।

शिविर के दौरान अधिवक्ता मनोज ने बताया कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में लगभग 4.88 लाख ट्रांसजेंडर हैं, जिनकी साक्षरता दर मात्र 56.07 प्रतिशत है। इस समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सशक्त प्रयासों की आवश्यकता है।

शिविर में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 15 अप्रैल 2014 को दिए गए ऐतिहासिक नालसा जजमेंट का उल्लेख किया गया, जिसमें ट्रांसजेंडरों को तीसरे लिंग के रूप में मान्यता दी गई और उन्हें समान संवैधानिक अधिकार दिए गए। इस फैसले के बाद ट्रांसजेंडरों के साथ होने वाले भेदभाव, हिंसा और जबरन मजदूरी को अपराध घोषित किया गया है। शिविर के दौरान यह भी सामने आया कि ट्रांसजेंडरों को स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के अवसरों में भेदभाव का सामना करना पड़ता है। शिविर में उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों में मुखिया मुखलाल महतो, उप मुखिया रम्भा देवी और ऋषिकेश दुबे ने ट्रांसजेंडरों के सामाजिक पुनर्वास और सम्मानजनक जीवन के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता बताई। परिवारों द्वारा अस्वीकार किए जाने की समस्या पर भी चर्चा हुई। कई ट्रांसजेंडर बच्चों को उनके माता-पिता छोटी उम्र में ही घर से निकाल देते हैं, जिससे उनका बचपन असुरक्षित हो जाता है। इस मौके पर समाज से मानसिकता बदलने और ट्रांसजेंडर समुदाय को मुख्यधारा में शामिल करने की अपील की। यह जागरूकता शिविर न सिर्फ ट्रांसजेंडर समुदाय को उनके अधिकारों से अवगत कराने में सहायक रहा, बल्कि समाज को समानता और गरिमा के मूल्यों की भी याद दिलाता है।

सफाई नहीं होने से चौसा के किसानों को सताने लगी है धान की सिंचाई की चिंता

वर्षों से नहीं हुई है चौसा गंगा पंप हाउस से जुड़ी नरबतपुर राजवाहा की सफाई, किसान चिंतित

♦ राजवाहा में झाड़िया उगने व गाद जमा होने से अवरूद्ध हो गया है पानी का बहाव

केटी न्यूज/बक्सर

रोहिणी नक्षत्र शुरू होने के साथ ही खरीफ खेती का श्रीगणेश हो गया है। क्षेत्र के किसान इस नक्षत्र में धान का बिचड़ा डालते है, जिस कारण इस नक्षत्र को खरीफ खेती के बीजारोपण के रूप में माना जाता है। दूसरी तरफ चौसा गंगा पंप हाउस से जुड़ी नरबतपुर राजवाहा की वर्षों से सफाई नहीं हुई है। जिस कारण इसमें झाड़ियां उग आई है तथा गाद जमा हो गए है। जिससे पानी का बहाव अवरूद्ध हो गया है। नहर की सफाई नहीं होने तथा पानी का बहाव अवरूद्ध होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि धान की खेती में सिंचाई की सबसे अधिक जरूरत पड़ती है। नहर की सफाई नहीं होने से सिंचाई की समस्या गंभीर हो गई है। इससे खरीफ की फसल के लिए सिंचाई का संकट खड़ा हो गया है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई कार्य शुरू नहीं हुआ, तो इस बार भी खेतों तक पानी नहीं पहुंचेगा और फसल उत्पादन पर बुरा असर पड़ेगा। किसानों ने बताया कि वर्षों से इस नहर की सफाई के नाम पर सिर्फ आश्वासन का घूंट पिलाया जा रहा है। किसानों का कहना है कि इस नहर के सहारे क्षेत्र के एक बड़े हिस्से के खेतों की सिंचाई होती थी, लेकिन सफाई के अभाव में किसानों का इस नहर का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

डीएम से मिला प्रतिनिधि मंडलः इस बार गंभीर समस्या के प्रति किसानों व पंचायत प्रतिनिधियों ने डीएम से मिल गुहार लगाई है। प्रतिनिधि मंडल ने डीएम को बताया कि इस नहर की सफाई नहीं होने से खरीफ खेती खासकर धान की खेती में सिंचाई की समस्या काफी गंभीर हो जाएगी। किसानों की बात सुनते ही डीएम गंभीर हो गए। उन्होंने तत्काल गंगा पंप नहर के कार्यपालक अभियंता को बुला इस समस्या का अविलंब समाधान कराने का निर्देश दिया। डीएम के इस पहल के बाद किसानों में उम्मीद की एक किरण जगी है कि अब नहर की सफाई होगी तथा उनके खेत के लिए निर्बाध गति से पानी मिलेगा। प्रतिनिधि मंडल में नगर पंचायत के उप चेयरमैन प्रतिनिधि विकास राज, वार्ड पार्षद हृदय नारायण सिंह, किसान चंदन चौधरी, संजय सिंह, साधूजी और दीपक मौजूद रहे।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII

SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII

Chemistry	98	Biology	91
English Core	97	Physics	91
Physical Education	96	Business Studies	86
Mathematics	92	Economics	83

TOPPERS- STD. X

1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS

Mathematics	100	Sanskrit	100	Social Science	97
Science	100	English	95	Hindi	94

INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING,Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

मार्निंग वॉक करने निकले वृद्ध को ट्रक ने रौंदा, मौत, विरोध में सड़क जाम

- बक्सर के ज्योति चौक पर अहले सुबह हुआ दर्दनाक हादसा, ट्रक के साथ 20 मीटर तक घसीटता चला गया था शव, चालक फरार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में अहले सुबह मॉर्निंग वॉक करने निकले एक वृद्ध को ट्रक ने रौंद दिया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस घटना में ट्रक चालक की भीषण लापरवाही सामने आई है। वह वृद्ध को रौंदने के बाद भागने का प्रयास किया, जबकि उसकी उसकी बॉडी पहिया के बीच फंस गई थी, जिस कारण करीब 20 मीटर तक वह ट्रक के साथ घिसटता चला गया। जब उसे लगा कि वह भाग नहीं सकता है तथा लोगों से घिरता जा रहा है तो चालक खुद फरार हो गया। घटना के विरोध में परिजनों व स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया था तथा मौके पर वरीय अधिकारियों को बुलाने की मांग कर रहे थे।

परिजनों का आरोप था कि पुलिस व प्रशासन के वरीय अधिकारी बिक्रमगंज में पीएम के कार्यक्रम में गए है। बाद में नगर थाने की टीम ने लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया तथा सीसीटीवी फुटेज खंगाल आरोपित चालक को चिन्हित करने के प्रयास में जुट गई। मृतक की पहचान कोईरपुरवा निवासी 80 वर्षीय शिवबच्चन सिंह के रूप में हुई है। वे ज्योति प्रकाश चौक के समीप ही अपने पुत्र के साथ मिल चाय नाश्ते की दुकान चलाते थे। इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार वे हर दिन भांति सुबह 4.30 बजे घर से मार्निंग वॉक के लिए निकले थे। टहलने के बाद उन्हें चाय की तलब लगी तथा वे जैसे ही चाय पीने के लिए ज्योति प्रकाश चौक के समीप पहुंचे कि एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। इस घटना में उनका शव बूरी तरह से क्षत-विक्षत हो गया था।

वहीं, घटना के विरोध में स्थानीय लोगों व परिजनों ने मिलकर बक्सर बाईपास सड़क को जाम कर दिया था। लोगों का कहना है कि वे काफी सामाजिक व धार्मिक प्रवृति के थे तथा वे कोईरपुरवा शिव विवाह समिति की शुरूआत करने वाले व आजीवन शिव बारात संघ के सदस्य थे। उनके निधन से शहर के सामाजिक व धार्मिक सरोकार वाले लोगों के साथ ही दुकानदारों में मायूसी छाई है। उनके पुत्र दारा सिंह ने बताया कि उनके पिता काफी नियमित दिनचर्या वाले थे, उनके निधन से परिवार को अपूरणीय क्षति पहुंची है। वहीं, घटना की जानकारी के बाद से मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज पुलिस दुर्घटना को अंजाम देने वाले चालक को चिन्हित करने का प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि शहर में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है, जल्दी ही चालक को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सदर प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय हरिकिशुनपुर का है मामला, बच्चों को लाया गया सदर अस्पताल

एमडीएम में मिली छिपकली, खाने वाले कुल 63 बच्चों का कराया गया इलाज

- सदर अस्पताल पहुंच डीएम ने लिया बच्चों का हाल चाल,
- विभाग ने प्रधानाध्यापक व एमडीएम मुहैया कराने वाले एनजीओ से पूछा शो-कॉज

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के सदर प्रखंड के हरिकिशुनपुर प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को मिड-डे मील (एमडीएम) के दौरान एक बड़ी लापरवाही सामने आई। स्कूल के बच्चों को परोसे गए भोजन में छिपकली गिर गई, जिससे भोजन करने वाले 63 बच्चे बीमार हो गए। बच्चों को उल्टी, पेट दर्द और जी मिचलाने की शिकायत हुई, जिसके बाद स्कूल प्रशासन ने तुरंत उन्हें सदर अस्पताल तथा आस पास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार सदर अस्पताल में 29 व निजी अस्पताल में 34 बच्चों का इलाज करवाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद बच्चे ठीक हो गए, इसके बाद उन्हें घर भेज दिया गया।इसकी जानकारी मिलते ही जहां विभाग में हड़कंप मच गया, वहीं डीएम अंशुल अग्रवाल सदर अस्पताल पहुंच बीमार बच्चों का हाल चाल पूछे। उन्होंने सीएस शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती को बच्चों का समुचित इलाज कराने, उन्हें पर्याप्त मात्रा में ओआरएस का घोल देने, दीदी की रसोई से ताजा भोजन खिलाने तथा स्वास्थ्य जांच के बाद ही घर भेजने का निर्देश दिया। मिली जानकारी के अनुसार सुबह करीब 10 बजे प्राथमिक विद्यालय हरिकिशुनपुर में बच्चे एमडीएम कर रहे थे, इसी दौरान अचानक एमडीएम के मरी हुई छिपकली दिखाई पड़ी। इसकी जानकारी मिलते ही शिक्षक परेशान हो गए तथा बच्चों को एमडीएम खाने से रोका व बीआरपी को इसकी जानकारी दी। इधर, तबतक 63 बच्चें मध्याह्न भोजन खा चुके थे।प्रखंड साधन सेवी द्वारा इसकी सूचना एमडीएम डीपीओ रजनीश उपाध्याय के अलावे अन्य वरीय अधिकारियों को दी गई। तुरंत डीपीओ रजनीश विद्यालय पहुंच घटना की जानकारी लिए। प्रारंभिक जांच में मिड-डे मील के तहत बनाए गए भोजन की गुणवत्ता और उसे तैयार करने वाली रसोईया की लापरवाही सामने आई है।जांच अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं। मध्याह्न भोजन योजना के तहत बच्चों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराने की सरकार की मंशा पर इस घटना ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिक्षा विभाग ने आश्वासन दिया है कि बच्चों के स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जा रहा है और जल्द ही दोषियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ उचित कदम उठाया जाएगा।इस मामले में डीपीओ ने इस विद्यालय में भोजन देने वाली उज्ज्वल सवेरा समिति, प्रधानाध्यापक सुनील कुमार, प्रखंड साधनसेवी व सदर प्रखंड के एमडीएम क्वाडीनेटर से शो-कॉज पूछते हुए 24 घंटे मे जबाव देने को कहा है और कहा है कि जबाव संतोष जनक नहीं मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब हो कि सरकारी विद्यालयों में बच्चों को परोसे जाने वाले एमडीएम के गुणवत्ता की जांच व उसे चखने के बाद ही बच्चों को परोसा जाता है। इस विद्यालय में एमडीएम की गुणवत्ता व बच्चों को परोसने से पूर्व एमडीएम चखने में भारी लापरवाही सामने आई है। डीपीओ ने माना है कि विद्यालय द्वारा एमडीएम चखने व उसकी तस्वीर भेजने में लापरवाही बरती गई है। उन्होंने कहा कि इस लापरवाही पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

परेशान हुए अभिभावक दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

इस घटना के बाद बच्चों के अभिभावक भी खासा परेशान हुए। जानकारी मिलने के बाद से ही अभिभावक अपने बच्चों का हाल चाल जानने के लिए स्कूल से लेकर अस्पताल तक की दौड़ लगाते रहे। हालांकि, बच्चों को स्वस्थ्य व सकुशल देख उनकी चिंता दूर हुई।

बक्सर-भरौली के बीच बनेगा तीन लेन पुल, लोगों में खुशी

बक्सर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के बिक्रमगंज की सभा से शुक्रवार को बक्सर को सौगात दिया है। सौगात के रूप में बिहार से यूपी के साथ ही अन्य राज्यों के साथ कनेक्टीविटी बढ़ाने तथा यात्रा को सुगम बनाने के लिए वीर कुंवर सिंह पुल के सामानांतर तीन लेन का पुल निर्माण का सौगात दिया है। इसके साथ ही बिक्रमगंज की सभा स्थल से रिमोट व वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पुल निर्माण को लेकर शिलान्यास किया गया। ज्ञात हो कि बिक्रमगंज की सभा से बिहार को लगभग 48 हजार करोड़ का सौगात दिया गया है। जिसमें बक्सर वीर कुंवर सिंह के सामानांतर बनने वाले तीन लेन पुल का निर्माण भी शामिल है। इसको लेकर प्रशासनिक स्तर पर गंगा पुल के पास शिलान्यास स्थल पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां वीडियोकांफ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के साथ ही एसडीओ अविनाश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी साधु शरण पांडेय सीओ प्रशांत शांडिल सहित जिले के वरीय अधिकारी शामिल रहे।

एक नजर

वार्ड 28 और 35 के सीमा विवाद का बीडीओ ने किया पटाक्षेप, नप ईओ को भेजी रिपोर्ट

डुमरांव । नप में बहुत से ऐसे वार्ड हैं, जिसकी सीमा को लेकर वार्ड पार्षदों में महीनों से विवाद चल रहा है। ऐसा ही एक विवाद दो पार्षदों के बीच वार्ड 28 और 35 का चला आ रहा है। इस विवाद को सुलझाने को लेकर नप ईओ मनीष कुमार ने बीडीओ संदीप कुमार पांडेय से सहायता लिया। ईओ ने बीडीओ के पास पत्र भेजकर यह अनुरोध किया था कि दोनों वार्ड के सीमा का सिमांकन कर मुझे जानकारी दिया जाए की किसका परिसीमन कहां तक पड़ता है। ईओ के अनुरोध पर बीडीओ ने ईओ को दोनों वार्ड का सिमांकन करते हुए पत्र प्रेषित किया है। बीडीओ के द्वारा नप ईओ को भेजे गए पत्र में वार्ड 28 के परिसीमन में बताया गया है कि पूर्व में नंदन पंचायत के सीमा तक, पश्चिम में गोशाला रोड तथा महादेव महादेव दत्त की गली के पूर्वी भाग तक, उत्तर में सेंट्रल नाला के हीरा राउत की गली तक और दक्षिण दिशा में बसवनी मंदिर रोड उत्तरी भाग से भरोसा हजाम की गली तक है। वहीं वार्ड 35 के सीमांकन में बताया गया है कि पूर्व में नहर तक, पश्चिम में राष्ट्रीय राजमार्ग-120 तक, उत्तर में सेंट्रल नाला तक और दक्षिण दिशा में कसियां पंचायत के सीमा तक पड़ता है। उन्होंने भेजे गए पत्र में साफ किया है कि नप डुमरांव के नार्धारित किये गए परिसीमन के आलोक में वार्डों की सीमा का निर्धारण किया जा चुका है। लिहाजा निर्धारित परिसीमन के आलोक में वार्डों के सीमा का निर्धारण किया जा चूका है, लिहाजा अग्रेत्तर कार्रवाई किया जा सकता है। बीडीओ द्वारा सीमा का पूरा ब्योरा भेजने के बाद दोनों पार्षदों में चल रहे विवाद का पटाक्षेप हो जाएगा।

नावानगर में शतचंडी यज्ञ हेतु भव्य जलभरी सह शोभायात्रा का आयोजन

नावानगर । मां काली के पंचम वर्षगांठ महोत्सव के उपलक्ष्य में स्थानीय गांव में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब शतचंडी पाठात्मक महायज्ञ के लिए जलभरी सह शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया गया। शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और जयकारों के बीच पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से भर दिया था। शोभायात्रा की शुरूआत स्थानीय काली मंदिर से की गई, जो नावानगर के विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई पुनः मंदिर परिसर में संपन्न हुई। यात्रा में कलशधारी महिलाएं पारंपरिक वस्त्रों में सजी धजी दिखीं, वहीं युवाओं की टोली ने ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के साथ उत्साह का माहौल बनाया। यज्ञ के लिए शोभायात्रा निकालने से पहले यज्ञ मंडप में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजन किया गया। उसके पश्चात नजदीकी जलाश्य पहुंच पवित्र जल कलश में लिया गया। इस दौरान यज्ञ के आचार्यों द्वारा मुख्य कलश की पूजा की गई। हालांकि जलभरी में सर्वप्रथम गंगा नदी बक्सर से जल कलश में भरकर यज्ञ मंडप तक पहुंचा था। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि यह पंचम वर्षगांठ विशेष रूप से ऐतिहासिक और श्रद्धापूर्ण बन गई है, क्योंकि इस वर्ष शतचंडी यज्ञ का आयोजन हो रहा है। उन्होंने बताया कि जलभरी के बाद 31 मई को अरणी मंथन व मंडप प्रवेश तथा पाठ एवं हवन के बाद यज्ञ प्रारंभ हो जायेगा।

डुमरांव में रेलवे ट्रैक के समीप मिला गयाजी के युवक का शव

- पश्चिमी क्रासिंग से करीब 500 मीटर
- पश्चिम पड़ा था शव डुमरांव पुलिस ने उठा कराया पोस्टमार्टम

केटी न्यूज/डुमरांव

डीडीयू-दानापुर रेलखंड के स्थानीय रेलवे स्टेशन के समीप से एक युवक का शव मिला है। जीआरपी व स्थानीय पुलिस के सीमा विवाद के बाद डुमरांव पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा, वहीं उसके स्वजनों को भी घटना की जानकारी दी गई। जिसके बाद मृतक के परिजन डुमरांव पहुंचे, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव उन्हें सौंप दिया। मृतक की पहचान गया जिले के अतरी थाना क्षेत्र के बेरका गांव निवासी शैलेन्द्र सिंह के 25 वर्षीय पुत्र अतुल कुमार सिंह के रूप में की गई है। आशंका जताई जा रही है कि वह किसी ट्रेन से गिर गया होगा, जिससे उसकी मौत हो गई होगी।

उसके पास मिले आईडी से उसकी शिनाख्त हो पाई। डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष संजीत कुमार शर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि स्थानीय रेलवे स्टेशन के समीप से एक युवक का शव बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि शव डाउन टैज्क के समीप था तथा पोस्टमार्टम के बाद मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में यूडी केस दर्ज किया जा रहा है।

चौसा निवासी व जदयू कार्यकर्ता राजू बने राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य, मिली बधाई

- बिहार में निवास करने वाले जनजाति समुदाय के हितों की रक्षा और उनके उत्थान के लिए सकारात्मक कार्य होंगे

केटी न्यूज/चौसा

चौसा के राजू खरवार को बिहार राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग का सदस्य बनाया गया है। सदस्य बनाये जाने पर क्षेत्र खासतौर पर समुदाय के लोगों में खुशी छा गई। जहा एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर खुशी जाहिर की गई। जदयू के जिला उपाध्यक्ष सह क्रियान्वयन समिति सदस्य मोहम्मद मुस्तफा ने राज्य सरकार को धन्यवाद

देते हुए कहा कि राजू खरवार की नियुक्ति से बिहार में निवास करने वाले जनजाति समुदाय के हितों की रक्षा और उनके उत्थान के लिए सकारात्मक कार्य होंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राजू खरवार अपने चौसा का नाम रोशन करेंगे। साथ ही वे जनजाति समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाएंगे और उनके हितों की रक्षा करेंगे। विदित हो कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने शुक्रवार को बिहार में उच्च जातियों के विकास के लिए गठित राज्य आयोग की घोषणा की। इसके साथ ही राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग का भी गठन किया है। दोनों आयोगों का कार्यकाल तीन वर्षों का होगा। दोनों आयोगों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के नाम की घोषणा की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसे लेकर अधिसूचना जारी की है। इस मौके पर युवा नेता रितेश सिंह चंद्रवंशी, अरुण यादव, ललन खरवार, कृष्णा खरवार, हीरा लाल खरवार, उपेंद्र खरवार, सोनू खरवार, राजेंद्र गोंड सहित अन्य शामिल है।

सोनवर्षा मार्ग पर स्थित डिहरा पोखरा पर ग्रामीणों के तत्वावधान में हुआ आयोजन

केसठ में सूर्य देव के प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ को ले गाजे बाजे, हाथी-घोड़े के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

- कलश यात्रा में शामिल हुए सैकड़ो श्रद्धालु
- जयघोष से गूंज उठा इलाका

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड अंतर्गत केसठ सोनवर्षा मार्ग पर स्थित डिहरा पोखरा पर ग्रामीणों के तत्वावधान में नव निर्मित मंदिर में भगवान सूर्य देव की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठात्मक यज्ञ का आयोजन किया गया है। इसको लेकर शुक्रवार को गाजे बाजे घोड़े के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से निकला जो सोनवर्षा पहुंचा। तत्पश्चात सोनवर्षा से कलश यात्रा चलकर गांव नगर भ्रमण करते हुए पुनः जल यात्रा डिहरा पोखरा शिव मंदिर पहुंचा। इस जगह समिति द्वारा बक्सर से गंगाजल लाकर रखा गया था। गंगाजल वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में भरा गया और यात्रा पुनः यज्ञ मंडप पहुंचा। जहां विधि विधान के साथ कलश को रखा गया। साथ ही मंडप प्रवेश भी हुआ। इसके पूर्व यज्ञाचार्य द्वारा मुख्य यजमान के कलश का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन कर कलश यात्रा की शुरूआत कराई गई। इस कलश यात्रा में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के जयघोष से इलाका गुंजायमान हो गया था। वहीं, इस यज्ञ के आयोजन से इलाके में भक्तिरस की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है। शनिवार से प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ विधिवत शुरू हो जाएगा।इस आयोजन को ले स्थानीय गांव के अलावे आस पास के गांव के लोगों में उत्साह कायम है। कलश यात्रा के दौरान लोगों का यह उत्साह देखते ही बन रहा था। भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग इस कलश यात्रा में शामिल हुए। वहीं, शनिवार को अरणि मंथन के साथ ही यज्ञ के कई अन्य विधानों व हवनादि किया जाएगा। इसके साथ ही मंडप परिक्रमा भी शुरू हो जाएगी। यज्ञ में प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के अनुष्ठान कार्यक्रम जारी रहेगा। साथ ही यज्ञ का भंडारा छह जून को होगा। जिसके साथ ही यज्ञ संपन्न होगा।

रोहतास जिले के दुर्गाडीह में पीएम मोदी के जनसभा में नीतीश कुमार ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा, लालू राबडी के कारनामा को दोहराया

केंद्र का जातीय जनगणना कराने का फैसला सराहनीय : सीएम

◆ सीएम ने विपक्ष पर लगाया अंड-बंड बोलते रहने का आरोप

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

पीएम मोदी की सभा में उपस्थित मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जाति जनगणना को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि केंद्र सरकार ने हाल में ही जातीय जनगणना कराने का फैसला लिया है। मैं इसके लिए पीएम मोदी को नमन करता हूं और उनका धन्यवाद देता हूं। यह बहुत बड़ी बात हो गई है। इसकी मांग मैं लंबे समय से कर रहा था। यह एक बहुत बड़ा कदम है। आप सब जानते ही हैं कि हमलोगों ने बिहार में जातीय जनगणना कराने का निर्णय लिया था। इसे बिहार में इसे प्रमुखता से करवाया। इसके बाद केंद्र सरकार ने भी पूरे देश में जातीय जनगणना कराने की घोषणा की है। पीएम ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ पार्टी जातीय जनगणना पर अपना क्रेडिट लेने में लगे हुए हैं लेकिन आप तो सब सच जानते हैं। कुछ पार्टियों के लोग जाति जनगणना के बारे में अंड-बंड बातें कर रहे हैं। जब वह सत्ता में थे, तो उनके पास इसका अवसर था, लेकिन उन्होंने गंवा दिया। इसलिए आपलोग किसी के बहकावे में मत आइए। याद रखिएगा कि पीएम मोदी ने आपलोगों के लिए कितना बड़ा काम किया है। पीएम कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी बिक्रमगंज पधारे हैं, यह बहुत खुशी की है। मैं पीएम मोदी, राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, सांसद और आम लोगों का स्वागत और अभिनंदन करता हूं। पीएम कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने जा रहे हैं। इन सब की कुल लागत 48500 करोड़ से अधिक है। इन सब योजनाओं से बिहार की जनता को काफी फायदा होगा। इसके मैं पीएम मोदी का धन्यवाद देता हूं। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मैं एक बार याद दिलाना चाहता हूं कि जब हमलोगों की सरकार 24 नवंबर 2005 में बनी तो कितना काम हुआ। इससे पहले कोई काम हुआ था? हमलोगों ने महिलाओं के कितना काम किया है। महिलाओं के आरक्षण व्यवस्था लागू करवाई। अब वह पढ़ रहीं हैं, नौकरी ले रही है और अपना विकास कर रहे हैं। सात निश्चय के तहत भी कई काम हुआ। फिर भी यह लोग अंड-बंड बोलते रहे हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि पीएम मोदी ने इस बार के बजट में बिहार को काफी कुछ दिया, जिसमें एयरपोर्ट, एक्सप्रेस वे खास है। जो कुछ भी बिहार को मिला है, वह गौरव की बात है। केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना कराने की घोषणा की है, यह बहुत खुशी की बात है। इन योजनाओं से बिहार को काफी फायदा होने जा रहा है। इसके लिए मैं उनका नमन करता हूं और हृदय से धन्यवाद करता हूं। अपने संबोधन के दौरान नीतीश कुमार ने बड़े ही सलीके से अपनी छवि दुरुस्त पेश करते हुए अपनी मार्केटिंग भी करना नहीं भूले। नीतीश ने बात वर्ष 2005 को एनडीए की सरकार बनी, जिसमें बीजेपी से शुरू की। उन्होंने कहा कि पहले जो सरकारें थी, उसका कोई काम था। आज कितनी बड़ी संख्या में महिलाएं दिख रही हैं। इसके पहले वालों ने कोई काम किया था क्या। जब से हम लोग सरकार में आए तब से हमने सबके लिए काम किया है। हम लोग पूरे तौर से बिहार के विकास में लगे हैं और अच्छे से काम हो रहा है।नीतीश कुमार ने आगे कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष कार्य किया गया। सड़क, पुल, पुलिया का बड़े पैमाने पर निर्माण कराया गया। महिलाओं के लिए कितना काम हुआ।

पीएम मोदी के रंग में रंगा दिखा पूरा सभास्थल, महिलाओं की उमड़ी भीड़

बिक्रमगंज (रोहतास)। शुक्रवार को दुर्गाडीह में आयोजित पीएम के कार्यक्रम में पूरा सभास्थल नरेंद्र मोदी के रंग में रंग हुआ दिखा। जहां उनके प्रशंसकों ने अलग अलग कलाकृति में स्थित लाखों लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते दिखे। कुछ ने हनुमान रूप में भगवा रंग में रंग हाथों गदा और मोदी का तस्वीर लिए भगवान जय श्रीराम की आकर्षक टोपी पहने 36 इंच सीने के लाखों प्रशंसकों का दिल जीत लिया। वही दूसरी तरफ कोई मोदी के करीब 30 फीट वाले फोटो के साथ सेल्फी लेते दिखे। वही उपस्थित लाखों महिलाओं ने सिंदूर ऑपरेशन के सम्मान में नरेंद्र मोदी के आगमन पर फूलों की वर्षा करती नजर आई। जिस स्वागत से नरेंद्र मोदी ने सबका हाथ जोड़ अभिनंदन किया। वहीं दूसरी ओर इस कार्यक्रम को लेकर सुबह से ही वाहनों का काफिला दुर्गाडीह की ओर बढ़ने लगा था। वाहनों की लंबी कतार के कारण कई चौक चौराहों पर जाम की स्थिति पैदा हो गई थी। हालांकि इससे निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया था। परंतु वह नाकाफी था। कार्यकर्ता सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर डटे हुए थे।

खबरें फटाफट

किसान आंदोलन को कुचलने की साजिश बेनकाब

बक्सर। किसान आंदोलन को कुचलने के लिए नेताओं को मुकदमों में फंसाने की काशिश हो रही है। इसको लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के द्वारा जिला पदाधिकारी को शुक्रवार को छह सूत्री मांगों को लेकर मांगपत्र सौंपा गया। वहीं संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने थर्मल पावर में हो रहे हत्या के पीछे प्रशासन एवं कंपनी के अधिकारियों पर आरोप लगाया है। नेताओं ने कहा कि उच्च क्षमता के सीसी कैमरा के बीच दिन के उजाले में थर्मल गेट के पास बेखौफ हत्यारे ठीकेदार की हत्या कर इतमिनान से चले गए। मगर पुलिस की निष्क्रियता के कारण हत्यारों तक पुलिस नहीं पहुंच पा रही है। सुनियोजित और सुविचारित ढंग से निर्दोष किसान और मजदूर नेताओं को मुकदमों में फंसाकर पुलिस हत्यारों का मनोबल बढा रही है। पुलिस और प्रशासन की संलिप्तता के चलते दोषी खुलेआम घूम रहे हैं। थर्मल प्रबंधन किसान आंदोलन को दबाने के लिए उनके नेताओं को इन मुकदमों में फंसा रही है। पुलिस प्रशासन के इस रवैया से चौसा के किसान आक्रोशित है। उक्त बातें बक्सर जिला समाहर्ता से मिलकर किसान नेता अशोक प्रसाद सिंह ने कही। जिला समाहर्ता कार्यालय में 5 सदस्यी प्रतिनिधिमंडल जिला समाहर्ता से मिलकर 6 सूत्री मांग-पत्र लेकर वार्ता की। प्रतिनिधि मंडल में अशोक प्रसाद सिंह, सुरेंद्र सिंह, विजय नारायण राय, शैलेश राय, नंदकुमार राम शामिल थे।

हाजीपुर जोन के जीएम ने ट्रायल बेस पर 15 नई तकनीक की औपचारिक घोषणा की

केटी न्यूज/आरा

आरा कोचिंग डिपो में दानापुर मंडल में विकसित नई तकनीक का जायजा लिया जीएम छत्रसाल सिंह ने फिलहाल एक कोच में लगाए गए आधुनिकतम इक्विपमेंट और सेंसर भारतीय रेलवे को रेल परिचालन में दानापुर रेल मंडल कई नई सौगात देने जा रहा है।

इसमें रियल टाइम इंफार्मेशन रेलवे को प्राप्त होगा जो न सिर्फ कोच मेंटेनेंस के दौरान काम आएगा बल्कि रेल परिचालन के दौरान कोच में किसी प्रकार की समस्या आने पर तत्काल एप के माध्यम से मैसेज भेज कर कंट्रोलिंग अथारिटी को यह बताएगा कि कोच के किस हिस्से में और कितना बड़ा डैमेज हुआ है। रेलवे इस मैसेज को ट्रैक कर तत्काल यह निर्णय ले सकेगा कि कोच में किस स्तर पर मरम्मत की आवश्यकता है।

इससे समय की बचत के साथ ही बड़े हादसों को टाला जा सकेगा। इसके अलावा रेलवे को एक कोच के मेंटेनेंस में फिलहाल जो समय लगता है उससे लगभग एक तिहाई समय की बचत होगी। इस तरह किसी गाड़ी के लेट होने के बावजूद समय से खोलने में रेलवे सक्षम हो सकेगा। और यह सब संभव होगा आरा के डिपो में पहली बार पंद्रह नई तकनीकों के उपयोग से। इसमें विभिन्न तरह के सेंसर, कैमरा आधारित उपकरण आदि पहली बार लगाए गए हैं जो पूरी तरह दानापुर रेल मंडल के दल द्वारा विकसित किए गए हैं।एडीआरएम आधार राज ने इन सभी तकनीकी का जीएम के समक्ष प्रदर्शन किया तथा उनको ग्राफिक्स की मदद से इनकी काम करने की प्रणाली और विशेषता की जानकारी दी। इस अवसर पर जीएम ने बताया कि आरा में प्रयोग के नई तकनीक मेंटेनेंस के लिए लायी गयी है। यह रेल परिचालन को सुरक्षित, और आरामदायक बनाने के साथ ही समय की बचत करने वाला होगा।

सड़क हादसा मे दुल्हन की मौत, नम आंखों से ससुर ने किया अंतिम संस्कार

केटी न्यूज/आरा

शादी के बाद ससुराल जा रही एक दूल्हन की मौत हो गयी। वहीं दूल्हे की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के सिकरौल पेट्रोल पंप के समीप का है। यहां शादी कर लौट रहे दूल्हा दुल्हन भीषण सड़क हादसा के शिकार हो गए। घटना में दूल्हा और दुल्हन दोनों को गंभीर चोट आई। जिसके बाद आनन-फानन में दूल्हा दुल्हन को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इस घटना में घायल दुल्हन की मौत हो गई। नई नवेली दुल्हन की अर्थी देख ससुराल में कोहराम मच गया। ससुर ने अपनी बहू को मुखाग्नि दी। लोगों की आंखों से आंसू छलक गए। जानकारी के अनुसार मृतका सिकरहटा थाना क्षेत्र के रंजमलडीह गांव निवासी मोनू कुमार की 21 वर्षीया पत्नी ललिता देवी है।

सिकरहटा थाना क्षेत्र के रंजमलदडीह गांव निवासी ओम प्रकाश सिंह उर्फ बधारी सिंह के पुत्र मोनू कुमार का बारात हसन बाजार थाना क्षेत्र के इनरपतपुर गांव निवासी स्व. दूधनाथ सिंह के घर गई थी। लड़के वाले धूम धाम से शादी के लिए लड़की के दरवाजे पर पहुंचे। दोनों की धूमधाम से शादी हुई। परिवार वालों ने बेटी की विदाई की, लेकिन किसे पता था कि मायके से यह विदाई उसकी आखिरी विदाई हो जाएगी। ससुराल में दुल्हन की डोली की जगह अर्थी पहुंचेगी।

बाइक सवार राजमिस्त्री की सड़क हादसे में मौत

आरा। भोजपुर में आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव के समीप सड़क हादसे में बाइक सवार एक राजमिस्त्री की मौत हो गई। इलाज के दौरान बिहटा स्थित एक निजी अस्पताल में शुक्रवार की सुबह उसने दम तोड़ दिया। मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव निवासी स्व. बबन राय का 29 वर्षीय पुत्र कन्हैया राय था। बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह वह राजमिस्त्री का काम करने आयर थाना क्षेत्र के बलिगांव गया था।गुरुवार की देर शाम बाइक से वापस गांव लौट रहे थे। उसी दौरान कसाप गांव के समीप किसी वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार ठोकर मार दी थी।

पति से फोन पर झगड़े के बाद महिला ने ट्रेन से कटकर दी जान

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा रेलवे स्टेशन के रेल यार्ड के समीप शुक्रवार की सुबह पति से फोन पर झगड़े के बाद महिला ने अपने छोटे पुत्र को प्लेटफार्म पर बैठा खुद ट्रेन से कट कर अपनी जान दे दी। हादसे में मृतक्का का सिर धड़ से अलग हो गया है। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। इसके बाद वह मौजूद लोगों द्वारा इसकी सूचना रेल पुलिस को दी गई। जिसके बाद रेल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उसने इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन आरा रेलवे स्टेशन पहुंचे। इसके पश्चात पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। जानकारी के अनुसार मृतका संदेश थाना क्षेत्र के जमुआंव गांव निवासी गणेश सिंह की 29 वर्षीय पत्नी संजू देवी है। इधर मृतका के भाई विकाश यादव ने बताया कि गुरुवार की रात फोन पर उससे करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत हुई थी और उसे समय सब कुछ ठीक था। शुक्रवार की सुबह जब वह सोया था। तभी उसकी बहन संजू देवी ने उसके मोबाइल पर कॉल कर कहा कि तुम्हारे जीजा नशे की हालत में मुझे गाली-गलौज कर रहे है। इन दोनों के बीच किस बात को लेकर झगड़ा हुआ या उसने मुझे नहीं बताया। इसके बाद वह घर से करीब सुबह दस बजे अपने छोटे बेटे ऋषि को लेकर निकल गई इसी बीच या घटना घट गई। उसके बाद जीआरपी पुलिस द्वारा इसकी सूचना हम लोगों को मिली। जबकि मृतका की सास बधिया ने बताया कि जब मैने उसके मोबाइल पर फोन किया तो उसने बताया कि मैं अपने भाई से भेंट करने के लिए जा रही हूं शाम में आ जाऊंगी और मैं छोटे बेटे ऋषि को लेकर जा रही हूं और तीन को घर पर ही है उनको देखते रहिएगा। वही दूसरी तरफ सास ने में बताया कि उसका फोन पर पति से झगड़ा हुआ है इस बात की हम लोगों को कोई जानकारी नहीं है। इसी बीच हम लोगों को जीआरपी पुलिस द्वारा इस घटना की जानकारी मिली। मृतका को दो पुत्री ब्यूटी,स्वीटी व दो पुत्र आशु एवं ऋषि है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है।

सोन नहर का आधुनिकीकरण की घोषणा नहीं कर मोदी ने शाहाबाद की जनता का किया घोर अपमान

भाजपा का घर-घर बांटों सिंदूर अभियान का बिहार की महिलाएं करेंगी बहिष्कार : सांसद

◆ जून से एक माह तक भाजपा का सिंदूर के बहाने नकली देश प्रेम का भंडाफोड़ अभियान चलेगा

केटी न्यूज/आरा

भाकपा-माले जिला कार्यालय में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए आरा सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिंदूर ऑपरेशन के बहाने देश की महिलाओं के साथ खिलवाड़ कर सिर्फ और सिर्फ अपनी कुर्सी पर बने रहना चाहते हैं। जबकि पहलगाम सहित देश की न जाने कितनी महिलाओं की सिंदूर उजड़ गई लेकिन उन्हें कोई चिंता नहीं। पहलगाम आंतकी घटना के जिम्मेदार आंतकवादियों को यह सरकार आज तक खोज नहीं पायी है। लेकिन इसके बहाने यह सरकार देश में सांप्रदायिक भावनात्मक दोहन कर सिर्फ और सिर्फ वोट लेना चाहती है। जबकि मोदी सरकार के गलत नीतियों के कारण देश में रोजगारी व मंहगाई के कारण कितनी महिलाओं का सिंदूर उजड़ रहा है। लेकिन यह सरकार उन सिंदूरों की रक्षा नहीं कर पा रही है। भाकपा-माले 9 जून से एक माह तक भाजपा का घर-घर बांटो सिंदूर का भंडाफोड़ अभियान चलाएगी और इस दौरान गांव-गांव महिलाओं की बैठक कर इनके असली चेहरे को बेनकाब करेगी। आरा सांसद सुदामा प्रसाद ने आगे कहा कि धान का कटोरा कहे जाने वाला शाहाबाद की जनता का चिरपरिचित मांग सोन नहर का आधुनिकीकरण व कदवन जलाशय परियोजना का का घोषणा नहीं कर नरेन्द्र मोदी ने शाहाबाद की जनता को एक बार फिर ठगने का किया है। जबकि यह मांग पूरी होने से शाहबाद की खेती में चहुंमुखी विकास होता और यहां के मजदूर-किसानों की आय में बढ़ोतरी होती और रोजगार के अवसर पैदा होता। लेकिन यह मोदी सरकार जनता के इन महत्वपूर्ण सवालों से मुंह चुकाते हुए केवल भावनात्मक मुद्दों के जरिए असली मुद्दों से ध्यान हटाकर अपनी कुर्सी पर बने रहना चाहती है। लेकिन बिहार की जनता इनके झांसे में नहीं आने वाली है और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में बिहार की गद्दी उखाड़ फेंकेगी।

आज राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में होगी अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी

केटी न्यूज/पटना

बिहार के सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने और अभिभावकों की भागीदारी को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी प्राथमिक, मध्य, उच्च और उच्चतर विद्यालयों में 31 मई को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी आयोजित करने का निर्देश जारी किया है। इस संगोष्ठी का थीम पढ़ेंगे, बढ़ेंगे और सीखेंगे हम रखा गया है। इसका उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद स्थापित कर बच्चों की शिक्षा, गृहकार्य, स्कूल वातावरण और अनुशासन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुलकर चर्चा करना है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने इस

संबंध में सभी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों और प्रभारी शिक्षकों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा विभाग ने इस अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी को गर्मी की छुट्टियों से पहले आयोजित करने का निर्णय लिया है, ताकि बच्चों की पढ़ाई में निरंतरता बनी रहे। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को स्कूल की शैक्षिक गतिविधियों से जोड़ना और बच्चों की शिक्षा में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने बताया कि यह आयोजन शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने और बच्चों के समग्र विकास में अभिभावकों की भूमिका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। इस दौरान शिक्षक और अभिभावक मिलकर बच्चों की शैक्षिक प्रगति, गृहकार्य और स्कूल के माहौल को बेहतर बनाने के लिए विचार-विमर्श करेंगे।

एक अप्रैल से 31 मई तक पढ़ाए गए पाठ्यक्रमों की होगी समीक्षा

संगोष्ठी में एक अप्रैल से 31 मई तक पढ़ाए गए पाठ्यक्रमों और अभ्यास पुस्तिका की समीक्षा की जाएगी। अभिभावकों को प्रेरित किया जाएगा कि वे गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को इन पाठ्यक्रमों का घर पर पुनरावलोकन कराएं। इसके लिए शिक्षक अभिभावकों को बच्चों के लिए निर्धारित गृहकार्य की जानकारी देंगे, जो एससीईआरटी द्वारा तैयार किया गया है और ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर उपलब्ध है। अभिभावकों को इस गृहकार्य की प्रति डाउनलोड करने और बच्चों को नियमित अभ्यास कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। संगोष्ठी में अभिभावकों को सुझाव दिया जाएगा कि वे बच्चों के लिए घर पर एक पढ़ाई का कोना विकसित करें। इस कोने में कुर्सी, चटाई या बोरा बिछाकर पढ़ने के लिए उपयुक्त स्थान बनाया जाए। साथ ही दीवारों पर प्रेरणादायक पोस्टर और पढ़ाई का रूटीन चिपकाकर बच्चों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की सलाह दी जाएगी।

नवगछिया सीओ के सरकारी आवास परिसर में युवक को दबंगों ने पीट-पीटकर किया अधमरा

केटी न्यूज/पटना

नवगछिया अनुमंडल से एक मामला सामने आया है, जहां जमीन विवाद को लेकर एक युवक को दबंगों ने दिनदहाड़े पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। यह पूरी घटना नवगछिया के सीओ के सरकारी आवास परिसर में घटी। जहां पीड़ित राजकुमार राय किसी बातचीत के सिलसिले में पहुंचे थे हमला इतना भयानक था कि राजकुमार राय को तत्काल नवगछिया अनुमंडल अस्पताल लाया गया लेकिन उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया घायल राजकुमार राय,खरिक थाना क्षेत्र के मीरजाफरी गांव निवासी विजय राय के पुत्र है। बताया जा रहा है कि यह घटना एक पांच कट्ठा जमीन को लेकर वर्षों से चले आ रहे विवाद का परिणाम है, जिसमें पहले भी कई बार झड़प हो चुकी है। घटना के संबंध में राजकुमार राय के भतीजे राकेश कुमार राय ने बताया कि 27 मई को सीओ के कहने पर बातचीत के लिए बुलाया गया था। उनके चाचा राजकुमार राय नवगछिया बाजार में लीची बेचने के बाद, सीओ से मिलने के लिए गए थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे कुछ दबंगों ने उन पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। राकेश राय ने आगे बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मोबाइल से मिली, जिसके बाद परिजन तत्काल उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मायागंज मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

अमरपुर थाना क्षेत्र के गंगापुर गड़ेल गांव में हुई हृदयविदारक घटना

बांका जिले में तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत, पसरा मातम

- गांव में स्थित हड़का पोखर में नहाने गए थे तीनों बच्चे
- आनन-फानन में बच्चों को अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया

केटी न्यूज/पटना

बांका जिले के अमरपुर थाना क्षेत्र के गंगापुर गड़ेल गांव में शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे गांव को गहरे शोक में डुबो दिया। गांव के तीन मासूम बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई, जिससे न सिर्फ तीन परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, बल्कि पूरे गांव में मातम छा गया। ग्रामीणों में घटना को लेकर गुस्सा और दर्द साफ देखा जा रहा है, वहीं प्रशासन पर सुरक्षा उपायों को लेकर सवाल भी खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, गांव के ही धर्मेंद्र कुमार (13) पिता हीरालाल दास, स्वीटी कुमारी (14) पिता मुकेश हरिजन और अमन कुमार (7) पिता अंकुश दास शुक्रवार दोपहर पास के हड़का पोखर में नहाने के लिए गए थे। लेकिन जब काफी देर तक वे वापस नहीं लौटे, तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। बच्चों की खोजबीन शुरू हुई और इसी बीच कुछ ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने बच्चों को तालाब की ओर जाते देखा था। यह सूचना मिलते ही गांव के लोग पोखर की ओर दौड़े और बच्चों की तलाश शुरू कर दी। कुछ ही देर में तलाशी अभियान ने दुखद रूप ले लिया जब तीनों बच्चों के शव पोखर से निकाले गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई और पूरा गांव गमगीन हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही तीनों बच्चों को तुरंत अमरपुर रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. ज्योति भारती ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने पुष्टि की कि बच्चों की मौत पानी में डूबने के कारण हुई है।

वहीं, सूचना मिलते ही अमरपुर थाना के अपर थाना अध्यक्ष विक्की कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस कानूनी प्रक्रिया में जुट गई है और घटनास्थल की भी जांच की जा रही है।

ग्रामीण बोले... सुरक्षा उपायों की कमी के कारण हुई घटना

इस दर्दनाक हादसे के बाद गंगापुर गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। तीनों बच्चों के घरों में कोहराम मचा हुआ है। हर आंख नम है और हर चेहरा दुखी। बच्चों के शवों के गांव पहुंचते ही चीख-पुकार मच गई और पूरे माहौल में शोक गहराता चला गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह हादसा केवल एक चूक नहीं, बल्कि सुरक्षा उपायों की भारी कमी का परिणाम है।

ग्रामीणों ने की प्रशासन से सुरक्षा की मांग: घटना के बाद गुस्साए और दुखी ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव के पोखरों, तालाबों और सार्वजनिक जल स्रोतों के पास सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, साथ ही बच्चों के प्रवेश को लेकर निगरानी की व्यवस्था हो। ग्रामीणों ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रशासन को तत्काल पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता और मुआवजा देना चाहिए, ताकि उनके आंशिक राहत दी जा सके।

लंबित बीमा क्लेम के मामलों को ससमय निपटाने का निर्देश

पटना। राज्य परिवहन आयुक्त नवीन कुमार ने बीमा कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे लंबित बीमा क्लेम के मामलों को ससमय निपटाएं। यह निर्देश बिहार मोटर वाहन दुर्घटना न्यायाधिकरण के सचिव और बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों की एक बैठक में दिया गया। राज्य परिवहन आयुक्त ने मोटर वाहन दुर्घटना न्यायाधिकरण के सचिव को निर्देश दिया है कि अदालतों में हुई सुनवाई के आधार पर दस्तावेजों को तत्परता के साथ संबंधित अधिकारी द्वारा पोर्टल पर अपडेट कराया जाए।

मोहनिया से काम कर लौट रहे बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

केटी न्यूज/पटना

कैमूर जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र के पीपरिया गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बाइक सवारों की मौत हो गई। इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और हेलमेट की अनिवार्यता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यातायात पुलिस ने बताया कि अगर दोनों युवक हेलमेट पहने होते, तो उनकी जान बच सकती थी। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने स्थानीय लोगों में शोक और आक्रोश की लहर पैदा कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, दुर्गावती थाना क्षेत्र के पीपरिया गांव के पास शुक्रवार को एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान कलवरिया गांव निवासी जग नारायण सिंह के 24 वर्षीय पुत्र आनंद कुमार और सावठ गांव निवासी सतेंद्र राम के पुत्र गोरख कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि आनंद और

गोरख मोहनिया में कुछ निजी काम से गए थे और कार्य पूरा करने के बाद अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान पीपरिया के पास यह दर्दनाक हादसा हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीम ने घायल आनंद और गोरख को तत्काल मोहनिया के अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। वहां आपातकालीन कक्ष में तैनात डॉक्टरों ने दोनों की जांच की और उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दुखद समाचार ने परिजनों और स्थानीय समुदाय को गहरे सदमे में डाल दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मोहनिया और दुर्गावती थाना की पुलिस तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल पहुंची। दोनों थानों की पुलिस ने आपसी समन्वय से शवों को अपने कब्जे में लिया और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज दिया।

यातायात पुलिस ने इस हादसे को लेकर गंभीर टिप्पणी की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों युवकों ने हेलमेट नहीं पहना था, जो इस हादसे में उनकी जान लेने का प्रमुख कारण बना। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि अगर दोनों हेलमेट पहने होते, तो संभवतः उनकी जान बच सकती थी। यह हादसा सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी और हेलमेट की अनिवार्यता को लेकर जागरूकता की कमी को उजागर करता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर पहनें।

बेतिया में अतिक्रमण हटाने गई पुलिस टीम पर हमला, कई घायल

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया जिले के योगापट्टी थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस टीम पर अतिक्रमणकारियों ने हमला कर दिया। इस हमले में करीब आधा दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस टीम दल-बल के साथ मौके पर पहुंची थी। जैसे ही कार्रवाई शुरू हुई स्थानीय अतिक्रमणकारियों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने पुलिस टीम पर पथराव और हमला करना शुरू कर दिया। हमले में कई पुलिसकर्मियों को गंभीर चोटें आई हैं। वहीं घटना की गंभीरता इसी बात से समझी जा सकती है कि गुस्साए ग्रामीणों ने मौके पर ही एक झोपड़ी में आग भी लगा दी। वीडियो फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि झोपड़ी धू-धू कर जल रही है और पुलिस के सामने ही यह सब कुछ हो रहा है। फिलहाल, पुलिस प्रशासन मामले की जांच में जुटा है और इलाके में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। घायल पुलिसकर्मियों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है।

बिहार के सीमांचल क्षेत्र में एक जून 2025 के मानसून के प्रवेश की खबर पर लगा ब्रेक

मानसून के प्रवेश करने में हो सकती है एक सप्ताह की देरी, जून में सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान

केटी न्यूज/पटना

बिहार के सीमांचल क्षेत्र में एक जून 2025 को जब मानसून के प्रवेश की खबर आई, तब ऐसा प्रतीत हुआ कि इस बार मानसून अपने तय समय से भी पहले दस्तक दे देगा। लेकिन केवल 24 घंटे में ही स्थिति उलट गई। अब मानसून की चाल धीमी हो चुकी है और अनुमान है कि राज्य में इसका पूर्ण प्रवेश एक सप्ताह तक टल सकता है। एक जून को सीमांचल से मानसून की हल्की एंट्री देखने को मिली। 2 जून से गतिविधियों में सुस्ती पाई गई। इस वजह से मॉनसून के पूरे राज्य में फैलने में 7 दिन की संभावित देरी देखने को मिल सकती है। भारतीय मौसम विभाग की तरफ से शुक्रवार (30 मई) को जारी पूर्वानुमान के अनुसार, मानसून की देरी के बावजूद जून में सामान्य या उससे अधिक बारिश

की संभावना बनी हुई है। लेकिन जुलाई, अगस्त और सितंबर के लिए अब तस्वीर साफ नहीं है। इन महीनों में सामान्य से कम बारिश की आशंका जताई गई है, जिससे खेती, जल आपूर्ति और खाद्य सुरक्षा जैसे मुद्दों पर प्रभाव पड़ सकता है।

पर्वतीय प्रभाव और बंगाल की खाड़ी की भूमिका: बिहार के मानसून पर दो प्रमुख भौगोलिक कारक प्रभाव डालते हैं। हिमालयी पर्वत श्रृंखला, मानसून को उत्तर की ओर प्रवाहित होने से रोकती है, जिससे वर्षा केंद्रित होती है। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी मानसून की शक्ति को पोषित करती है। जब इन दोनों में असंतुलन या देरी होती है, तो मानसून कमजोर या अनियमित हो जाता है। वर्तमान परिस्थिति में बंगाल की खाड़ी से अपेक्षित नमी नहीं आ पा रही, जिससे बारिश की गतिविधि ठप हो गई है।

2025 में बारिश का पूर्वानुमान

माह	वर्षा का पूर्वानुमान
जून	सामान्य से अधिक संभावित
जुलाई	सामान्य से कम संभावना
अगस्त	सामान्य से कम संभावना
सितंबर	सामान्य से कम या औसत संभावना

संक्षिप्त समाचार

2 जून तक बारिश-वज्रपात का अलर्ट

रांची, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के क्षेत्र का असर झारखंड में शुक्रवार को भी दिख सकता है। कई जिलों में गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना बनी हुई है। गुरुवार को गोड्डा और पाकुड़ में तेज हवा के साथ बारिश हुई। वहीं, कई जिलों में बादल छाए रहे।मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड के विभिन्न इलाकों में 2 जून तक गरज के साथ बारिश होने की संभावना बनी हुई है। साथ ही तेज रफ्तार में हवा के चलने और वज्रपात का भी अलर्ट जारी किया गया है। पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश ने लोगों को गर्मी से काफी राहत महसूस करवाई है। मौसम विभाग ने 31 मई तक यलो अलर्ट जारी किया है। राज्य में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले तीन दिनों में इसमें तीन से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। 1 जून को पूर्वी हिस्सों में और 2 जून को देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहेबगंज में गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है। इधर, पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश 32.4 एमएम घाटशिला में दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस गोड्डा में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज की गई।

बगोदर में सड़क हादसे में एक की मौत अज्ञात वाहन की टक्कर से हुआ हादसा

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के बगोदर नेशनल हाइवे में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहां एक अज्ञात वाहन के चपेट में आने से 40 वर्षीय व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई है। घटना को लेकर परिजनों में मातम पसरा हुआ है। वहीं, पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। बगोदर थाना क्षेत्र के अटका स्थित गांधी टांड़ निवासी 40 वर्षीय विनोद ठाकुर किसी काम से सुबह में जीटी रोड पर जा रहे थे। इसी बीच किसी अज्ञात वाहन ने जमुना नगर के पास उन्हें अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के कुछ देर बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने शव को सड़क पर देखा और इसकी जानकारी बगोदर थाना की पुलिस को दी। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पहचान किया। इसके साथ ही घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दिया गया। वहीं, परिजनों के आने के बाद पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई। बगोदर स्थित नेशनल हाइवे पर सड़क दुर्घटना का यह कोई पहला मामला नहीं है। रफ्तार पर नियंत्रण नहीं होने के कारण क्षेत्र में रफ्तार का कहर लगातार देखने को मिल रहा है और लोगों की जान भी सड़क दुर्घटना में जा रही है।

अनुसूचित जनजाति समुदाय और बिरहोर परिवारों को योजनाओं में प्राथमिकता मिलेगी :उपायुक्त

गिरिडीह, एजेंसी। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में पीएम जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में दोनों योजनाओं के तहत चल रही विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी विभागों को समयबद्ध क्रियान्वयन और गति शक्ति पोर्टल पर टारगेट आधारित प्रगति दर्ज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति समुदाय और बिरहोर परिवारों को सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से दिया जाए। गिरिडीह जिले में 8 पीवीजीटी क्षेत्र हैं। इनमें बगोदर और सरिया प्रखंड में 3-3 और गावां प्रखंड में 2 क्षेत्र शामिल हैं। इन सभी क्षेत्रों में टेलीकॉम कनेक्टिविटी, सड़क, जल जीवन मिशन, बिजली, सोलर ऊर्जा और स्वास्थ्य सुविधाएं बहाल करना प्रशासन की प्राथमिकता है। बैठक में पीएम उज्ज्वला योजना की भी समीक्षा हुई। उपायुक्त ने कहा कि 148 गांवों में योग्य और वंचित परिवारों को गैस कनेक्शन दिया जाए। जनजातीय बहुल गांवों में स्कूलों में अतिरिक्त क्लास रूम बनवाने और छात्रावास निर्माण के प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीणों को मत्स्य पालन और पशुपालन योजनाओं से जोड़ा जाए। जनजातीय समुदाय को पशुपालन योजनाओं का लाभ मिले और उन्हें वन अधिकार पट्टा भी दिया जाए। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने वर्चुअल माध्यम से की झारखंड के स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा, कोरोना को लेकर हुई चर्चा !

रांची, एजेंसी। देश में कोरोना के बढ़ते खतरे के बीच गुरुवार आज केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राज्य में चलाये जा रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों की वर्चुअल माध्यम से समीक्षा बैठक की. नामकुम के स्वास्थ्य मुख्यालय से इस बैठक में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह राज्य की सामाजिक-आर्थिक परिस्थिति और आदिवासी बहुलता को देखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए झारखंड को विशेष स्वास्थ्य पैकेज दें. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की समीक्षा बैठक के दौरान राज्य के मंत्री के साथ अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक अबु इमरान, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक प्रमुख डॉ. चंद्र किशोर शाही एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

राज्य में चल रही स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान, खसरा-रूबेला टीकाकरण, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन , 15वां वित्त आयोग अनुदान, और पीएसए प्लांट संचालन पर चर्चा की गई. स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि झारखंड में टीबी मरीजों को अब निक्षय आहार योजना के तहत 500 रुपये के स्थान पर 1000 रुपये प्रति माह पोषण सहायता दी जा रही है. इसके लिए अब तक 12 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से मरीजों को हस्तांतरित किए जा चुके हैं. राज्य में अब तक 226 पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है. साथ ही 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान को राज्य में गंभीरता से चलाया जा रहा है।

इस समीक्षा बैठक के दौरान के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को यह जानकारी दी गयी कि खसरा एवं रुबेला की रोकथाम के लिए वर्ष 2023 में 9 उच्च जोखिम वाले जिलों जैसे- साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, जामताड़ा, धनबाद, देवघर, गिरिडीह, कोडरमा और दुमका में 45 लाख बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है. वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में एमआर-1 टीका 8,41,319 बच्चों को और एमआर-2 टीका 7,83,165 बच्चों को दिया गया है. इसके लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है.

डॉ. इरफान अंसारी ने बैठक के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से रांची में एम्स की स्थापना, पांच नए मेडिकल कॉलेज और एक मेडिकल सिटी की मांग दोहराया. मंत्री ने कहा कि झारखंड जैसे पिछड़े राज्य को स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष प्राथमिकता दिये जाने की जरूरत है. स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राज्य में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आप अच्छा कार्य कर रहे हैं, मैं आपकी सोच की सराहना करता हूं और हरसंभव मदद करूंगा. स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार केंद्रीय मंत्री ने राज्य में स्वास्थ्य सेवा के विस्तार और विकास के लिए ब्लू प्रिंट के साथ दिल्ली आने को कहा है ताकि झारखंड की आवश्यकताओं पर विस्तृत चर्चा की जा सके। डॉ. इरफान अंसारी ने आज की बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि 1170 पंचायतों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निर्माण की मंजूरी मिल चुकी है. स्वास्थ्य विभाग तेजी से कार्य कर रहा है ताकि दूर-दराज और दुर्गम क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभता से उपलब्ध कराई जा सकें। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बताया कि कोरोना के वर्तमान जेएन-1 वैरिएंट को लेकर राज्य सरकार अलर्ट मोड में है. सभी सिविल सर्जनों को तैयारी के लिए निर्देश दिया जा चुका है. राज्य के अस्पतालों के सभी पीएसए प्लांट क्रियाशील हैं और शीघ्र ही मॉक ड्रिल के माध्यम से तैयारियों का आकलन किया जाएगा ।

रांची में ट्रिपल मर्डर के बाद शख्स करने वाला था आत्महत्या, पुलिस ने दबोचा

रांची, एजेंसी। अपने पत्नी और दो मासूम बच्चों की हत्या करने वाले हत्यारे को रांची पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपी रवि लोहरा ने अपनी पत्नी और दो मासूम बच्चो की सिलवट से मार कर हत्या कर दी थी। अपनी पत्नी और दो मासूम बच्चे की हत्या करने के बाद आरोपी रवि लोहरा खुद भी जान देना चाहता था. लेकिन आत्महत्या करने से पहले ही उसे रांची पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया. डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने बताया की तीन हत्या की सूचना मिलने के बाद खलारी डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. गठित टीम द्वारा सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचकर मृतिका रेणु देवी, आयुप कुमार और आरोहि कुमारी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. घटनास्थल की जांच फॉरेंसिक टीम के द्वारा भी करवाई गई और खून लगा हुआ पत्थर का सिलवट मौके से जप्त किया गया. जांच में यह बात सामने आई की पूरी घटना रवि लोहरा के द्वारा अंजाम दिया गया है. जिसके बाद एक टीम का गठन कर घटना के 8 घंटे के भीतर रवि लोहार को गिरफ्तार किया गया। एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने बताया की आरोपी रवि गढ़वा में काम किया करता था. एक सप्ताह पहले घर आया था. अभियुक्त के भाइयों के साथ बंटवारे में घर क्षतिग्रस्त हो गया था. जिस कारण अपने ससुराल धमधमिया में ही 1 वर्ष से अपने परिवार के साथ रह रहा था. वह अपनी पत्नी रेणु देवी से घर चलने के लिए बोल रहे था और वहीं पर एक झोपड़ी बनाकर रहने के लिए बोलता था. लेकिन उनकी पत्नी रेणु देवी ससुराल जाने से इंकार करती थी। रेणु देवी अपने पति रवि पर कई तरह के शक भी किया करती थीं. तंग आकर रवि ने अपनी पत्नी और बच्चों की हत्या करने के बाद खुद आत्महत्या करने की प्लानिंग की थी. इसी योजना के तहत रवि लोहरा घटना की रात खाना खाकर पत्नी एवं बच्चों के साथ सो गया. जब रवि की पत्नी और बच्चे सो गये तो वह अपनी पत्नी और दोनों बच्चों की पत्थर के सिलवट से सिर कूच कर हत्या कर दी और खुद भी सिलवट पर पत्थर से मारकर आत्महत्या करने का प्रयास किया. जब वह सफल नहीं हुआ तो उसने 25 फिट गहरे धमधमियां माइंस में छलांग लगाकर भी आत्महत्या करने का प्रयास किया, जिस क्रम में वह चोटिल हो गया और वहां से किसी तरह चलकर धमधमियां ओपन माइंस के जंगल में आकर छिप गया ।

बारातियों से भरी गाड़ी बेकाबू होकर पलटी 2 की मौत-17 लोग घायल, 9 की हालत गंभीर

लातेहार, एजेंसी। लातेहार जिले में बुधवार की देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। महुआडांड़ थाना क्षेत्र के ओरसापाट घाटी में बारात से लौट रही सवारी गाड़ी बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में नौ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार बेलवार गांव से बारात ओरसा गई थी। शादी समारोह के बाद सभी बाराती एक सवारी गाड़ी से वापस लौट रहे थे। रास्ते में ओरसापाट घाटी में गाड़ी पलट गई। इस हादसे में बेलवार गांव के हेलारूस बेग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल सुनील नगेसिया ने महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

हादसे में कुल 17 लोग घायल हुए हैं। इनमें से धर्मपाल नगेसिया, लवकुश कुमार, सतपाल नगेसिया, अर्जुन नगेसिया, अनूप नगेसिया, अनीता नागेसिया, बीनसरी देवी और सुनीता देवी समेत नौ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है।

हादसे की जानकारी मिलते ही महुआडांड़ थाना प्रभारी मनोज कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मेंढारी गांव के ग्रामीणों की मदद से घायलों को तुरंत एंबुलेंस के जरिए महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां मौजूद चिकित्सक डॉ अमित खलखो ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया।

प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह गाड़ी में क्षमता से अधिक लोगों का सवार होना और ड्राइवर का नशे में होना बताया जा रहा है। हादसे की पूरी जांच की जा रही है। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया है। गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों और रिश्तेदारों की भीड़ अस्पताल और गांव में जुट गई है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

रानी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती वर्ष पर भाजपा ने आयोजित की संगोष्ठी

धनबाद, एजेंसी। बेकारबांध स्थित ब्लेसिंग बेल सभागार में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर की ओर से पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती वर्ष पर संगोष्ठी आयोजित की गयी. इसमें बतौर मुख्य अतिथि सह झारखंड के पूर्व सचेतक व पूर्व विधायक (बोकारो) बिरंची नारायण ने रानी अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर न्याय, सेवा और लोक कल्याण की अद्भुत मिशाल थीं. उन्होंने अपने प्रशासनिक कार्यों और समाज सेवा से यह सिद्ध कर दिया कि नारी शक्ति कभी कमजोर नहीं होती. धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से हमें यह सीखने को मिलता है कि समाज सेवा और परोपकार ही सच्चा धर्म है. रानी अहिल्याबाई ने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम किया और समाज को नयी दिशा दी.

झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और रूढ़ीवादिता के खिलाफ आवाज बुलंद की. उनके शासनकाल में महिलाओं की सुरक्षा सर्वोपरि थी. कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने की. संचालन जिला उपाध्यक्ष विष्णु त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला मंत्री नरेंद्र त्रिवेदी ने किया. मौके पर राजकुमार अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष महेश पासवान, पंकज सिन्हा, वीरेंद्र हांसदा, अजय निषाद, ध्रुभ हरि, प्रियंका देवी, रीता यादव, कंचन चौरसिया, रमा सिन्हा, विभा रानी सिंह, योगेंद्र यादव, किशोर मंडल, राजाराम दत्ता, सन्नी रवानी, संजय कुशवाहा, पुरुषोत्तम रंजन, सूरज पासवान, रवि सिन्हा, बच्चा कुमार गिरी, अर्जुन निषाद, अजय कुमार दास, तरुण राय, अवधेश साह, भृगुनाथ भगत, गीता सिंह, उमेश सिंह, सुमन अग्रवाल, बसंती सिंह, मनीष पांडेय, प्रमोद अग्रवाल, मनोज रिंकू सिन्हा, निर्मला पासवान, धीरज तिवारी, उषा पटुआ, सरैया देवी व निर्मला पासवान आदि मौजूद थे.

लाइट हाउस प्रोजेक्ट: किस्त भुगतान में देरी पर रांची नगर निगम सख्त

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत लाइट हाउस प्रोजेक्टके अंतर्गत रांची नगर निगम द्वारा धुर्वा के आनी क्षेत्र में कुल 1008 फ्लैटों का निर्माण कराया गया है. ये फ्लैट पहले ही लाभुकों को आवंटित किए जा चुके हैं. लेकिन अब यह परियोजना एक नई चुनौती का सामना कर रही है, क्योंकि 308 लाभुकों ने अभी तक पूर्ण किस्त का भुगतान नहीं किया है।

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची नगर निगम द्वारा एक आम सूचना प्रकाशित की गई है. साथ ही निगम द्वारा लाभुकों को चेतावनी दी गयी है कि जिन लाभुकों ने अभी तक आवास की पूरी किस्त का भुगतान नहीं किया है, वे 2 जून 2025 तक भुगतान कर दें. ऐसा न करने की स्थिति में निगम उनके आवास आवंटन को रद्द करने की कार्रवाई करेगी।

इसी मुद्दे को लेकर गुरुवार को रांची नगर निगम कार्यालय में उप-प्रशासक गौतम प्रसाद साहू की अध्यक्षता में एक अहम बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा के पदाधिकारी एवं केनरा बैंक, डोरंडा शाखा तथा एचडीएफसी बैंक, कडरू शाखा के ऋण अनुभाग से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक में उप-प्रशासक ने दोनों बैंकों को निर्देशित किया कि जो लाभुक पहले से ऋण के लिए आवेदन दे चुके हैं या जो नए आवेदन दे रहे हैं, उनके मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटाया जाए. उन्होंने यह भी कहा कि आवास ऋण की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी से लाभुकों का आवंटन रद्द होने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसे हर हाल में टालना जरूरी है।

बैंकों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे लाभुकों को प्रक्रिया की जानकारी दें और त्वरित ऋण स्वीकृति सुनिश्चित करें. निगम ने लाभुकों से अपील की है कि वे शीघ्र संबंधित बैंकों से संपर्क कर ऋण स्वीकृति प्राप्त करें और किस्त की शेष राशि का भुगतान समय सीमा के भीतर करें।

इस बैठक में सहायक प्रशासक चन्द्रदीप कुमार, मुकेश कुमार, नगर प्रबंधक तथा प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

विनय चौबे से एसीबी केवल चुनिंदा सवाल न पूछे, बाबूलाल मरांडी ने जांच पर उठाए सवाल

रांची, एजेंसी। झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शराब घोटाले की एसीबी जांच पर सवाल उठाते हुए इसे सच पर पर्दा डालने का प्रयास बताया है।

उन्होंने एक्स पर इस संबंध में लंबा पोस्ट करते हुए कहा है कि एसीबी इस मामले में गिरफ्तार आईएएस अधिकारी विनय चौबे से केवल चुनिंदा सवाल न पूछे, बल्कि वह सभी सवाल पूछे, जिससे घोटाले की तह तक पहुंचा जा सकता है और घोटाले में शामिल सभी लोगों के नाम उजागर हो सकते हैं।

मरांडी ने कहा कि शराब घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व उत्पाद सचिव विनय चौबे से दो दिनों के रिमांड पर एसीबी पूछताछ कर रही है। अगर इरादा सच में सच्चाई जानने का और घोटाले की तह तक जाने का हो तो उनसे कुछ महत्वपूर्ण सवाल जरूर पूछे जाने चाहिए।

इन सवालों की उन्होंने सूची भी पोस्ट की है। इसमें पहला सवाल यह है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से पहले जो पत्र मैंने मुख्यमंत्री जी को लिखा था, क्या वह आपको (विनय चौबे को) प्राप्त हुआ, अगर मिला, तो क्या उस पत्र को आपने पढ़ा या सिर्फ अलमारी में रख दिया। यदि पढ़ा, तो क्या कार्रवाई की।

क्या आपके पास मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई निर्देश आया उस पत्र के संबंध में। मरांडी ने पिछली सरकार में विधायकों को रायपुर शिफ्ट किए जाने के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा है कि वहां की व्यवस्था कराने और होटल में शराब पंहुचवाने के संबंध में भी विनय चौबे से सवाल पूछे जाने चाहिए। प्लेसमेंट एजेंसियों का चयन उन्होंने खुद किया था या किसी के कहने पर किया था यह भी बताएं।

ओडिशा में लूटे गए विस्फोटकों का सुरक्षा बलों के विरुद्ध उपयोग कर सकते हैं माओवादी, खुफिया एजेंसियों ने किया सतर्क

रांची, एजेंसी। झारखंड की सीमा से सटे ओडिशा के राउरकेला जिले में 27 मई को लूटे गए विस्फोटकों का सुरक्षा बलों के विरुद्ध माओवादी दुरुपयोग कर सकते हैं। खुफिया एजेंसी ने इससे झारखंड पुलिस को सतर्क किया है। खुफिया एजेंसी के रिपोर्ट के बाद झारखंड व ओडिशा की पुलिस सतर्क हैं। दोनों ही राज्यों की पुलिस लूटे गए विस्फोटकों की जानकारी लेने में जुटी है। पुलिस इस कोशिश में है कि किसी तरह सभी विस्फोटक बरामद कर लिए जाएं, नहीं तो आने वाले समय में माओवादी सारंडा के जंगल में चल रहे माओवादी विरोधी अभियान को बाधा पहुंचा सकते हैं।

माओवादियों ने जिस ट्रक को लूटा था, उसपर पांच टन विस्फोटक लदे थे। यह विस्फोटक बांको पत्थर खदान में जा रहा था। माओवादियों ने उक्त ट्रक को पहले चालक सहित अगवा किया और उसे सारंडा के जंगली क्षेत्र में खाली किया था। पुलिस को खाली ट्रक मिला था। माओवादी विरोधी अभियान में शामिल जवानों को निशाना बनाने के लिए माओवादी उक्त विस्फोटकों से आईईडी बना सकते हैं। आशंका जताई जा रही है कि करीब 400 से 600 तक आईईडी बनाने लायक विस्फोटक माओवादियों तक पहुंच गए हैं, जो आने वाले समय में माओवादी विरोधी अभियान में बाधा बन सकते हैं। झारखंड-ओडिशा सीमा पर स्थित सारंडा जंगल में झारखंड पुलिस माओवादियों के विरुद्ध अंतिम लड़ाई लड़ रही है। यह लड़ाई माओवादियों के खात्मे के साथ ही समाप्त होनी है। सुरक्षा बलों को सूचना है कि उक्त क्षेत्र में माओवादियों के सभी बड़े नेता महीनों से घिरे हैं। इस दौरान सुरक्षा बलों को अपने तक पहुंचने से रोकने के लिए इन माओवादियों ने पूरे क्षेत्र में आईईडी का जाल बिछा रखा है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन आईईडी से आम ग्रामीणों से लेकर सुरक्षा बलों तक को नुकसान पहुंच रहा है। सूचना के अनुसार जो माओवादी छुपे हैं, उनमें माओवादियों के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछू, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटू लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा आदि शामिल हैं। इन माओवादियों के विरुद्ध चल रहे अभियान में चाईबासा पुलिस, कोबरा 203 बटालियन, 209 बटालियन, झारखंड जगुआर के अलावा सीआरपीएफ की 174, 193, 197 , 26, 60 व 134 बटालियन के जवान शामिल हैं।

फर्जी बैंक गारंटी पर प्लेसमेंट एजेंसी को कैसे दिया ठेका एसीबी के सवालों का जवाब नहीं दे पाए गजेंद्र सिंह

रांची, एजेंसी। एसीबी की रिमांड पर पूछताछ के दौरान संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह से फर्जी बैंक गारंटी देने वाली दोनों प्लेसमेंट एजेंसियों पर सवाल दागा। गजेंद्र सिंह से पूछा गया कि मेसर्स विजन हॉस्पिटैलिटी सर्विस एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने 12 अगस्त 2023 को 5.35 करोड़ रुपये का फर्जी बैंक गारंटी दी थी। उसके बाद इस प्लेसमेंट एजेंसी ने 28 दिसंबर 2023 को पुराना बैंक गारंटी को बदल कर नया बैंक गारंटी दिया। इसके लिए एजेंसी ने अपने की-मैनेजमेंट में बदलाव का तर्क दिया। इस पर उत्पाद विभाग के किसी भी अधिकारी ने उन सभी बैंक गारंटी का सत्यापन क्यों नहीं किया। इस पर गजेंद्र सिंह ने सिर्फ इतना ही कहा कि वरीय अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर ही विभाग में काम हुआ है। एसीबी ने आइटी प्रबंधक अमर कुमार मेहता व लेखापाल अमित कुमार की 19 मार्च 2025 को एसीबी को उपलब्ध कराए गए रिपोर्ट के आधार पर भी सवाल किया।

पूछा कि जब संबंधित बैंकों ने बताया कि बैंक गारंटी फर्जी है, बैंक ने निर्गत नहीं किया है, इसके बावजूद उनपर कार्रवाई क्यों नहीं की गई। इसपर गजेंद्र सिंह ने सिर्फ इतना ही बताया कि इसके लिए आठ अप्रैल 2025 को एजेंसी संचालक से स्पष्टीकरण मांगा गया था। एजेंसी संचालक ने इसके लिए अपने स्थानीय प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह व श्याम शरण पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया। झारखंड उच्च न्यायालय में भी नीरज कुमार सिंह ने बैंक गारंटी के अवधि विस्तार मामले में फर्जी पत्र दाखिल किया था। गजेंद्र सिंह से मेसर्स मार्सन इनोवेटिव सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 28 नवंबर 2023 को जमा किए गए 5.02 करोड़ के फर्जी बैंक गारंटी पर भी सवाल किया गया, लेकिन वे कुछ बोल नहीं पाए।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
बक्सर, 31 मई 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

बुद्धिमता की पुस्तक में ईमानदारी सबसे पहला अध्याय है।

- अज्ञात

मोदी: दुर्लभ संकल्प-शक्ति के अतुल्य नायक

सन 2014 के पहले भारतीय जनमानस ने धीरे-धीरे यह मान लिया था कि आतंकवादी हमले हमारी नियति हैं और इसके बदले में कुछ किया नहीं जा सकता। यह धारणा तब और प्रबल हो गई जब मुंबई में 26/11 का हमला हुआ। पाकिस्तान से आये आतंकियों ने हमारे देश की आर्थिक राजधानी का सरेआम सीना छलनी कर दिया था। सारा देश आक्रोश से भर गया था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री की लाचार चुप्पी ने देश की जनता और सेना दोनों का मनोबल धराशायी कर दिया था। उसके बाद भी आतंकी घटनाएँ होती रहीं, लेकिन केंद्र सरकार ने प्रतिकार नहीं किया और न ही उन निर्मम कुकृत्यों के प्रति भारतीय नेतृत्व में कभी बेचैनी देखी गई। उलटे पाकिस्तान से शांति की गुहार लगाते हुए कश्मीर के अलगाववादी संगठनों और आतंकियों के आकाओं की खुशामद होती रही। फलतः भारतीय जनमानस में यह हीनता पैठ कर गई थी कि आतंक के खिलाफ अब ठोस कार्रवाई एक दिवास्वप्न है। यह धारणा और बलवती होती गई कि आतंकवाद से हमारे निर्दोष नागरिक मारे जाते रहेंगे और दोषियों का कुछ नहीं किया जा सकता। 26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी जी के भारत के प्रधानमंत्री बनते ही यह धारणा टूट गई। साल 2016 में उरी में हमारे सैन्य टुकड़ी पर हुए आतंकी हमले का भारतीय सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक करके मुंहतोड़ जवाब देकर अपने जवानों की मौत का बदला लिया। वहीं, 2019 में पुलवामा अटैक के बाद एयर स्ट्राइक करके भारतीय सैन्य बलों ने डंके की चोट पर पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूत किया। इन दोनों कार्रवाई ने पाकिस्तान सहित दुनिया की सभी आतंकी ताकतों को यह संदेश दे दिया था कि यह नया भारत है, जो सिर्फ बयानबाजी नहीं करता, बल्कि छेड़ने पर बमबारी करने में भी नहीं हिचकता है। पिछले एक दशक से पूरे विश्व। को ज्ञात है कि भारत अब पीड़ितों की तरह मुंह मोड़कर नहीं बैठता, अपितु वह घर में घुसकर जवाब भी देता है। यह अपने हिसाब से आतंकी अड्डों को मिट्टी में मिलाता है। इसकी सेनाएँ कोई सजावटी सामान नहीं हैं, यह साहस, शौर्य, सामर्थ्य की वैश्विक मिसाल हैं। दुर्भाग्य से 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों ने एक बार फिर हमारी छाती को छलनी किया, लेकिन वे भूल गए थे कि नया भारत अभी भी नरेंद्र मोदी के हाथों में ही है और दस साल में हमारी सेना का सामर्थ्य भी कई गुना बेहतर हो चुका है। इस कल्पना से ही रूह काँप जाती है कि 22 अप्रैल की नृशंस व बर्बर आतंकी घटना (जिसमें धर्म पूछकर लोगों को मारा गया) के समय यदि केंद्र में कांग्रेस की सरकार होती तो क्या होता? निंदा, विलाप और बयानबाजी के वही पुराने राग गाये जाते जो पिछले कई दशकों तक सुनाए जाते रहे, लेकिन देश की माटी का यह सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री की कुर्सी पर नरेंद्र मोदी जी जैसा निर्णायक, निर्भीक एवं निडर नेतृत्व है, जिसने देश को न झुकने देने की सौगन्ध खायी हुई है, जिसने भारत की बेटियों की लाज बचाने का संकल्प लिया है, जिसने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सारा जीवन मां भारती को सौंप दिया है। जिसकी आतंकी देशों से निरर्थक बातचीत में कोई रुचि नहीं है। जिसने पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में लाने का सपना पाला हुआ है। जिसका मत एकदम स्पष्ट है, आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं हो सकती, आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते और पानी व खून भी एक साथ नहीं बह सकता। जिसने देश की सीमाओं को अभेद्य बनाने का बीड़ा उठाया है। सौभाग्य से आज देश के पास ऐसा प्रधानमंत्री है, जिसने समूचे विश्वज के समक्ष भारत का ह्यन्यू नार्मलह्न रख दिया है, जिसमें आतंकवाद पर घड़ियाली आँसू नहीं बहेगा, बल्कि आतंकियों और उनके आकाओं का खून बहेगा एवं उनके फन उनकी माँद में घुसकर कुचले जाएँगे। पहलगाम की बर्बरता से सारा देश आहत हुआ, उसका बदला लेने के लिए संकल्पित प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिए भारतीय सेनाओं को पूरी छूट दी। अपने संकल्प को सिद्ध करते हुए मोदी सरकार ने भारत की ओर आँख उठाने का अंजाम आज हर आतंकी और उनके संगठनों को बता दिया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने अदम्य साहस दिखाते हुए पाकिस्तान के उन अड्डों का नामो-निशान मिटा दिया, जहां से भारत की बेटियों का सिंदूर उजाड़ने की ट्रेनिंग दी जाती थी। भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों पर, उनके ट्रेनिंग सेंटर्स पर सटीक प्रहार किया।

अहिल्यादेवी होलकर: दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासक

- ललित गग

भारतीय संस्कृति के उज्ज्वल इतिहास के सुवर्ण पृष्ठों पर अनेक शील, शौर्य, शक्ति एवं पराक्रम संपन्न नारियों के नाम अंकित हुए हैं। शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं। ऐसी ही श्रृंखला में एक नाम है राजमाता अहिल्याबाई होलकर का, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये। जन कल्याण एवं सेवा के क्षेत्र में भी उन्होंने अनेक कार्य किए। भारत ऐसी ही आदर्श नारी चरित्रों की गौरव-गाथा से विश्व गुरु कहलाता था। इस वर्ष 31 मई, 2025 को उनकी जन्म जयन्ती का त्रिशताब्दी दिवस है। कभी-कभी वास्तविक जीवन की घटनाएं कहानियों से भी अधिक अद्भुत, साहसी, रोमांचकारी एवं विलक्षण होती है। सच यह भी है कि कभी-कभी जिन्दगी की किताब के किरदार कहानियों, फिल्मों एवं उपन्यासों के किरदारों से भी कहीं अधिक सशक्त और अविस्मरणीय होते हैं। लौह महिला महारानी अहिल्याबाई होल्कर का व्यक्तित्व व कृतित्व भी ऐसा ही है, जो उन्हें विश्व की श्रेष्ठतम महिलाओं की पंक्ति में अग्रणी बनाता है, जिनका भारत के इतिहास और जनमानस पर विशेष प्रभाव रहा है। वे भारतीय इतिहास की एक विलक्षण, साहसी, दूरदर्शी, दार्शनिक एवं पराक्रमी नायिका है। राजमाता अहिल्याबाई होलकर, मालवा साम्राज्य की होलकर रानी थीं। उन्हें भारत की सबसे दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासकों में से एक माना जाता है। 18वीं शताब्दी में, मालवा की महारानी के रूप में, धर्म का संदेश फैलाने में, नयी शासन-व्यवस्था स्थापित करने और औद्योगीकरण के प्रचार-प्रसार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था। अतीत से आज तक वे व्यापक रूप से अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और प्रशासनिक कौशल के लिए जानी जाती हैं। 31 मई 1725 को जामखेड, अहमदनगर (महाराष्ट्र) के चोंडी गाँव में जन्मी अहिल्या, एक साधारण परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी राव शिंदे, ग्राम प्रधान थे, जिन्होंने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया था। एक युवा लड़की के रूप में, उनकी सादगी और सुचरित्र के संयोजन ने, मालवा क्षेत्र के राजा मल्हार राव होलकर का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया। वे युवा अहिल्या से इतने प्रभावित थे कि 1733 में जब वे मुश्किल से आठ साल की भी नहीं हुई थीं, तब उन्होंने उनका विवाह अपने बेटे खंडेराव होलकर से करवा दिया। उनकी शादी के बारह साल बाद, कुम्हेर किले की घेराबंदी के दौरान, उनके पति खंडेराव की मृत्यु हो गई। अहिल्याबाई इतनी आहत हुईं कि उन्होंने सती होने का फैसला कर लिया। लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें इतना कठोर कदम उठाने से रोक लिया और अहिल्या को अपनी छत्र-छाया में लेकर, उन्हें सैन्य, राजनीतिक और प्रशासनिक मामलों में प्रशिक्षित किया। राज-काज की बारीकियां समझाई। तमसो मा ज्योतिर्गमय- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण, आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। राजमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन अनेक संकटों एवं संघर्षों का साक्षी बना। एक के बाद एक पहाड जैसे दुःख, आघात उन्हें झेलने पड़े। 1766 में अहिल्या के ससुर मल्हार राव का भी निधन हो गया। उसके अगले ही वर्ष, उन्होंने अपने बेटे माले राव को भी खो दिया। बेटे को खोने का दुःख उन्होंने अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राज्य और अपनी प्रजा के कल्याण को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पेशवा से, मालवा के शासन को संभालने की अनुमति मांगी। हालांकि, कुछ अभिजातों ने इसका विरोध किया, लेकिन उन्हें सेना का समर्थन प्राप्त था। सेना को उन पर पूरी श्रद्धा और विश्वास था, क्योंकि वह सैन्य और प्रशासनिक मामलों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित थीं। उन्होंने कई मौकों पर सेना का नेतृत्व किया था और एक सच्चे योद्धा की तरह लड़ाई लड़ी थी। 1767 में, पेशवा ने अहिल्याबाई को मालवा पर अधिकार करने की अनुमति दे दी। 11 दिसंबर 1767 को वे गद्दी पर बैठीं और इंदौर की शासक बनीं। अगले 28 वर्षों तक महारानी अहिल्याबाई ने न्यायोचित, बुद्धिमत्तापूर्ण और ज्ञानपूर्वक तरीके से मालवा पर शासन किया। अहिल्याबाई के शासन के तहत, मालवा में शांति, समृद्धि, खुशहाली और स्थिरता बनी रही। साथ ही साथ उनकी राजधानी साहित्यिक, संगीतात्मक, कलात्मक और औद्योगिक गतिविधियों के एक बेहतरीन स्थान में परिवर्तित हो गई। कवियों, कलाकारों, मूर्तिकारों और विद्वानों का उनके राज्य में स्वागत किया गया, क्योंकि वे उनके काम को बहुत सम्मान दिया करती थीं। रानी अहिल्याबाई ने अपने समय में विभिन्न दिशाओं में सृजन की ऋचाएं लिखी हैं, नया इतिहास रचा है। अपनी योग्यता और क्षमता से स्वयं को साबित किया है। नारी शासक के रूप उन्होंने एक छलांग लगाई, राज-व्यवस्था एवं उन्नत समाज संरचना को निर्मित करते हुए जीवन की आदर्श परिभाषाएं गढ़ी थीं। वह अपनी प्रजा को अपनी संतान मानती थी। उन्होंने अपने शासनकाल में कई कानूनों को समाप्त किया, किसानों का लगान कम किया, कृषि, उद्योग धन्धों को सुविधा देकर विकास के अनेक काम किए। चोर, डाकुओं एवं अन्य अपराधियों को सही रास्ते पर लाकर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर उनकी जीवन दिशाएं बदली। रानी अहिल्याबाई महान परोपकारी, संवेदनशील एवं करूणामयी थी। राहगीरों, गरीबों, विकलांगों, साधु- संतों,पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं सभी का ध्यान रखती थी यहां तक कि अपने सैनिकों, कर्मचारियों के कल्याण के लिए भी वह कभी पीछे नहीं हटी।

चिंतन-मनन

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था। वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे? संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

टेररफंडिंग रुकेगी तो आतंकवाद का अंत निश्चित है

-किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ आतंकवाद के दंश से पीड़ित है, दुनियाँ के करीब- करीब हर देश में किसी ने किसी रूप या भेष में आतंकवाद सर उठाए खड़ा है जो उसे देश की उन्नति प्रगति व विकास में बाधा उत्पन्न कर रहा है,चूँकि कि हर देश की प्राथमिकता अपने देश में लॉ एंड ऑर्डर कायम रखकर अपने देश के नागरिकों का जीवन भय मुक्त बनानाहै, इसीलिए हर देश को आतंकवाद समाप्त करने में योगदान देना जरूरी है। भारत भी उन पीड़ित देशों में से एक है, लेकिन अब भारत ने आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ा जनजागरण अभियान छेड़ दिया है, व घोषणा कर दी है कि आतंकवाद व उनके आकाओं में अब हम फर्क नहीं समझेंगे, पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत द्वारा पाक को ऋण पर आपतित दर्ज कराई, फिर 7 प्रतिनिधिमंडल जिसमें 59 से अधिक सदस्य हैं, उनको पूरी दुनियाँ में आतंकवाद के खिलाफ जन जागरण करने भेजा है, अब भारत सरकार एशिया पेसिफिक ग्रुप (एपीजी) के साथ 25 जून 2025 को 40 सदस्यों वाली एफएटीएफ की मीटिंग में पक्ष रखेगी कि कैसे उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई वित्तीय सहायता को टेरर फंडिंग में उपयोग करते हैं। चूँकि आतंकवादी संगठनों की टेरर फंडिंग रुकेगी तो आतंकवाद का अंत होना निश्चित है, इसलिए आज मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत ने आतंकवाद के खिलाफ वित्तीय व कूटनीतिक दबाव बढ़ाया आईएफएफ एपीजी,7 प्रतिनिधि मंडलों के बाद अब 25 जून 2025 को को होने वाली एफएटीएफ मीटिंग पर लॉबीग करेगा। साथियों बात अगर हम टेरर फंडिंग रोकने आईएमएफ, 7 प्रतिनिधिमंडलों के बाद अब एपीजी व 25 जून 2025 को होने वाली एफएटीएफ मीटिंग में लॉबिंग करने की करें तो,भारत ने हाल ही में कई देशों में एक कूटनीतिककोशिशें शुरू की हैं ताकि पाक की आतंकवाद की भूमिका को वैश्विक मंचों पर उजागर किया जा सके, अमेरिका, दक्षिण कोरिया और बहरीन जैसे देशों में सात प्रतिनिधिमंडल सक्रिय रूप से वैश्विक नेताओं, थिंक टैंकों और नीति निर्धारक संस्थाओं से चर्चा कर रहे हैं, इन टीमों में विभिन्न राजनीतिक दलों और समुदायों के सदस्य शामिल हैं, जो भारत का एक संयुक्त नजरिया दुनियाँ के सामने पेश कर रहे हैं, इस पहल का मकसद पाक को फिर एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालना है। अक्टूबर 2022 में,एफएटीएफ ने चार सालों की निगरानी के बाद पाक को ग्रे लिस्ट से हटाया था, लेकिन भारत का दावा है कि पाक ने इस दौरान आतंकवाद के समर्थन में अपने कदमों में सुधार नहीं किया, भारत अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं जैसे आईएमफ और विश्व बैंक से मांग कर रहा है कि वे पाकिस्तान द्वारा विदेशी सहायता के दुरुपयोग की जांच करें। साथियों बात अगर हम पाक को एफएटीएफ की होने वाली मीटिंग में लॉबिंग कर पाक को ग्रे लिस्ट में डलवाने की कवायत की करें तो, भारत ने पाकिस्तान को दोबारा एफएटीएफ की ह्यग्रे लिस्टह्न में डालने की प्रक्रिया तेज कर दी है।यह कदम आतंकवादी वित्त पोषण पर लगाम लगाने और पाकिस्तान पर वैश्विक दबाव बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार,भारत सरकार ने एक विस्तृत डोजियर तैयार कर लिया है जिसमें पाकिस्तान के हालिया आतंकी फंडिंग ट्रेल,और जम्मू- कश्मीर में हुई घटनाओं से जुड़ा वित्तीय नेटवर्क उजागर किया गया है। ध्यान रहे कि भारतीय कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से ऑपरेशन सिन्दूर सैन्य अभियान चला कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया था। उसके बाद से भारत इस मुददे पर पाकिस्तान को हर मोर्चे पर और हर स्तर पर घेर रहा है। एक प्रसिद्ध प्रिंट मीडिया के अनुसार यह डोजियर जून 2025 में होने वाली एफएटीएफ प्लेनरी मीटिंग में पेश किया जाएगा। भारत का दावा है कि पाकिस्तान ने 2022 में ग्रे लिस्ट से हटने के बाद जिन शर्तों का पालन करने का वादा किया था, उनका लगातार उल्लंघन किया है। पाकिस्तान को 2022 में ग्रे लिस्ट से बाहर निकाला गया था,सरकारी सूत्रों ने बताया कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ आतंकी फंडिंग के आरोपों को उठाएगा ताकि उसे वैश्विक मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण निगरानी संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स एफएटीएफ की ह्यग्रे लिस्टह्न में वापस डाला जा सके। सूत्रों ने बताया कि भारत खास तौर पर उन कानूनी प्रावधानों का पालन न करने की ओर ध्यान दिलाएगा, जिनका पालन करने का वादा पाकिस्तान ने 2022 में ग्रे लिस्ट से बाहर आने पर किया था। सरकार इस पर विचार कर रही है। इसके अलावा, भारत जून में पाकिस्तान को विश्व बैंक की ओर से दी जाने वाली वित्तीय सहायता की समीक्षा पर भी आपत्ति जताएगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार एफएटीएफ में इस बात पर विचार कर रही है कि पड़ोसी देश को आतंकवादी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता देने वाले वित्तीय प्रवाह पर अंकुश लगाया जाए। भारत को कश्मीर में अवैध धन प्रवाह कम करने में मदद मिली, पाकिस्तान को जून 2018 में ह्यग्रे लिस्टह्न में डाल दिया गया था, और अक्टूबर 2022 में इसे हटाए जाने तक ह्नबढ़ी हुई निगरानीह्व का सामना करना पड़ा। इस सूची में होने से एफडीआई और पूंजी प्रवाह पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, क्योंकि व्यवसायों को अधिक परिश्रम करना पड़ता है। सरकारी अधिकारियों ने पहले कहा था कि इससे पाकिस्तान से भारत में, खासकर जम्मू-कश्मीर में अवैध धन प्रवाह को कम करने में मदद मिली है। भारत ने इस महीने की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की बोर्ड बैठक में पाकिस्तान के लिए जुलाई 2024 से शुरू होने वाले 7 अरब डॉलर के सहायता पैकेज के तहत धनराशि जारी करने पर आपत्ति जताई थी, जिसमें पड़ोसी देश द्वारा नापाक गतिविधियों और आतंकवादी हमलों के लिए धन का दुरुपयोग करने का हवाला दिया गया था।जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के लिए ह्यग्रे लिस्टह्न का दर्जा मांगने के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू करने के लिए भारत को एफएटीएफ के अन्य सदस्य देशों के समर्थन की आवश्यकता होगी। दरअसल प्लेनरी एफएटीएफ का निर्णय लेने वाला निकाय है, जो साल में तीन बार, आमतौर पर फरवरी, जून और अक्टूबर में मिलता है। गौरतलब है कि एफएटीएफ के 40 सदस्य हैं, और 200 से ज्यादा अधिकार क्षेत्र एफएटीएफ -शैली क्षेत्रीय निकायों के जरिए एफएटीएफ की सिफारिशों के लिए प्रतिबद्ध हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ का सदस्य नहीं है,बल्कि एशिया पैसिफिक ग्रुप ऑन मनी लॉन्ड्रिंग (एपीजी) का सदस्य है, जो एफएटीएफ -शैली का सबसे बड़ा क्षेत्रीय निकाय है। भारत एपीजी के साथ-साथ एफएटीएफ का भी सदस्य है।भारत का यह कदम एक रणनीतिक व कूटनीतिक दबावविश्लेषकों का कहना है कि भारत का यह कदम एक रणनीतिक व कूटनीतिक दबाव है, जिसका उद्देश्य आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उजागर करना है।

हिन्दी में कार्य कर प्रेम की ज्योति जलाएं

-संजय गोस्वामी

देश के हर व्यक्ति में राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण की भावना होनी चाहिए क्योंकि राष्ट्र से बड़ा कुछ नहीं है। नागरिक जितने जिम्मेदार होंगे, उस राष्ट्र की महिमा उतनी ही अधिक होगी। राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक का योगदान राष्ट्र की प्रगति में सहायक होता है, इसलिए हम जिस भी स्थिति और परिस्थितियों में हों, हमें राष्ट्र प्रेम की ज्योति जलाए रखनी होगी। इस सकारात्मक सोच से ही हमारे देश की व्यवस्था और मौजूदा व्यवस्था में सुधार हो सकता है। हम हर दिन जापान जैसे छोटे से देश को याद करते हैं कि कैसे एक छोटे से देश ने पूरी दुनिया में अपना एक नया मुकाम स्थापित किया है, चाहे वह तकनीक का मामला हो, अनुशासन का, स्वच्छता का या बुलेट ट्रेन का। अपने वर्चस्व की लड़ाई में जापान ने अपने बच्चों और बुजुर्गों का जो साथ दिया है, वह देखने लायक है। भारत भी बहुत सराहनीय तरीके से विकास कर रहा है और उसने चंद्रयान-3 जैसे मिशन से पूरी दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया है। जब हमारा देश विकसित होगा, तो हम भी विकसित कहलाएंगे और जब हमारे देश का सम्मान होगा, तो हम भी सम्माननीय कहलाएंगे। हमारे सीमा सुरक्षा बल को देश की सुरक्षा की पहली पंक्ति कहा जाता है। मैं यहां स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम सभी नागरिक अपने देश की सुरक्षा की पहली पंक्ति हैं और देश की सुरक्षा के लिए सजग हैं तथा समय आने पर मर मिटने के लिए भी तैयार हैं। युवाओं से अपेक्षा है कि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी क्षमता सिद्ध करें तथा सकारात्मक सोच के साथ कार्य करते हुए अपना तथा पूरे राष्ट्र का भला करें। हमारे संविधान में मौलिक कर्तव्यों में उल्लेख किया गया है कि हमें वैज्ञानिक सोच रखनी चाहिए। हमें प्रत्येक जीव के प्रति दया का भाव रखना चाहिए तथा पर्यावरण, वृक्ष, जलस्रोतों तथा जीव-जंतुओं की भी रक्षा करनी चाहिए। हम प्रदूषण, भ्रष्टाचार तथा अन्य कुरीतियों को समाप्त करके भी राष्ट्र सेवा का परिचय दे सकते हैं। अंत में मैं यही कहना चाहूंगा कि राष्ट्र सेवा किसी भी प्रकार से की जा सकती है। अपनी भाषा तथा संस्कृति की रक्षा करना भी राष्ट्र सेवा है तथा समाज के उत्थान के लिए कार्य करना भी राष्ट्र सेवा है।15 अगस्त 1947 को हमें आजादी मिलने के बाद, देश के लोगों को यह लगने लगा था कि भारत सरकार द्वारा अब आगे अपने कार्य-कलाप अंग्रेजी भाषा में नहीं किए जाने चाहिए। परंतु प्रश्न यह था कि अंग्रेजी नहीं तो आखिर भारत सरकार किस भाषा में अपना कार्य-कलाप करे? काफी सोच-विचार तथा विचार-विमर्श के पश्चात 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा द्वारा हिन्दी को सर्वसम्मति से, ध्यान दें कि सर्वसम्मति में किसी पर कुछ थोपने या लादने जैसी कोई बात नहीं होती, संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया तथा इसको अमल में लाते हुए भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 के ,खण्ड 1 में यह प्रावधान किया गया कि ह्यसंघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। व ह्य संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अन्तरराष्ट्रीय रूप होगा। इस पर भी भारत के बहुभाषी स्वरूप को ध्यान में रखते हुए अनुच्छेद 343 के, खण्ड 2 में यह व्यवस्था की गई कि भारत के संविधान लागू होने के 15 वर्ष बाद तक भी संघ के शासकीय प्रयोजनों में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया जाता रहेगा व खण्ड 3 ए के अनुसार 15 वर्ष के बाद भी संसद विधि द्वारा अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किए जाने की व्यवस्था कर सकेगी।

आज का राशिफल

- **मेष** – ज करियर में मजबूती और धन से जुड़ी सकारात्मक खबर मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
- **तुला** – कार्यक्षेत्र में अत्यधिक मेहनत के बावजूद वांछित परिणाम नहीं मिल पाएंगे।
- **वृषभ** – फाइनेंशियल रूप से स्थिर है, परंतु अत्यधिक परिश्रम के बावजूद लाभ अपेक्षा से कम हो सकता है।
- **वृश्चिक** – कोई महत्वपूर्ण व्यवसायिक समझौता आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है।
- **मिथुन** – दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक कामों में सफलता तो मिलेगी।
- **धनु** – सरकार, प्रशासन, शिक्षा या न्याय से जुड़े क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को विशेष सम्मान मिलेगा।
- **कर्क** – दिन आर्थिक और करियर दृष्टिकोण से शुभ रहेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं।
- **मकर** – दिन करियर और वित्तीय मामलों में तरक्की का संकेत है। उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा।
- **सिंह** – आज दिन आर्थिक और पेशेवर रूप से बहुत अच्छा साबित होगा। भाग्य का साथ मिलेगा।
- **कुंभ** – आज कार्यक्षेत्र में नई उपलब्धियां मिल सकती हैं। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन लाभकारी है।
- **कन्या** – दिन चुनौतियों से भरा रहेगा। जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, जिससे मानसिक दबाव भी रहेगा।
- **मीन** – आज दिन बहुत शुभ है। व्यवसाय में धन निवेश करने से आगे चलकर अच्छा लाभ होगा।

विशेष

पूंजीवाद के सामने हार गया वामपंथ

पूंजीवाद के विरोध में वामपंथ का जन्म हुआ था। दुनिया के कई देशों में वामपंथी व्यवस्था आई। ट्रेड यूनियन बने, मजदूरों ने अपनी लड़ाई लड़ी। शासन व्यवस्था के खिलाफ वामपंथी उग्रवाद (नक्सलवाद) और ट्रेड यूनियन की दादागिरी भी देखने को मिली। नक्सलवाद और उग्रवाद के सहारे सत्ता तक पहुंचाने का एक मार्ग भी मिला। पिछले 30 वर्षों में पूंजीवाद के इस दौर में वामपंथी अलग-थलग पड़ गए। वैश्विक व्यापार संधि के बाद मजदूरों की कोई सुनवाई नहीं हुई। मजदूर एकत्रित भी नहीं हो पाए। कर्ज के जरिए पूंजीपतियों ने गरीबों और मध्यम वर्ग को अपना गुलाम बना लिया है। कर्ज के बोझ तले अब मजदूर, मध्यम वर्ग और वामपंथ का समर्थन करने वाले कहां गए, यह पता ही नहीं चलता है।

पहलगाम में जम्मू कश्मीर सरकार की कैबिनेट बैठक

पहलगाम की घटना के बाद जम्मू कश्मीर का पर्यटन उद्योग जीरो पर आकर खड़ा हो गया है। लोगों के पास काम नहीं है। पर्यटक जम्मू कश्मीर पहुंच नहीं रहे हैं। अभी तक आतंकवादी पकड़ में नहीं आए हैं। इस स्थिति को देखते हुए जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री ने पहलगाम में कैबिनेट बैठक की। जम्मू कश्मीर का डर और भय खत्म हो। पर्यटक एक बार फिर जम्मू कश्मीर पहुंचे। उमर अब्दुल्ला की यह कोशिश कितना रंग लाएगी, कहना मुश्किल है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1643 लंदन में शाही षडयंत्रकारियों को गिरफ्तार किया गया. 1756 गोवा के वैज्ञानिक और क्रांतिकारी जोस फास्टोडियो फारिया का जन्म. 1910 दक्षिण अफ्रीका संघ का गठन हुआ. 1924 चीन ने सोवियत संघ को मान्यता दी. 1937 अपने युद्धपोत पर हमले के बदले में जर्मन बेड़े ने अल्मेरिया, स्पेन पर बमबारी की. 1954 बुंगाडा, उंगाडा में आपातस्थिति लागू की गई. 1961 दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रकुल से अलग स्वतंत्र गणराज्य बना. 1966 कांगो में सरकार का तख्ता पलटने के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री एवारिस्टे किम्बा और तीन अन्य का अदालत ने मौत की सजा सुनाई. 1970 पेरु में भूकंप से 66 हजार लोग मारे गए. 20 हजारसे अधिक लापता हुए और दो लाख लोग घायल हुए. 1973 अमेरिका सीनेट ने कंबोडिया अभियान के लिए धन देने का प्रस्ताव ठुकरा दिया.

दैनिक पंचांग

31 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

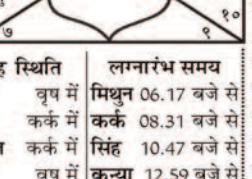

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.17 बजे से
चंद्र	कर्क में	कर्क	08.31 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.47 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.59 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.09 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.24 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.40 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.45 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.32 बजे से
राहुकाल		मीन	01.04 बजे से
9.00 से 10.30		मेष	02.35 बजे से
बजे तक		वृष	04.15 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 151 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 20.16 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 21.08 बजे को समाप्त।
योग वृद्धि 10.43 बजे को समाप्त।
करण बव 08.43 बजे तदनन्तर बालव 20.16 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 55'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872361
जूलियन दिन 2460826.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 03
विशेष विश्व तम्बाकू निषेध दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

घर में पालना चाहते हैं तोता, तो रखें वास्तु शास्त्र के नियमों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में घर में सकारात्मक ऊर्जा के संचार के लिए विस्तार से बताया है कि कौन सी वस्तु को किस स्थान पर रखना चाहिए। यहां तक वास्तु शास्त्र में पशु-पक्षियों को घर में रखने के नियम बताए गए हैं। वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करने से घर में नकारात्मकता दूर होती है।

वास्तु शास्त्र में घर में सकारात्मक ऊर्जा के संचार के लिए विस्तार से बताया है कि कौन सी वस्तु को किस स्थान पर रखना चाहिए। यहां तक वास्तु शास्त्र में पशु-पक्षियों को घर में रखने के नियम बताए गए हैं। वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करने से घर में नकारात्मकता दूर होती है। कई लोगों को घर में तोता पालना अच्छा लगता है, लेकिन क्या आपको पता है कि यह घर के लिए शुभ है या नहीं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार तोता पालना शुभ या अशुभ

वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि घर में तोता पालने से सकारात्मकता का माहौल बनता है। यह घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर देता है। तोते का बोलने घर के लिए शुभ माना जाता है।

तोता को घर में रखनी की दिशा

वास्तु शास्त्र के नियमों को मानें तो तोते को उत्तर या पूर्व दिशा की तरफ रखा जा सकता है। उत्तर दिशा बुध ग्रह की दिशा होती है। बुद्ध बुद्धि के प्रतीक समझें जाते हैं। ऐसे में इस दिशा में तोते को रखने से बच्चों का पढ़ाई में मन लगा रहेगा। पूर्व दिशा को माना जाता है कि वह सूर्य की दिशा है। सूर्य शक्ति और सफलता के प्रतीक हैं। ऐसे में इस दिशा में तोता रखने से आपके घर में समृद्धि का वास होगा।

पिंजरे में तोता रखना सही या गलत

तोता को पिंजरे में रखने के बाद यह जरूर देखें कि वह खुश तो है। ऐसा माना जाता है कि तोता अगर पिंजरे में रहना पसंद नहीं करता है, तो घर से खुशियां चली जाती हैं। यह आपके घर में नकारात्मकता का माहौल बना देगी।

घर में जरूर रखें सूर्य देव की मूर्ति, मिल सकते हैं अनगिनत फायदे

घर में यदि हर चीज वास्तु के नियमों के अनुसार रखी जाती है तो इसे बहुत शुभ माना जाता है और यह सकारात्मक ऊर्जा का कारण बनती है। ऐसे ही कुछ मूर्तियां और तस्वीरें भी समृद्धि का प्रतीक होती हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान सूर्य, जिन्हें सूर्य देव के नाम से भी जाना जाता है, उन्हें दुनिया के लिए जीवन और ऊर्जा का प्रदाता माना जाता है। सूर्य देव को प्रकाश, गर्मी और जीवन शक्ति के परम स्रोत के रूप में पूजा जाता है।

ऐसा माना जाता है कि भगवान सूर्य ब्रह्मांड चक्र को नियंत्रित करते हैं, जो शक्ति, साहस और ज्ञान का प्रतीक माने जाते हैं। यदि हम वास्तु शास्त्र में भगवान सूर्य का प्रतिनिधित्व करने वाली मूर्ति या प्रतिमा की बात करते हैं तो घर में सूर्य देव की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करना बहुत शुभ माना जाता है और इससे पूरे घर में ऊर्जा का संचार होता है। सूर्य देव की प्रतिमा ऊर्जा और शुभता से जुड़ा होने के कारण अत्यधिक महत्व रखता है। आइए वास्तु विशेषज्ञ से जानें घर में सूर्य देव की तस्वीर या मूर्ति रखने के वास्तु नियमों के बारे में।

घर में भगवान सूर्य की मूर्ति रखने का महत्व

घर में सूर्य देव की मूर्ति रखना वास्तु शास्त्र के अनुसार बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि घर में भगवान सूर्य की मूर्ति रखने से सकारात्मक ऊर्जा और जीवन शक्ति का संचार होता है। ऐसा माना जाता है कि यह नकारात्मकता, अंधकार और बाधाओं को दूर करने में मदद करती है। यह मूर्ति घर में चमक, स्पष्टता और शुभता लाने में मदद करती है। भगवान सूर्य को हमेशा से अच्छे स्वास्थ्य और जीवन शक्ति से जुड़ा हुआ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि घर में भगवान सूर्य की मूर्ति रखने से शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है और इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यदि आप सूर्य देव की मूर्ति या तस्वीर की सही स्थान पर रखती हैं तो स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं कम होती हैं। ऐसा कहा जाता है कि यह आस-पास के वातावरण को उपचारात्मक ऊर्जा से भर देती है, जिससे स्वस्थ और जीवंत वातावरण को बढ़ावा मिलता है।

सूर्य देव की तस्वीर घर की समृद्धि के लिए जरूरी है

भगवान सूर्य को प्रचुरता और समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। भगवान सूर्य की पूजा करके और घर पर उनकी मूर्ति रखकर, व्यक्ति अपने जीवन में सफलता, धन और समृद्धि के लिए आशीर्वाद पा सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह वित्तीय स्थिरता और भौतिक प्रचुरता को आकर्षित करती है। जिस घर में यह तस्वीर होती है वहां अपने आप ही सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होने लगती है और घर की खुशहाली बनी रहती है। भगवान सूर्य नेतृत्व, साहस और आत्मविश्वास जैसे गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा माना जाता है कि घर में भगवान सूर्य की मूर्ति रखने से उस घर के निवासियों में ये गुण आ जाते हैं, जिससे उन्हें अपने जीवन की जिम्मेदारी लेने, चुनौतियों से पार पाने और दृढ़ संकल्प और लचीलेपन के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। वास्तु शास्त्र में, भगवान सूर्य को आध्यात्मिक ज्ञान और उच्च चेतना से भी जोड़ा जाता है। ऐसा माना जाता है कि घर में उनकी मूर्ति रखने से आध्यात्मिक विकास, आंतरिक शक्ति और ज्ञान प्राप्त होता है। यह व्यक्तियों को आत्म-खोज की यात्रा शुरू करने, आत्मज्ञान और सांसारिक आसक्तियों से मुक्ति पाने के लिए प्रेरित करती है।

किस दिशा में स्थापित करें सूर्य देव की तस्वीर

यदि आप अपने घर में भगवान सूर्य की तस्वीर स्थापित कर रहे हैं तो आपको वास्तु के अनुसार सही दिशा का ध्यान रखना चाहिए। घर में भगवान सूर्य की मूर्ति लगाने के लिए आदर्श दिशा पूर्व को माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह दिशा उगते हुए सूर्य का प्रतीक होती है और यदि आप इसी दिशा में सूर्य देव की प्रतिमा या तस्वीर लगाती हैं तो आपके लिए शुभ संकेत माने जाते हैं। यह दिशा उगते सूरज से जुड़ी है, जो नई शुरुआत, जीवन शक्ति और सकारात्मकता का प्रतीक मानी होती है। मूर्ति को पूर्व दिशा में रखने से इस पर सूरज की पहली किरण पड़ती है जिससे इसकी ऊर्जा कई गुना बढ़ जाती है। यह तस्वीर उस स्थान को अपनी दिव्य उपस्थिति से ऊर्जावान बनाती है।

सूर्य देव की मूर्ति के लिए कैसा स्थान होना चाहिए

- यदि आप सूर्य देव की तस्वीर स्थापित कर रही हैं तो वह स्थान स्वच्छ और अच्छी रोशनी वाला होना चाहिए। हमेशा सुनिश्चित करें कि वह क्षेत्र जहां भगवान सूर्य की मूर्ति रखी गई है वह साफ-सुथरा, अव्यवस्था मुक्त और अच्छी रोशनी वाला होना चाहिए। सूर्य की पर्याप्त रोशनी प्रतिमा की आभा और चमक को बढ़ा सकती है, जिससे पूरे स्थान में सकारात्मक कंपन बढ़ जाता है।
- भगवान सूर्य की प्रतिमा को हमेशा एक स्थिर और ऊंचे मंच या वेदी पर ही रखने की सलाह दी जाती है। सुनिश्चित करें कि सूर्य देव की पूजा करते समय उनका स्थान आंखों के स्तर पर या थोड़ा ऊपर स्थित होना चाहिए, जिससे उनके प्रति सम्मान प्रदर्शित होता है। इसे कभी भी सीधे जमीन या अंधेरे वाले स्थान पर नहीं रखना चाहिए।
- भगवान सूर्य की प्रतिमा को नकारात्मक ऊर्जा वाले क्षेत्रों, जैसे बाथरूम, स्टोररूम या अव्यवस्थित स्थानों जहां कूड़ा-कचरा इकट्ठा हो, वहां रखने से बचना चाहिए। मान्यता है कि नकारात्मक कंपन सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में बाधा डाल सकते हैं और मूर्ति की प्रभावशीलता को कम कर सकते हैं।
- यदि आप अपने घर में सूर्य देव की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करती हैं तो ये वास्तु के अनुसार बहुत शुभ मानी जाती है और आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।

शुक्र ग्रह कमजोर होने पर घट जाती है सुंदरता ऐसे करें मजबूत

शुक्र ग्रह को सुंदरता का कारक माना जाता है। शुक्र यदि कमजोर हो तो सुंदरता घट जाती है। यदि कुछ उपाय किए जाए जो शुक्र ग्रह को कुंडली में मजबूत किया जा सकता है।

ज्योतिष शास्त्र में नव ग्रहों का विशेष स्थान दिया गया है। प्रत्येक ग्रह के अपने अलग-अलग कारक होते हैं। साथ ही ग्रहों का जातकों के जीवन में भी अलग-अलग असर पड़ता है। शुक्र ग्रह का भी ज्योतिष में विशेष महत्व बताया गया है। शुक्र कमजोर हो, तो आंखों में परेशानी होने लगती है। साथ ही मधुमेह की बीमारी हो सकती है। शुक्र ग्रह को महिलाओं के लिए काफी शुभ माना गया है। इस ग्रह को महिलाओं की सुंदरता से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि जिस महिला की कुंडली में शुक्र शुभ होता है, वे काफी सुंदर होती हैं। वहीं जब शुक्र कमजोर हो तो इसका शरीर पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यहां आपको बताते हैं शुक्र कमजोर होने के क्या संकेत है और इसे कैसे मजबूत किया जा सकता है।

शुक्र कमजोर होने के क्या संकेत हैं

- चेहरे पर मुंहासों का अचानक निकलना शुक्र के कमजोर होने का संकेत माना जाता है।
- चेहरे पर इंफेक्शन भी शुक्र कमजोर होने का संकेत है।

ऐसे मजबूत करें शुक्र ग्रह

- शुक्रवार के दिन सफेद रंग के कपड़े पहनने चाहिए
- सफेद रंग की वस्तुओं का दान करना शुभ होता है
- शुक्र यंत्र को घर में स्थापित करना चाहिए
- सफेद गाय को चारा खिलाने से शुक्र के प्रकोप से मुक्ति मिलती है
- केमिकल वाले परफ्यूम की जगह प्राकृतिक महक वाले इत्र का इस्तेमाल करना चाहिए
- गंदे और फटे-पुराने कपड़े पहनने से शुक्र ग्रह अशुभ फल देता है। ऐसे में इस तरह के कपड़े पहनने से बचना चाहिए।

शनिदेव को नाराज कर सकती हैं अनजाने में हुई ये गलतियां

शनिदेव व्यक्ति के अपराधों की सजा महादशा, ढैया या साढ़ेसाती के दौरान देते हैं। शनिदेव की वक्र दृष्टि से वही जातक बच पाता है जिसने निम्नलिखित 8 में से कोई भी कार्य नहीं किया हो। कहते हैं कि शनिदेव की नाराजगी व्यक्ति को एक झटके में बर्बाद कर देती है। यदि आप भी ये 8 गलतियां कर रहे हैं तो सतर्क हो जाएं। शनिदेव डालते हैं इन पर अपनी वक्र दृष्टि :

- यदि आप ब्याज का धंधा करते हैं तो एक ना एक दिन आप पर शनिदेव की वक्र या कहें कि तिरछी दृष्टि पड़ेगी और बर्बादी शुरु हो जाएगी।
- यदि आप अपनी पत्नी के अलावा किसी अन्य महिला से संबंध रखते हैं तो निश्चित ही एक दिन शनिदेव की वक्री दृष्टि पड़ेगी और बर्बादी शुरु हो जाएगी।
- यदि आप नियमित शराब पीते हैं और खासकर मंगलवार, गुरुवार, शनिवार, प्रदोष काल, एकादशी, चतुर्थी, अमावस्या, पूर्णिमा के दिन शराब पीते हैं तो बहुत जल्द आप शनिदेव की दृष्टि की चपेट में आएंगे।
- यदि आप किसी गरीब, सफाईकर्मी, दिव्यांग, विधवा, अबला आदि को सताते हैं या उनका अपमान करते हैं तो आप तैयार रहें शनि का दंड भुगतने के लिए।
- यदि आप धर्म, देवता, गुरु, पिता और मंदिर का अपमान करते हैं या किसी भी रूप में उनका मजाक उड़ाते हैं तो दंडनायक के दंड का इंतजार करें बहुत जल्द वे हिसाब किताब पूरा कर देंगे।
- यदि आप जुआ या सट्टा खेलते हैं तो पांडवों की तरह वनवास भुगतने या कौरवों की तरह नाश होने के लिए तैयार रहें। आपके जीवन में घटना और दुर्घटना के योग बढ़ जाएंगे।
- अप्राकृतिक रूप से संभोग करना, लिव इन रिलेशनशिप में रहना, अवैदिक विवाह करना और पत्नी को सताने वाला बहुत जल्द शनि की क्रूर दृष्टि की चपेट में आ जाता है।
- झूठी गवाही देना, निर्दोष लोगों को सताना, किसी के पीठ पीछे उसके खिलाफ कोई कार्य करना, चाचा-चाची, माता-पिता, सेवकों और गुरु का अपमान करना, ईश्वर के खिलाफ होना, दांतों को गंदा रखना, तहखाने की कैद हवा को मुक्त करना, भैंस या भैसों को मारना, सांप, कुत्ते और कौवों को सताना इन सभी से शनिदेव नराज होकर व्यक्ति के जीवन को खराब कर देते हैं।
- शनिदेव से बचने का इस कलयुग में मात्र एक ही उपाय है हनुमानजी की भक्ति करना।

भगवान विष्णु की यह शर्त पूरी नहीं कर पाई थीं देवी लक्ष्मी, धारण करना पड़ा था गरीब स्त्री का रूप

भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी से जुड़ी एक पौराणिक आज भी प्रचलित है, जिसके मुताबिक माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु धरती पर भ्रमण के लिए निकले थे। देवी लक्ष्मी के कारण भगवान विष्णु की आंखों से अश्रु बहने लगे थे। इसके कारण देवी मां को सजा भी भुगतनी पड़ी थी।

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत भी रखा जाता है और गुरुवार व्रत कथा का पाठ भी किया जाता है। भगवान विष्णु को पीला रंग प्रिय है। ऐसे में इस दिन पीले वस्त्र पहनने चाहिए। साथ ही भगवान को पीले रंग की मिठाइयों का भोग भी लगाना चाहिए। भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार देवी लक्ष्मी के शर्त न मानने के कारण भगवान विष्णु की आंखों से अश्रु बहने लगे थे।

भगवान विष्णु ने रखी थी शर्त

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार श्रीहरि पृथ्वी भ्रमण पर निकले थे। तब देवी लक्ष्मी ने उनसे कहा कि वह भी उनके साथ जाना चाहती हैं। तब विष्णु जी ने कहा कि वे केवल एक शर्त पर ही उनके साथ जा सकती हैं। जब लक्ष्मी जी ने शर्त पूछी तो विष्णु जी ने कहा कि पृथ्वी पर चाहे कैसी भी परिस्थिति आए, उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। लक्ष्मी जी ने शर्त स्वीकार कर ली और श्रीहरि के साथ चली गईं।

दोनों धरती पर घूम रहे थे, देवी की नजर उत्तर दिशा में पड़ी। वहां इतनी हरियाली थी कि देवी लक्ष्मी बगीचे की ओर चल पड़ीं। उन्होंने वहां से एक फूल तोड़ा और विष्णु जी के पास आ गईं। लक्ष्मी जी को देखते ही विष्णु जी रोने लगे। तब मां लक्ष्मी को विष्णु जी की शर्त याद आई। श्रीहरि ने कहा कि बिना किसी से पूछे किसी भी वस्तु को छूना अपराध माना जाता है। यह सुनकर देवी लक्ष्मी ने अपनी गलती का अहसास किया। उन्होंने माफी मांगी। श्री हरि ने कहा कि केवल बगीचे का माली ही उन्हें माफ कर सकता है। लक्ष्मी जी को माली के घर दासी बनकर रहना होगा। यह सुनकर लक्ष्मी जी तुरंत एक गरीब स्त्री का रूप धारण करके माली के घर चली गईं।

देवी लक्ष्मी ने दिया माली को आशीर्वाद

माली ने देवी लक्ष्मी से कई तरह के काम करवाए। जब माली को पता चला कि वह मां लक्ष्मी हैं, तो वह रोने लगा। उसने देवी लक्ष्मी से कहा कि जो कुछ भी उसने किया, उसके लिए उसे माफ कर दें। तब लक्ष्मी जी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो कुछ हुआ वह भाग्य था। इसमें किसी का दोष नहीं है। लेकिन माली ने लक्ष्मी जी को अपने परिवार का सदस्य माना, इसलिए उन्होंने जीवनभर के लिए उसे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दिया। जिसके बाद वे विष्णु लोक लौट आईं।

बाबा रामदेव की कंपनी को सरकार का नोटिस

संदिग्ध लेन-देन पर मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने बाबा रामदेव से जुड़ी कंपनी पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड से कुछ संदिग्ध लेनदेन पर स्पष्टीकरण मांगा है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कॉर्पोरेट अफेयर्स मिनिस्ट्री ने कंपनी को एक

नोटिस भेजा है। आर्थिक खुफिया विभाग को कंपनी के कुछ लेन-देन असामान्य और संदिग्ध लगे हैं। अब तक लेन-देन की रकम का खुलासा नहीं किया गया है क्योंकि जांच शुरुआती दौर में है। कंपनी को नोटिस का जवाब देने के लिए लगभग दो महीने का समय दिया गया है। मंत्रालय कंपनी के कामकाज और पैसे के इस्तेमाल की भी जांच करेगा। मंत्रालय ने इस बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं दी है। पतंजलि आयुर्वेद के प्रवक्ता ने भी कोई जवाब नहीं दिया है। यह पहली बार नहीं है जब पतंजलि आयुर्वेद पर सवाल उठे हैं। पिछले साल कंपनी पर टैक्स नहीं भरने और गलत तरीके से रिफंड मांगने के आरोप लगे थे। कोर्ट ने कंपनी को कुछ बीमारियों के इलाज के तौर पर अपने उत्पादों का विज्ञापन करने से भी रोक दिया था।

लिस्टेड कंपनी

पतंजलि आयुर्वेद एक प्राइवेट कंपनी है। लेकिन इसकी एक यूनिट पतंजलि फूड्स लिमिटेड शेयर बाजार में लिस्टेड है। इस महीने इसके शेयरों में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट आई है। शुक्रवार को कारोबार के दौरान यह बीएसई पर करीब 3 फीसदी गिरावट के साथ 1691.10 रुपये पर आ गया था। पिछले साल कंपनी की एक यूनिट को सरकार से कारण बताओ मिला था। कोर्ट ने कंपनी को यह भी कहा था कि वह अपने उत्पादों को कुछ बीमारियों के इलाज के तौर पर न बेचे।

बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी समेत 59 लोग शेयर बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी, उनकी पत्नी मारिया गोरेट्टी और 57 अन्य को प्रतिभूति बाजार से एक से पांच साल तक के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। यह प्रतिबंध यूट्यूब चैनलों पर भ्रामक वीडियो के जरिये निवेशकों को साधना ब्रॉडकास्ट के शेयर खरीदने की सलाह देने से संबंधित है। नियामक ने वारसी और उनकी पत्नी

मारिया पर 5-5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। गुरुवार को सेबी की ओर से पारित आदेश के अनुसार, बाजार नियामक ने दंपत्ति को प्रतिभूति बाजार से एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी ने साधना ब्रॉडकास्ट (अब क्रिस्टल बिजनेस सिस्टम लिमिटेड) के प्रमोटरों सहित 57 अन्य संस्थाओं पर 5 लाख रुपये से 5 करोड़ रुपये तक का जुर्माना भी लगाया है। प्रतिबंध के अलावा, सेबी ने इन 59 संस्थाओं को जांच अवधि के अंत से वास्तविक भुगतान की तारीख तक संयुक्त रूप से और अलग-अलग 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ 58.01 करोड़ रुपये के कुल अवैध लाभ को वापस करने का निर्देश दिया।

सोने और चांदी के रेट में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजारों आज एक बार फिर सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। 24 कैरेट गोल्ड की कीमत आज जहां 210 रुपये प्रति 10 ग्राम गिरी है वहीं, चांदी के भाव में 1000 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। इस बीच खबर यह है कि सोने के आभूषणों पर हॉलमार्किंग को अब देश के और जिलों में भी अनिवार्य किया जाएगा। आज 24 कैरेट सोना बिना जीएसटी के 95315 रुपये के रेट से खुला।

वहीं, चांदी के रेट 97100 रुपये पर आ गए हैं। 3 प्रतिशत जीएसटी के साथ आज सोना 98174 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 100013 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रही है। सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं। इनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। अभी यह रेट दोपहर वाला है। सर्राफा बाजारों आज एक बार फिर सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है।

24 कैरेट गोल्ड की कीमत आज जहां 210 रुपये प्रति 10 ग्राम गिरी है वहीं, चांदी के भाव में 1000 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। इस बीच खबर यह है कि सोने के आभूषणों पर हॉलमार्किंग को अब देश के और जिलों में भी अनिवार्य किया जाएगा। आज 24 कैरेट सोना बिना जीएसटी के 95315 रुपये के रेट से खुला। वहीं, चांदी के रेट 97100 रुपये पर आ गए हैं। 3 प्रतिशत जीएसटी के साथ आज सोना 98174 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 100013 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रही है।

हॉलमार्किंग अब और जिलों में लागू होगी

आभूषण हॉलमार्किंग अब और जिलों में लागू होगी

केंद्र सरकार के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भारतीय मानक ब्यूरो को निर्देश दिया है कि सोने के आभूषणों पर हॉलमार्किंग अब देश के और जिलों में भी अनिवार्य की जाए। फिलहाल यह सिर्फ 371 जिलों में लागू है। मंत्री जोशी ने कहा कि हॉलमार्किंग से ग्राहकों को शुद्ध सोना मिलने का भरोसा मिलता है। इसलिए अगले कुछ सालों में इसे और जिलों तक बढ़ाया जाएगा।

बीएसएनएल का अजूबाः ग्राहक भागे, कर्मचारी फंड कम, फिर भी दो तिमाही में मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। 18 साल के लंबे इंतजार के बाद, भारत संचार निगम लिमिटेड ने लगातार दो तिमाहियों में मुनाफा दिखाया। जनवरी-मार्च 2024 में 280 करोड़ और उससे पहले अक्टूबर-दिसंबर 2023 में 262 करोड़ का लाभ। पर यह सफलता कितनी वास्तविक है ऑडिटर से लेकर विशेषज्ञ तक इस पर सवाल उठा रहे हैं।

मुनाफे के तीन छुपे हथियार- कर्मचारी खर्च का जादू- बीएसएनएल ने अपने कर्मचारियों के वेतन/भत्तों में से 1,042 करोड़ को कैपिटल वर्क-इन-प्रोग्रेस खाते में डाल दिया। यानी इस खर्च को तुरंत न गिनकर भविष्य की संपत्ति के निर्माण में लगा दिया। इससे उसका तात्कालिक खर्च कम दिखा। जमीन-इमारतों की बिक्री- कंपनी ने अपनी संपत्तियां बेचकर 1,120 करोड़ कमाए, जो पिछले साल से 77 प्रतिशत ज्यादा है। स्पेक्ट्रम के पैसे का नया हिसाब- स्पेक्ट्रम की लागत के हिसाब का तरीका बदलकर यूनिट-बेस्ड एमॉर्टाइजेशन अपनाया। इससे 1,186 करोड़ का घाटा कम हो गया। पेंशन फंड में छेद- कर्मचारियों की ग्रेच्युटी के लिए 501.5 करोड़और लीव एनकैशमेंट के लिए 82.2 करोड़ फंड कमहैं। यानी भविष्य में पैसों का संकट।

सरकारी पैसे का गड़बड़झाला- सरकारी प्रोजेक्ट्स के लिए मिले 3,018 करोड़ में से सिर्फ 1,138 करोड़ बैंक में बचे। 1,880 करोड़ का हिसाब नहीं मिला। बीएसएनएल का बहाना, इन्वॉइस पेंडिंग हैं।

मुख्य कारोबार ठप- मोबाइल और इंटरनेट से आमदनी में कोई बड़ी बढ़त नहीं। टेलीकॉम विशेषज्ञ पराग कर कहते हैं, 280 करोड़ का मुनाफा ऑपरेशन्स से नहीं, ज़मीन बेचने से आया।

अडानी की कंपनी में एलआईसी ने किया 5000 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी सरकारी बीमा कंपनी, लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन की 5,000 करोड़ रुपये की लोन बॉन्डपूरी खरीद ली है। यह कदम अडानी पोर्ट्स की उस रणनीति को दिखाता है जिसमें वह महंगे और छोटी अवधि के कर्ज को सस्ते और लंबी अवधि के कर्ज से बदल रहा है। एलआईसी और अडानी पोर्ट्स ने इस खबर पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

यह बॉन्ड गुरुवार को जारी हुआ और इसकी अवधि 15 साल है। इसमें निवेशक को सालाना 7.75 प्रतिशत का ब्याज (कूपन रेट) मिलेगा। यह अडानी ग्रुप द्वारा हाल के महीनों में जारी किया गया सबसे लंबी अवधि का घरेलू बॉन्ड है।

महंगे कर्ज को सस्ते कर्ज से बदलने के रास्ते की तलाश

अडानी पोर्ट्स लगातार महंगे कर्ज को सस्ते कर्ज से बदलने के रास्ते तलाश रही है। कंपनी अपना ब्याज बोझ घटाने और नकदी प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए लंबी अवधि के बॉन्ड जारी करने पर जोर दे रही है। अडानी पोर्ट्स पर 36,422 करोड़ रुपये का कर्ज 31 मार्च तक, अडानी पोर्ट्स का कुल शुद्ध कर्ज (नेट डेब्ट) 36,422 करोड़ रुपये था। उसकी कमाई 20,471 करोड़ रुपये थी। इस हिसाब से कंपनी का कर्ज-कमाई अनुपात (नेट डेट-टू-ईबीटीडीए) 1.78 गुना है, जो पिछले साल के 2.3 गुना से बेहतर है। अडानी पोर्ट्स के पोर्ट्स कुल 63.3 करोड़ मीट्रिक टन माल ढोने की क्षमता रखते हैं। पिछले साल उन्होंने 45 करोड़ मीट्रिक टन माल की ढुलाई की। कंपनी के भारत में 15 बंदरगाह/टर्मिनल हैं, साथ ही इस्राइल, तंजानिया, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका में भी उसकी एक-एक संपत्ति है।

एलआईसी इस बॉन्ड के एकमात्र खरीदार हैं। पहले से ही एलआईसी के पास अडानी पोर्ट्स की 8.06 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

कमजोर बाजार में यह स्टॉक 8 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। कमजोर बाजार के बाद भी जिन कंपनियों के शेयरों में उछाल देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को 8 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह उछाल वित्त मंत्रालय की तरफ से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को दिए एक सलाह के बाद दर्ज की गई है। वित्त मंत्रालय ने आरबीआई को सलाह दी है कि स्मॉल गोल्ड लोन लेने वाले लोगों का हित नई ड्राफ्ट की गाइडलाइन से प्रभावित ना हो।

वित्त मंत्रालय ने अपनी सलाह सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। फाइनेंस मिनिस्ट्री ने पोस्ट करते हुए लिखा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से नए ड्राफ्ट की गाइडलाइंस को जांचने के बाद सलाह दी गई है कि 2 लाख रुपये तक लोन लेने वाले कर्जदाताओं पर कोई बुरा असर ना पड़े। वित्त मंत्रालय ने इन छोटे कर्जदाताओं को इससे बाहर रखने की सलाह दी है। जिससे उन्हें समय पर लोन और जल्दी से लोन दिया जा सके।

शेयर बाजार में कैसा रहा है कंपनी का प्रदर्शन- बीते एक साल में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 32 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स में 10 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। 5 साल में कंपनी के शेयरों का भाव 157 प्रतिशत बढ़ा है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगातार स्थिति मजबूत कर रहा भारत

चीन को चुनौती देने वाला एकमात्र देश

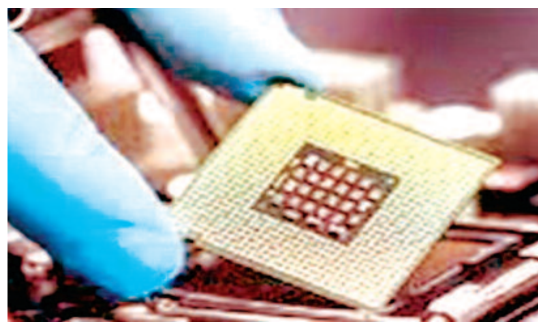

नई दिल्ली, एजेंसी। फैबलेस चिप बनाने वाली कंपनी थर्ड आईटेक की सीईओ वृंदा कपूर ने कहा, दशकों से वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गजों ने भारत में बड़े अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित किएहैं।इस कारणबनी इस अद्वितीय बढ़त ने देश को वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षमता में, खासकर रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में चीन के प्रभुत्व को चुनौती देने की स्थिति में रखा है। रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में 2030 तक चीन की हिस्सेदारी 65 फीसदी रहने की संभावना है।

भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।कुशल कार्यबल के साथभारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जो सेमीकंडक्टर उद्योग में चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकता है।खास बात है कि दुनिया की कुल सेमीकंडक्टर डिजाइन प्रतिभा का 20 फीसदी तीन भारतीय शहरों बंगलूरू, हैदराबाद और पुणे में स्थित है। क्वालकॉम का 5जी चिप 100 फीसदी भारत में डिजाइन किया गया था। फैबलेस चिप बनाने वाली कंपनी थर्ड आईटेक की सीईओ वृंदा कपूर ने कहा, दशकों से वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गजों ने भारत में बड़े अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित किएहैं।इस कारणबनी इस अद्वितीय बढ़त ने देश को वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षमता में, खासकर रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में चीन के प्रभुत्व को चुनौती देने की स्थिति में रखा है। रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में 2030 तक चीन की हिस्सेदारी 65 फीसदी रहने की संभावना है। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन-2025 में कपूर ने कहा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखलाओं में चीन के तेजी से विस्तार (2004 से 600 फीसदी वृद्धि) के बावजूद भारत के कुशल इंजीनियरों और डिजाइनरों का विशाल पूल महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी बढ़त रखता है।

एआई बदलाव लाने में सक्षम, तैयार रहें उद्योगः वैष्णव

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीआईआई के कार्यक्रम में कहा, आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक वास्तविकता है और यह लंबे समय तक बनी रहने वाली है। एआई से समाज और विभिन्न उद्योगों में बड़े पैमाने पर बदलाव लाने में सक्षम है।हर उद्योग को इन बदलावों के लिए तैयार रहने और उनके अनुकूल होने की जरूरत है। उन्होंने कहा, अतीत में जिस तरह इंटरनेट और इलेक्ट्रॉनिक्स ने समाज की दिशा को बदला है, कुछ उसी तरह एआई भी बहुत बड़ा बदलाव लेकर आएगा।

सुजलॉन एनर्जी को 365 प्रतिशत मुनाफा

5 साल में एक लाख के 25 लाख रुपये बना चुका है शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी ने एक बड़ी घोषणा की। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही (त्त4एफवाय25) में उसका मुनाफा बहुत बढ़ गया है। पिछले साल के मुकाबले इस साल 365 प्रतिशत ज्यादा मुनाफा हुआ है। पिछले साल यह मुनाफा 254 करोड़ रुपये था। कंपनी की कमाई भी बढ़ी है। यह 73 प्रतिशत बढ़कर 3,773 करोड़ रुपये हो गई है। पिछले साल इसी समय यह 2,179 करोड़ रुपये थी। इस कंपनी का शेयर 5 साल में 25 गुना रिटर्न दे चुका है।

अगर पिछली तिमाही से तुलना करें, तो भी कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। त्त3एफवाय25 में मुनाफा 387 करोड़ रुपये था। इस बार यह 205 प्रतिशत बढ़कर ज्यादा हो गया है। कंपनी की कमाई भी 27 प्रतिशत बढ़ी है। पिछली तिमाही में यह 2,969 करोड़ रुपये थी। पूरे साल की बात करें तो वित्त वर्ष 25 में कंपनी का मुनाफा 2,072 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल यह 660 करोड़ रुपये था। इस तरह मुनाफे में काफी बढ़ोतरी हुई है। कंपनी की कमाई भी 67 प्रतिशत बढ़कर 10,851 करोड़ रुपये हो गई है। पिछले साल यह 6,497 करोड़ रुपये थी।

कंपनी का खर्चा भी बढ़ा

कंपनी का खर्चा भी बढ़ा है। इस तिमाही में कंपनी ने 3,274 करोड़ रुपये खर्च किए। पिछली तिमाही में यह 2,611 करोड़ रुपये था। पिछले साल इसी तिमाही में यह 1,927 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कच्चा माल खरीदने, कर्मचारियों को सैलरी देने और अन्य खर्चों में पैसे लगाए।

कैसा रहा शेयर का प्रदर्शन

सुजलॉन एनर्जी का शेयर एक मल्टीबैगर शेयर साबित हुआ है। इसने 5 साल में निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। 5 साल पहले इसकी कीमत 2.57 रुपये थी। गुरुवार को यह 1.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65.42 रुपये पर बंद हुआ। ऐसे में इसका 5 साल का रिटर्न करीब 2445 फीसदी रहा है। अगर आपने 5 साल पहले इसके एक लाख रुपये के शेयर खरीदे होते तो उनकी वैल्यू आज 25 लाख रुपये से ज्यादा होती।

क्या बढ़ेगी कीमत

सुजलॉन एनर्जी के शेयर में पिछले कुछ समय से गिरावट आ रही है। इसका 52 हफ्ते का हाई 86.04 रुपये है। यह पिछले साल 12 सितंबर को था। तब से लेकर अब तक इन 8 महीनों में इसमें करीब 24 फीसदी की गिरावट आई है। चूंकि कंपनी को अब चौथी तिमाही में मुनाफा हुआ है। ऐसे में मान सकते हैं कि इसके शेयर में फिर से तेजी आ सकती है।

पिता से मिली प्रेरणा, प्लास्टिक के कचरे के साथ किया कुछ ऐसा कि होने लगी करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी भी स्टार्टअप की कहानी समस्या के समाधान से जुड़ी होती है। ऐसी ही एक समस्या और उसका समाधान ढूंढ निकाला दिल्ली के कारोबारी मोहम्मद सुहैल ने। सुहैल ने प्लास्टिक के कचरे से निपटने के लिए अथर पैकेजिंग सॉल्यूशंस की स्थापना की। वे इसे कंपोस्टेबल पैकेजिंग में बदलते हैं। पर्यावरण के प्रति उनकी मजबूत प्रतिबद्धता है। उनका व्यवसाय अब सालाना 1.3 करोड़ रुपये कमा रहा है।

भारत में हर साल प्लास्टिक के कचरा काफी इकट्ठा हो जाता है। यह कचरा काफी लोगों के लिए समस्या खड़ी कर देता है। इस समस्या से निपटने के लिए दिल्ली के 32 वर्षीय उद्यमी मोहम्मद सुहैल आगे आए। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में 200 टन इंडस्ट्रियल प्लास्टिक कचरे को लैंडफिल तक पहुंचने से रोका है। यानी इतना कचरा उन्होंने रीसायकल किया। इससे 300 टन ष्टह्र2 उत्सर्जन को कम किया। यह हमारे कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और एक अधिक टिकाऊ भविष्य में योगदान करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सुहैल पुरानी दिल्ली की संकरी गलियों में पले-बढ़े हैं। उनके पिता वहां एक मजदूर के रूप में काम करते थे। अपने पिता को बेकार पड़े पॉलिएस्टर और

कागज से पैकेजिंग सामग्री बनाते देखकर उनके मन में हमेशा यह सवाल उठता था कि क्या बेकार चीजें रोजमर्रा की जिंदगी में बेहतर भूमिका निभा सकती हैं। यहीं से उनके दिमाग में कारोबार का पहला विचार आया।

क्या करती है कंपनी

सुहैल ने साल 2020 में अथर पैकेजिंग सॉल्यूशंस की स्थापना की। वे टिकाऊ विकल्प प्रदान करके बढ़ते कचरे की समस्या का समाधान करना चाहते थे। अपने पिता की सामग्री को फिर से उपयोग करने की प्रेरणा से 32 वर्षीय सुहैल ने प्लास्टिक रीसायकल की क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया। वे कहते हैं, छह महीने के शोध के बाद हमने पाया कि केवल तीन प्रकार के प्लास्टिक, यानी स्थ्ठक्ष, क्चह्रक्क और स्ठ्ठ प्लास्टिक को टिकाऊ पैकेजिंग में रीसायकल किया जा सकता है। अब उनकी यह कंपनी प्लास्टिक को प्रीमियम पैकेजिंग प्रोडक्ट जैसे पाउच में बदलती है।

संकट से जूझ रही जेनसोल ने ब्लूस्मार्ट कैब्स लोन का मई में नहीं किया पेमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग को इलेक्ट्रिक कैब सर्विस ब्लूस्मार्ट के संस्थापकों ने बढ़ावा दिया था। इस महीने, जेनसोल ने अपने कुछ खास निवेशकों (जिन्हें पीटीसी होल्डर्स कहते हैं) को लगभग 4 करोड़ रुपये वापस नहीं लौटाए। यानी, उसने भुगतान करने में चूक (डिफॉल्ट) कर दी। आखिरी सफल भुगतान अप्रैल महीने में हुआ था।

जेनसोल ने पैसे जुटाने के लिए पास-थ्रू सर्टिफिकेट्स नाम के खास तरह के लोन प्रमाणपत्र जारी किए थे। इन्हें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ग्रिप इन्वेस्ट के जरिए छोटे निवेशकों को बेचा गया था। सोचिए, ये एक तरह के ऐसे लोन हैं, जो किसी चीज (यहां ब्लूस्मार्ट की कारें) को गिरवी रखकर लिए जाते हैं।

गिरवी क्या रखा था कैसे चुकाना था- जेनसोल ने इन पीटीसी लोन के बदले ब्लूस्मार्ट प्लेटफॉर्म पर चलने वाली 76 इलेक्ट्रिक कारों को गिरवी रखा था। योजना यह थी कि जब ये कारें ब्लूस्मार्ट पर चलेंगी और कमाई करेंगी, तो उसी कमाई से निवेशकों को पैसे वापस किए जाएंगे।

फिर समस्या क्यों आई- मुश्किल यह हुई कि ब्लूस्मार्ट की कैब सर्विस बंद हो गई। जेनसोल ड्डद्दह्म जैसी दूसरी राइड-हेलिंग कंपनियों या कार फ्लीट चलाने वालों से बातचीत कर रही थी ताकि ये कारें फिर से चल सकें और कमाई शुरू हो, लेकिन ये सौदे अभी तक पूरे नहीं हुए। कारें खड़ी हैं, कमाई नहीं हो रही, और लोन चुकाने के लिए पैसा नहीं है।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

अविनाश ने रचा इतिहास 36 साल बाद 3000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड दिलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय एथलीट अविनाश साबले ने गुरुवार को एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में मेंस 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट में गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 8:20.92 सेकंड का समय निकालकर 36 सालों बाद भारत को इस इवेंट में गोल्ड मेडल दिलाया। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 साउथ कोरिया के गुमी में जारी है। भारत ने पिछली बार 1989 में इस इवेंट में गोल्ड जीता था, तब दीना राम ने ये कारनामा किया था। वहीं 1975 में हरबेल सिंह स्टीपलचेज में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। साउथ कोरिया के गुमी में जारी इस चैंपियनशिप में जीत के बाद साबले ने कहा, मुझे गोल्ड मेडल जीतने का पूरा भरोसा था, क्योंकि मैं इस क्षेत्र में बेस्ट था। ज्योति ने भी गोल्ड जीता ज्योति याराजी ने 100 मीटर के हर्डल रेस को महज 12.96 सेकंड में पूरा करके गोल्ड मेडल जीता। ज्योति का पिछला रिकॉर्ड 12.99 सेकंड का था।भारत ने अब तक 14 मेडल जीते भारत 26वें एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अब तक अलग-अलग कॉम्पटीशन में 14 मेडल जीत चुका है। पॉइंट्स टेबल में देश दूसरे पायदान पर हैं। भारत ने 5 गोल्ड, 6 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज जीते हैं। इससे पहले 2023 सीजन में भी भारत ने 4×400 मीटर मिक्स्ड रिले में गोल्ड मेडल जीता था।

न्यूज़ीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का 77 वर्ष की आयु में निधन

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का गुरुवार को क्राइस्टचर्च में 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ट्रिस्ट के निधन की पुष्टि न्यूजीलैंड क्रिकेट ने की है। ट्रिस्ट का न्यूजीलैंड को साल 2000 की चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में अहम रोल रहा है। ये आईसीसी ट्रॉफी कीवी टीम ने ट्रिस्ट की कोचिंग में ही जीती थी। ट्रिस्ट कैंटरबरी के पूर्व तेज गेंदबाज थे, जिन्होंने 1968 से 1982 तक 14 साल के खेल करियर के दौरान 24 प्रथम श्रेणी मैच और छह लिस्ट ए मैच खेले। ट्रिस्ट ने 1999 से 2001 तक दो साल न्यूजीलैंड की पुरुष टीम को कोचिंग दी और 15 अक्टूबर 2000 को नैरोबी में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी जिताई, जो टीम का एकमात्र वैश्विक व्हाइट बॉल खिताब है। फाइनल में न्यूजीलैंड ने क्रिस केर्न्स के नाबाद शतक की मदद से भारत को चार विकेट से हराया था। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बयान में कहा, पूर्व ब्लैककैप्स कोच डेविड ट्रिस्ट के निधन की पुष्टि करते हुए एनजीसी को गहरा दुख हुआ है, जिनका कल क्राइस्टचर्च में 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। कैंटरबरी और न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेविड ने 1999 से 2001 तक ब्लैककैप्स को कोचिंग दी, जिस दौरान उन्होंने नैरोबी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। एनजीसी डेविड के परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। अपने प्रथम श्रेणी के करियर में ट्रिस्ट ने 57 विकेट लिए और 1972 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में विक्टोरिया के खिलाफ न्यूजीलैंड के लिए खेले।

हैरी ब्रूक ने 4000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए

बर्मिंघम, एजेंसी। हैरी ब्रूक अंतरराष्टीय क्रिकेट के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और अपने उभरते करियर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 26 वर्षीय ब्रूक ने बर्मिंघम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे के दौरान 4,000 अंतरराष्टीय रन पूरे किए और सभी प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए 49वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। ब्रूक ने मैच में 45 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 58 रनों की पारी खेली जिससे इंग्लैंड को व्हाइट-बॉल कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने में मदद मिली। उनके प्रदर्शन ने उनकी नेतृत्व क्षमता और एक भरोसेमंद मध्य-क्रम बल्लेबाज के रूप में उनके महत्व को रेखांकित किया।

अपने अंतरराष्टीय पदार्पण के बाद से ब्रूक ने 96 मैच खेले हैं और 43.12 की प्रभावशाली औसत से 4,011 रन बनाए हैं। उनके नाम पहले से ही 9 अंतरराष्टीय शतक और 21 अर्धशतक हैं और उनका 99.47 का कुल स्ट्राइक रेट उनकी आक्रामक प्रवृत्ति और सभी प्रारूपों में गति को नियंत्रित करने की क्षमता को दर्शाता है। ब्रूक का अब तक का सबसे मजबूत प्रभाव टेस्ट क्रिकेट में आया है। केवल 25 टेस्ट में उन्होंने 58.47 के शानदार औसत से 2,339 रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक और 11 अर्द्धशतक शामिल हैं। 317 का उनका करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर लंबी, मैच-परिभाषित पारी खेलने की उनकी क्षमता को और रेखांकित करता है।

एकदिवसीय प्रारूप में ब्रूक ने 27 मैचों में भाग लिया और 874 रन बनाए। टी20आई में उन्होंने 44 खेलों में 798 रन बनाए हैं, जो सभी प्रारूपों में उनके लचीलेपन और अनुकूलनशीलता को दर्शाता है। इंग्लैंड ने एजबेस्टन में अपने घरेलू समर की शानदार शुरुआत की क्योंकि उन्होंने कैरेबियाई टीम पर 238 रनों की प्रभावशाली जीत हासिल की, जो कि ब्रूक का व्हाइट-बॉल कप्तान के रूप में पहला मैच था। हालांकि 2027 में दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे में होने वाले अगले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप से पहले इंग्लैंड के लिए कठिन परीक्षाएं होंगी, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रदर्शन हाल के दिनों की तुलना में काफी बेहतर रहा।

इंग्लैंड भारत में हाल ही में हुए 50 ओवर के विश्व कप के ग्रुप चरणों से आगे नहीं बढ़ पाया और इस साल की शुरुआत में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसे जीत नहीं मिली जबकि टीम ने सितंबर 2023 में आयरलैंड को 1-0 से हराने के बाद से कोई द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला भी नहीं जीती है। लंबे समय से कप्तान रहे जोस बटलर से कप्तानी की बागडोर संभालने के बाद से ब्रूक ने इंग्लैंड की सफेद गेंद वाली टीम में नई जान फूंक दी है।

हार गए वैभव सूर्यवंशी !

3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी ने ऐसे दिया पछाड़

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के दौरान वैभव सूर्यवंशी का नाम छाया रहा है. छाए भी कैसे नहीं, इतनी विस्फोटक बैटिंग जो की है. सिर्फ 14 साल की उम्र में वो किया है, जो बड़े -बड़े खिलाड़ी नहीं कर सके हैं. राजस्थान रॉयल्स भले ही आईपीएल 2025 के ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई मगर वैभव सूर्यवंशी के लिए ये सीजन विन-विन वाला रहा है. बहरहाल, हम यहां बात कर रहे उन्हें मिली हार. वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ 3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी ने हरा दिया है. अब आप सोच रहे होंगे कि वैभव को हार मिली तो किस चीज में? और किसने उन्हें हराया? आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का सफर थमने के बाद वैभव सूर्यवंशी का

सेलेक्शन अंडर 19 टीम में हुआ है. भारत की अंडर 19 टीम इंग्लैंड दौरा 24 जून से शुरू होने वाला है. जिसका हिस्सा वैभव सूर्यवंशी भी हैं. इंग्लैंड जाने से पहले इंडिया अंडर 19 टीम का कैंप बेंगलुरु में लगा है.

3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी से हारे वैभव सूर्यवंशी !

अब आते हैं वैभव सूर्यवंशी को मिली हार पर. जिस मामले में 3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी से हार का सामना करना है, उसका ताल्लुक आईपीएल 2025 के प्रदर्शन से ही जुड़ा है. दरअसल, एक वक्त वैभव सूर्यवंशी का स्ट्राइक रेट आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा था. लेकिन, ग्रुप स्टेज के मुकाबले खत्म होने के बाद हाईएस्ट स्ट्राइक रेट की फाइनल लिस्टिंग में वैभव सूर्यवंशी पिछड़ गए. उन्हें 3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी उरविल पटेल ने पछाड़ दिया.

वैभव का स्ट्राइक रेट– 206.55, उरविल का 212.50 का

राजस्थान रॉयल्स से खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी का स्ट्राइक रेट अ 2025 में खेले 7 मैचों में 206.55 का रहा, वहीं सिर्फ 3 मैच खेलने वाले सीएसके के उरविल पटेल ने 212.50 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए. इस तरह उरविल पटेल आईपीएल 2025 में सर्वाधिक स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज भी रहे. वहीं वैभव को नंबर 2 पर रहना पड़ा.

खिलाड़ियों को खुद पर संदेह करने से बचना चाहिए : गेंदबाजी कोच

मुल्लांपुर, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के क्वालीफायर एक में खराब प्रदर्शन के बावजूद 11 साल में पहली बार फाइनल में पहुंचने की उम्मीद लगाए पंजाब किंग्स के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी खिताबी मुकाबले में पहुंचने के अपने अगले प्रयास से पहले 'खुद पर संदेह करने से बचें। पंजाब किंग्स ने अपने आक्रामक खेल के साथ लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल किया लेकिन बृहस्पतिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उसे आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टीम के पास रविवार को दूसरा क्वालीफायर जीतकर फाइनल में जगह पक्की करने का एक और मौका मिलेगा। होप्स ने इस करारी शिकस्त के बाद कहा, 'हमारे बल्लेबाजों के लिए सबसे बुरी यह हो सकती है कि वे खुद पर संदेह करने लगे। उन्होंने कहा, 'हमने शुरुआती ओवर में अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन उसके बाद लगातार विकेट गंवाते रहे। यह जरूरी है कि हम इस प्रदर्शन को पीछे छोड़कर आगे बढ़े। हमें कल (शुक्रवार) यात्रा करनी है और रविवार को एक और मैच खेलना है और अब हम इसे कठिन तरीके से करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि हम मंगलवार रात (फाइनल) को फिर से आरसीबी से भिड़ेंगे।

तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों ने जरूरत से ज्यादा

आक्रामक रवैया अपनाया जिससे टीम 101 रन पर आउट हो गयी। चोट से वापसी कर रहे जोश हेजलवुड और लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने तीन-तीन विकेट लेकर पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया।

होप्स ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो हमने बल्ले से बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन अब हमारे पास फाइनल में पहुंचने का एक और मौका है। हमने दूसरा मौका पाने का अधिकार हासिल करने के लिए दो महीने से कुछ अधिक समय तक काम किया है और उम्मीद है कि हम इस मौके का फायदा उठाएंगे। उन्होंने कहा कि टीम को अहमदाबाद की पिच रास आएगी। होप्स ने कहा, 'ऐतिहासिक रूप से यह (अहमदाबाद) बल्लेबाजी के लिए एक बहुत अच्छी पिच है और हम जानते हैं कि हमें काफी मेहनत करनी होगी और काफी तेजी से रन बनाने होंगे।

नॉर्वे शतरंज: गुकेश ने कारुआना को हराया चौथे राउंड के बाद मैग्नस कार्लसन सबसे आगे

स्टावेंजर, एजेंसी। विश्व के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने भारतीय नंबर 2 अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ अंतिम गेम में शानदार जीत के साथ अपनी क्लास दिखाई। पिछले दो राउंड में दो आर्मागेडन गेम हारने वाले नॉर्वेजियन सुपरस्टार ने घरेलू मैदान पर इस जीत के साथ एकल बढ़त बना ली।

विश्व चैंपियन डोमाराजू गुकेश और विश्व नंबर 3 फैबियानो कारुआना के बीच बाजी में, अमेरिकी लगभग पूरे गेम में आगे चल रहे थे, उनके पास जीतने के काफी मौके थे। हालांकि, गुकेश के शानदार रक्षात्मक कौशल के कारण वे अपने लाभ को भुना नहीं सके। इसके बाद गुकेश ने आर्मागेडन गेम को आसानी से जीत लिया। इससे पहले, विश्व चैंपियन गुकेश ने तीसरे राउंड में विश्व नंबर 2 हिकारू नाकामुरा को हराया, और शानदार प्रदर्शन के साथ अपने खिताब की

दावेदारी को मजबूत किया। पहले दो राउंड में दो हार के बाद भारतीय प्रतिभा के लिए यह जीत इससे बेहतर पल नहीं हो सकती थी। नॉर्वे शतरंज के पहले दिन गुकेश को दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। फिर वह तनाव भरे अखिल भारतीय मुकाबले में अर्जुन एरिगैसी से हार गए, लेकिन विश्व चैंपियन ने तीसरे राउंड में नाकामुरा पर जीत और कारुआना के खिलाफ चौथे राउंड में जीत के साथ वापसी की।

चीनी स्टार वेई यी के खिलाफ विश्व नंबर 2 हिकारू नाकामुरा के बीच मुकाबला उनके क्लासिकल हिस्से में एक कड़ा, रोमांचक ड्रॉ रहा। वेई यी ने आखिरकार आर्मागेडन टाईब्रेक में जीत हासिल की, जिससे सभी महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक हासिल हुए। नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में एक और एक्शन से भरपूर दिन देखने को मिला, जिसमें नवागंतुक सरसादत खादेमालशारिह ने टिंगजी लेई के खिलाफ निर्णायक जीत दर्ज की। यह नॉर्वे शतरंज में उनकी पहली जीत थी, जो एक रोमांचक आक्रामक प्रदर्शन के माध्यम से हासिल की गई। शेष दो गेम, अन्ना मुजीचुक बनाम वैशाली रमेशबाबू, और विश्व चैंपियन वेनजुन जू बनाम हम्पी कोनेरू, आर्मगेडन में तय किए गए, जो महिलाओं के क्षेत्र की जबरदस्त प्रतिस्पर्धी प्रकृति को उजागर करता है, जहां हर अंक मायने रखता है।वैशाली रमेशबाबू और वेनजुन जू ने अपने आर्मगेडन मैचों में जीत हासिल की, जिससे महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक अर्जित किए। नॉर्वे शतरंज दुनिया के प्रमुख शतरंज टूर्नामेंटों में से एक है, जो एक विशिष्ट 6-खिलाड़ी डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में शीर्ष पुरुष और महिला खिलाड़ियों को एक साथ लाता है। 2025 संस्करण 26 मई से 6 जून तक चल रहा है।

कोच ने मुझे सिर्फ एक बात बताई है, आईपीएल2025 के फाइनल में पहुचकर बोले आरसीबी के सुयश शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के क्वालीफायर 1 मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने न्यू चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स पर 8 विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज करते हुए 2016 के बाद पहली बार फाइनल में जगह बनाई। जीत के मुख्य कारकों में एक लेग स्पिनर सुयश शर्मा का शानदार प्रदर्शन था। उन्होंने 17 रन देकर 3 विकेट लिए जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। मैच के बाद सुयश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोचों के एक मंत्र को दिया जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें लगातार कोचों का समर्थन मिला और उन्हें स्टंप्स पर हिट करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया। सुयश ने मैच के बाद कहा, कोच ने मुझे सिर्फ एक बात बताई है- मुझे स्टंप्स पर हिट करना है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं गुगली, लेगब्रेक या फ्लिपर फेंकता हूं। इसलिए मैं स्टंप्स पर ज़्यादा से ज़्यादा गेंदें डालने की कोशिश करता हूं। पिच से कुछ मदद मिल रही थी। मुझे लगता है कि इसीलिए मेरी गुगली को समझना आसान नहीं था। जब पंजाब पहले से ही 5 विकेट पर 59 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था, तब आक्रमण पर आते हुए सुयश ने मजबूत शुरुआत को जारी रखी। उनकी दूसरी गेंद एक अच्छी तरह से निष्पादित गुगली, शशांक सिंह को चकमा दे गई, जो लाइन के पार एक बड़ा स्विंग करने से चूक गए।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 238 रन से रौंदा, वनडे में पहली बार बना ये रिकॉर्ड

बर्मिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के नए कप्तान के रूप में हैरी ब्रूक का कार्यकाल एजबेस्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय मैच में 238 रनों की बड़ी जीत के साथ शुरू हुआ। इंग्लैंड के शुरुआती 7 बल्लेबाजों ने 35 या उससे अधिक रन बनाए। एकदिवसीय मैचों में पहली बार हुआ था जब शुरुआती सात बल्लेबाजों ने 35 या उससे अधिक रन बनाए। ब्रूक उन चार खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने अर्धशतक जड़ा। इंग्लैंड ने आठ विकेट पर 400 रन बनाने के बाद वेस्टइंडीज को 27वें ओवर में 162 रन पर आउट कर दिया। मध्यम गति के गेंदबाज साकिब महमूद (32 रन पर तीन विकेट) ने शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया जबकि तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन (22 रन पर तीन

विकेट) ने पुछल्ले बल्लेबाजों को चलता किया। इंग्लैंड के पास रविवार को कार्डिफ में जीत के साथ सितंबर 2023 के बाद से पहली बार एकदिवसीय द्विपक्षीय श्रृंखला को अपने नाम करने का मौका होगा। इस श्रृंखला का तीसरा और आखिरी मैच मंगलवार को ओवल में होगा।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने तेज गेंदबाजों के लिए माकूल परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया लेकिन उनके गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन से घरेलू टीम ने शुरुआत में ही दबदबा बना लिया। पहली बार एक साथ पारी का आगाज कर रहे बेन डकेट (60) और जैमी स्मिथ (37) सात ओवर में 64 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड को तेज शुरुआत दिलाई। जो रूट ने 57 जबकि ब्रुक ने 58 रन का योगदान दिया। टीम की रनगति ने हालांकि उस समय उड़ान भरी जब बारबडोस में जन्में जैकब बेथल ने 53 गेंद में आठ चौके और पांच छक्के की मदद से 82 रन की पारी खेली। इंडियन प्रीमियर लीग से यहां लौटे बेथल ने विल जैक्स (24 गेंद में 39 रन) के साथ छठे विकेट के लिए 44 गेंद में 98 रन की विस्फोटक साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाये। टीम 12वें ओवर में 66 रन पर चार विकेट गवांकर मैच से लगभग बाहर हो चुकी थी। सबसे निचले 11वें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए सिल्स नाबाद 29 रन के साथ टीम के सर्वोच्च स्कोरर रहे। होप ने 25 और केसी कार्टी ने 22 रन का योगदान दिया।

विनय पाठक का खुलासा-

मुन्ना भाई नहीं बल्कि, खोसला का घोसला है बोमन ईरानी की पहली फिल्म

एक्टर विनय पाठक अपनी नई फिल्म चिड़िया की तैयारियों में जुटे हैं। उन्होंने अभिनेता बोमन ईरानी को लेकर बात की और बताया कि उन्होंने फिल्म खोसला का घोसला के जरिए हिंदी सिनेमा में कदम रखा था, लेकिन लोग मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. को उनकी पहली हिंदी फिल्म मानते हैं। विनय ने इसके पीछे का कारण भी बताया। विनय ने कहा कि फिल्म वितरण में दिक्कतें आने के कारण खोसला का घोसला की रिलीज में देरी हुई थी। यह फिल्म करीब 3 साल तक बंद पड़ी रही, इस दौरान बोमन ईरानी की फिल्म मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. रिलीज हो गई और इस तरह इस फिल्म को उनकी पहली फिल्म मानी जाती है। विनय पाठक ने खोसला का घोसला में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, खोसला का घोसला की सबसे अच्छी बात यह थी कि मैं अपने दोस्तों के साथ काम कर रहा था। यह मुझे हर काम में सबसे ज्यादा खुशी देता है। उस वक्त रणवीर शौरी और मैं दोनों थे, फिर बोमन ईरानी भी आए। ये उनकी पहली फिल्म थी, लेकिन खोसला का घोसला तीन साल तक रिलीज नहीं हुई, तब तक उनकी मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. रिलीज हो गई। इस फिल्म में उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया गया और वे लोकप्रिय हो गए। दिलचस्प बात यह है कि दोनों फिल्में खोसला का घोसला और मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. बड़ी हिट साबित हुईं। ये दोनों फिल्में इंडस्ट्री की दुनिया में कदम रखने वाले निर्देशकों ने बनाई थीं।

मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. के निर्देशक सुपरस्टार राजकुमार हिरानी थे, जबकि खोसला का घोसला के निर्देशक दिबाकर बनर्जी थे, जो अपनी खास और अलग तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

दोनों फिल्मों को नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स भी मिले और दोनों फिल्मों में बोमन ईरानी ने नकारात्मक या ग्रे शेड किरदार निभाया था। फिल्म चिड़िया का निर्देशन मेहरान अमरोही ने किया है।

विराट के बाद ... तमन्ना ने लगाया इंस्टाग्राम पर इल्जाम

क्रिकेटर विराट कोहली के बाद अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने इल्जाम लगाया है कि इंस्टाग्राम अपने आप पेजों को लाइक करता है। ताजा मामला दीपिका पादुकोण से जुड़ा है।

हाल ही में क्रिकेटर विराट कोहली ने दावा किया था कि इंस्टाग्राम पर अपने आप पोस्ट लाइक हो गई। अब अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म खुद से पेजों को लाइक करता है।

तमन्ना ने बुधवार को अपनी एक सेल्फी के साथ एक स्टोरी पोस्ट करते हुए कहा क्या इंस्टाग्राम हमें ये बता सकता है कि वह खुद से पेजों को कैसे लाइक करता है, क्योंकि कई लोग इसे खबर बना रहे हैं और मुझे आपना काम करना है।

तमन्ना ने दीपिका की रील को लाइक किया था

आपको बता दें कि कथित तौर पर तमन्ना भाटिया ने दीपिका पादुकोण की एक इंस्टाग्राम रील को लाइक किया।

इस रील में वेतन में अंतर, काम के माहौल और महिलाओं के प्रति द्वेष जैसे मुद्दों को उजागर किया गया। तमन्ना की यह पोस्ट दीपिका पादुकोण और फिल्म निर्माता संदीप रेड्डी वांगा के बीच फिल्म स्पिरिट को लेकर चल रहे विवाद के बीच आई है।

संदीप रेड्डी ने किया था पोस्ट

हाल ही में फिल्म निर्माता संदीप रेड्डी वांगा ने एक पोस्ट की। इसमें उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन लोगों ने इसे दीपिका पादुकोण से जोड़ा। उन्होंने पोस्ट काफी गुस्से में की और दीपिका के व्यवहार को अनप्रोफेशनल बताया।

दीपिका पादुकोण पहले वांगा की फिल्म स्पिरिट का हिस्सा थीं लेकिन बाद में वह इससे अलग हो गईं। दीपिका ने फिल्म में शूटिंग के घटों को कम करने और दूसरी मांगें रखी थीं। इससे वांगा नाराज हो गए।

दीपिका पर फिल्म के कुछ हिस्से लीक करने का दावा

आपको बता दें मार्च 2025 में ऑनलाइन अफवाहें उड़ीं कि स्पिरिट का कथानक लीक हो गया है, कुछ लोगों ने तमिल फिल्म थेरी से समानता का दावा किया। हालांकि फिल्म लीक होने की बात की तस्दीक नहीं हो पाई है। फिल्म स्पिरिट से दीपिका के जाने के कुछ समय बाद, फिल्म के निर्माताओं ने बताया कि इसमें तृप्ति डिमरी को लिया गया है।

क्या है विराट कोहली का मामला?

इससे पहले विराट कोहली तब चर्चा में आए थे जब इंटरनेट यूजर्स ने देखा कि उनके इंस्टाग्राम अकाउंट ने अभिनेत्री अवनीत कौर की एक पोस्ट लाइक की। विराट ने बाद में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक छोटा सा नोट शेयर करके इस बारे में सफाई दी। उन्होंने लिखा मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि फीड साफ करते समय, ऐसा लगता है कि एल्गोरिदम ने गलती से कोई इंटरैक्शन दर्ज कर लिया है। इसके पीछे कोई इरादा नहीं था। मैं गुजारिश करता हूं कि कोई धारणा न बनाई जाए। आपकी समझ के लिए धन्यवाद।

जब रोमांस वाली फिलिंग जागे... मॉनसून में शायर बनी सारा

मॉनसून कुछ लोगों के लिए रोमांटिक है, तो कुछ के लिए यह मौसम शांति और सुकून भरा है। बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने बारिश के मौसम को लेकर सोशल मीडिया पर अपने दिल की बात शेयर की। उन्होंने बताया कि उन्हें बारिश रोमांटिक लगती है, वह इसका खूब आनंद लेती हैं। सारा अली खान ने इंस्टाग्राम पर कुछ खूबसूरत सेल्फी और एक प्यारी सी शायरी पोस्ट की। उन्होंने बारिश के मौसम में अपने रोमांटिक मूड को दिखाते हुए लिखा, मॉनसून में भरो मग्गे और कोजी होकर सुनो जमाना लगे, रोमांस वाली फिलिंग जब जागे, थिंक ऑफ आपके प्यारे सगे उनके कैप्शन का मतलब यह है कि जब बारिश होती है, तो मूड रोमांटिक हो जाता है। ऐसे में जब प्यार वाला एहसास जागे, तो अपने खास इंसान को याद करें। फोटो में सारा स्टाइलिश और फिट ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। कैमरे के सामने वह अलग-अलग अंदाज में पोज दे रही हैं। 28 मई को सारा को उनकी आने वाली फिल्म मेट्रो इन दिनों के पहले गाने जमाना लगे के लॉन्चिंग इवेंट में देखा गया था। इस इवेंट में उनके साथ आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा और फातिमा सना शेख मौजूद थीं। जमाना लगे का साउंडट्रैक प्रीतम ने तैयार किया, वहीं इसमें अरिजीत सिंह और शाश्वत सिंह ने अपनी आवाज दी है। गाने के वीडियो की शुरुआत बारिश वाले दिन से होती है। पहले सीन में आदित्य का किरदार, सारा को ट्रेन स्टेशन पर अलविदा कहता है। इसके बाद सीन बदलता है और दिखाया जाता है कि अली फजल और फातिमा मिलकर होली का त्योहार मना रहे हैं। इसके बाद अनुपम और नीना गुप्ता की जोड़ी को दिखाया जाता है। दोनों शहर की सड़कों पर स्कूटर पर घूमते नजर आते हैं। आखिर में, पंकज त्रिपाठी और कोंकणा का सीन देखने को मिलता है। दोनों समुद्र किनारे पर क्वालिटी टाइम बिताते हैं। मेट्रो इन दिनों फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु ने किया है। यह गुलशन कुमार और टी-सीरीज, अनुराग बसु प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से प्रस्तुत है। फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिर गूंजेगी किलकारी!

इलियाना दूसरी बार बनने वाली हैं मां, बेबी बंप फ्लॉन्ट कर दी गुड न्यूज

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की खूबसूरत एक्ट्रेस एक बार फिर खुशखबरी देने जा रही हैं. एक्ट्रेस दूसरी बार मां बनने वाली हैं, और इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर शेयर की है.

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की खूबसूरत एक्ट्रेस एक बार फिर खुशखबरी देने जा रही हैं. एक्ट्रेस दूसरी बार मां बनने वाली हैं, और इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर शेयर की है. उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर की है, जिसमें वो अपने बेबी बंप के साथ नजर आ रहीं हैं. हम बात कर रहे हैं, इलियाना डिक्रूज की. जिन्होंने ये गुड न्यूज बेहद अलग तरीके से अपने फैंस के साथ शेयर की है. इस फोटो में इलियाना के साथ उनकी एक और प्रेग्नेंट दोस्त भी नजर आ रही हैं. और अपने-अपने बेबी बंप को बड़े ही प्यार से फ्लॉन्ट कर रही हैं. दरअसल, जनवरी 2025 में ही इलियाना ने एक वीडियो शेयर कर फैंस को नए साल की बधाई दी थी, तभी से कयास लगने लगे थे, कि एक्ट्रेस शायद फिर से मां बनने वाली हैं. इसके बाद फरवरी में उन्होंने अपनी मिडनाइट क्रेविंग्स की फोटो शेयर कर इस खबर पर मुहर लगा दी थी. इस बीच फरवरी में उन्होंने एक फोटो शेयर की थी, जिसमें कुछ स्नैक और एंटासिड च्यू के पैकेट दिख रहे थे. जिसके कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा था, बिना बताए बताओ कि आप प्रेग्नेंट हैं? बता दें कि इलियाना ने 2023 में अमेरिकी माइकल डोलन से गुपचुप तरीके से शादी की थी. उसी साल अप्रैल में उन्होंने अपनी पहली प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी. अगस्त 2023 में उन्होंने बेटे कोआ फीनिक्स डोलन का वेलकम किया था.

मैं जब तक किसी रोल को निभा रही होती हूं

वो मेरे अंदर रहता है

पंकज त्रिपाठी और श्वेता बसु की जोड़ी वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' का चौथा सीजन लेकर आ रहे हैं। इस बार इसमें उनके साथ दिखेंगी सुरवीन चावला। मेरे साथ ऐसा है कि मैं जब तक किसी रोल को निभा रही होती हूं, वो मेरे अंदर रहता है। जैसे ही किरदार खत्म होता है, मैं उससे बाहर आ जाती हूं। मैंने एक बार किरदार छोड़ दिया फिर वो छूट ही जाता है। मैं ज्यादा वक्त तक उस किरदार में रह नहीं पाती। सीजन-4 में अंजू एक किस्म की इमोशनल कोर भी है। उसकी लाइफ के कुछ फैसले, गलत को सही से परे करना, ये सारी बातें शो के दौरान कठिन और सरप्राइजिंग रहा। मुझे इस शो के कास्ट एंड क्रू के साथ काम करके बहुत मजा आया। मैंने इस चीज को बहुत एंजॉय किया। सीन कट होने के बाद हम सबकी जो एनर्जी होती थी, वो यादगार रहेगी। शायद, इस वजह से भी मैं अपने किरदार से आसानी से निकल जाती थी। रोहन सर की एक और बात है, जो उन्हें अलग बनाती है। वो जो भरोसा हम पर रखते थे, ऐसा लगता था कि किरदार का पकड़ हमारे हाथ में है। ऐसा भरोसा अगर एक डायरेक्टर अपने एक्टर्स के हाथ में सौंप दे तो मजा दोगुना हो जाता है।

वापसी पर बोले फरदीन - दर्शकों और निर्माताओं के प्यार के लिए आभारी हूं

अभिनेता फरदीन खान अपकमिंग फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आएंगे। हाउसफुल उनकी चौथी फिल्म है। खान ने एक साल में तीन अलग-अलग भूमिकाएं निभाकर पर्दे पर वापसी के बारे में बात की। उन्होंने वापसी और शानदार किरदार के लिए फिल्म निर्माताओं और दर्शकों का आभार जताया। फरदीन मंगलवार को मुंबई में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए, जहां मीडिया ने उनसे निर्देशकों के साथ उनकी पिछली तीन फिल्मों में उनके लगातार प्रदर्शन के बारे में पूछा। वहीं, 'हाउसफुल 5' चौथे नंबर पर है। अभिनेता ने ट्रेलर लॉन्च के मौके पर मीडिया से कहा, जब मैं वापस आने के बारे में सोचता हूं तो ऐसा लगता है कि मैं दूसरी बार आया हूं। अपने को-स्टार्स के साथ प्यार और सम्मान के साथ मिलने और फिर से काम करने के लिए आभारी और उत्साहित हूं। 12 साल की अवधि के बाद वापसी करना कुछ ऐसा नहीं है जिसकी आप योजना बनाएं। मैंने बस इसके लिए तैयारी की है। मुझे बस इतना पता था, यह वही है जो मैं करना जानता हूं। मुझे सेट पर होने की याद आती है। मुझे कहानियां सुनाने का हिस्सा बनने की याद आती है। मुझे उन लोगों के बीच होने वाले जुड़ाव की याद आती है जिनके साथ आप गहरे रूप से लंबे समय तक काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए हाउसफुल 5 चौथी रिलीज होगी और यह सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रैंचाइज भी है। हिंदी फिल्म इतिहास की सबसे सफल कॉमेडी फ्रैंचाइज होगी जो सभी को खुशी और प्यार देने के लिए तैयार है। दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। मेरे लिए इसके जरिए वापसी एक जश्न की तरह है।

हितेन तेजवानी ने छोटे पर्दे पर बदलाव पर की बात, कहा- टीवी इंडस्ट्री में कंपटीशन जरूरी

टीवी के जाने-माने अभिनेता हितेन तेजवानी ने खास बातचीत में भारतीय टीवी इंडस्ट्री के बदलाव पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि टीवी बदल रहा है और इसमें कामयाब होने के लिए मेहनत, लगन और लगातार अच्छे काम करना बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपनी मेहनत और प्रदर्शन की बदौलत टीवी इंडस्ट्री में एक खास जगह बनाई है। हितेन का मानना है कि टीवी इंडस्ट्री में कंपटीशन होना बहुत जरूरी है, क्योंकि हर दिन नए-नए कलाकार आते रहते हैं। यहां सफल बने रहने के लिए सबसे जरूरी है खुद पर भरोसा रखना, अपने काम पर पूरा ध्यान देना और समय के साथ खुद को बदलना और सुधारना। हितेन ने कहा, टीवी शो में काम करते समय, को-एक्टर्स के बीच थोड़ी बहुत आगे बढ़ने की होड़ चलती रहती है।

यह जरूरी भी है। लेकिन यह एक सकारात्मक कंपटीशन की तरह है। ये ऐसा नहीं होता कि मैं ही सबसे अच्छा दिखूं या मैं सबसे बेहतर हूं। असल में आप चाहते हैं कि आप अपना काम इस तरह करें कि पूरा सीन अच्छा और बेहतर लगे। आपकी परफॉर्मेंस से पूरा सीन और कहानी उभरकर आए। हितेन ने आगे कहा, अगर आपकी एक्टिंग अच्छी है या आप दूसरे कलाकारों के साथ अच्छा मुकाबला करते हैं, तो इससे सीन और बेहतर होता है। इसलिए इसमें कुछ भी गलत नहीं है। अगर कंपटीशन अच्छा और सकारात्मक हो, तो वह हमेशा स्वागतयोग्य होता है। पवित्र रिश्ता के अभिनेता हितेन ने बताया कि ऑफ स्क्रीन अच्छे रिश्ते बनाना बहुत जरूरी है। इससे स्क्रीन पर एक्टिंग और भी असरदार होती है। उन्होंने कहा, अगर ऑफ स्क्रीन आप अच्छे दोस्त हैं या साथ में मस्ती करते हैं, तो स्क्रीन पर आपकी केमिस्ट्री अपने आप अच्छी दिखती है। इसके लिए ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ती। हितेन ने बताया कि सेट पर उनके साथ काम करने वाले कई साथी उन्हें प्रैंकस्टर मानते हैं। लेकिन उन्हें लगता है कि वह एक ऐसे इंसान हैं जो सबके मूड को हल्का-फुल्का और आरामदायक बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा , मैंने अभी तक किसी के साथ कोई प्रैंक नहीं किया है। मुझे लगता है मैं चीजों को साधारण रखना पसंद करता हूं। मैं थोड़ा मजाक-मस्ती कर लेता हूं, लेकिन किसी के साथ कोई शरारत नहीं करता। हितेन तेजवानी दस साल से भी ज्यादा समय से टीवी इंडस्ट्री में हैं। फिलहाल, वह टीवी शो मेरी भव्य लाइफ में नजर आ रहे हैं।

-साभार-एजेंसी

मेरे अंदर स्टार वाला एटीट्यूड नहीं है

पंकज त्रिपाठी और श्वेता बसु की जोड़ी वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' का चौथा सीजन लेकर आ रहे हैं। इस शो का पहला सीजन साल 2019 में आया था। 7 साल बाद भी इस लीगल ड्रामा को लेकर ऑडियंस में क्रेज बरकरार है। हर सीजन में माधव मिश्रा के किरदार को ऑडियंस का खूब प्यार मिला है। पंकज त्रिपाठी और श्वेता बसु को ऑन स्क्रीन दांव पेंच को ऑडियंस ने तीसरे सीजन में खूब पसंद किया था।

आपके चेहरे में आम आदमी वाला एहसास है, जिससे हर कोई कनेक्ट हो जाता है। इस बात को मेंटेन करना कितना मुश्किल है?

बहुत मुश्किल नहीं है। मेरे जैसा होने के लिए एफर्ट लगाने की जरूरत नहीं होती है। मैं रील और रियल दोनों जगह इस चीज को मेंटेन करता हूं। मेरे साथ दूसरी चुनौतियां हैं। मैं एक्टर हूं और मेरे अंदर वो एक्टर वाला एलिमेंट क्यों नहीं आता है? मेरे अंदर क्या केमिकल लोचा है। मूडी, थोड़ा गुस्सैल, स्टाइलिश, एटीट्यूड दिखाना, ये सब एक्टर एलिमेंट होते हैं। मेरे अंदर ये बात आज तक नहीं आ पाई। मैं बहुत बोरिंग इंसान हूं। मेरी वाइफ को भी बोरिंग इंसान लगता हूं।

इस शो में आप सबके लिए सबसे यादगार क्या रहा?

रोहन सिप्पी जिस तरह से अपने एक्टर्स और यूनिट को हैंडल करते हैं, वो वाकई में कमाल होता है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक यादगार पल है।

कभी नहीं लगा कि हम कुछ बड़ा या बहुत भारी टास्क कर रहे हैं, जबकि 6-7 एपिसोड काफी भारी हैं। इसके अलावा खुशकिस्मती कहिए, पूरी कास्ट भी कमाल की मिली है। सीन कट होने के बाद सबसे एक अलग बॉन्डिंग थी। सेट पर एक घरेलू माहौल होता था। रोहन की जितनी तारीफ की जाए वो कम है। वो बड़ा से बड़ा सीक्वेंस इतनी आसानी से करा लेते थे।

आपके डायलॉग मीम कल्चर का हिस्सा हैं। इस शो में भी ऐसे कई डायलॉग हैं। ये स्क्रिप्ट में होता है या आप खुद क्रिएट करते हैं।

मैं खुद भी जोड़ता हूं। इस शो का किरदार माधव हिंदी इलाके से आता है। मुंबई के मीरा रोड में रहकर सर्वाइवल की लड़ाई लड़ रहा है। यहां रहते हुए वो मुंबई की भाषा बोलने लगा है। मुंबईकर होने के बाद भी, वो अपने गांव-घर वाले मुहावरे बोलता है।

जैसा कि श्वेता ने कहा कि वो किरदार की तैयारी करती हैं। ठीक वैसे मैं भी जो बिहारी मुहावरे में जानता हूं, वो माधव के मुंह से बुलवाता हूं।

जब अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने पहली बार कहानी नेरेट की थी, तब आपको लगा था कि ये इंडिया की लांगेस्ट रनिंग सीरीज बन जाएगी।

मुझे बिल्कुल ऐसा नहीं लगा था। कहानियां अच्छी हैं इसलिए लोगों को पसंद आती हैं। मैं अपनी बात करूं तो मुझे चौथे सीजन की कहानी बहुत पसंद आई। मैंने पहला एपिसोड सुनकर बोल दिया था कि बढ़िया कहानी है। लीगल ड्रामा इसलिए भी लोगों को पसंद आ रहा क्योंकि उन्हें नई- नई चीजें पता चलती हैं।